RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महमंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-13 अंक: 62 ता. 28 अगस्त 2024, बुधवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पहला कॉलम

फर्जी ई-मेल और फर्जी ई-नोटिस से सतर्क रहें लोग..... सुरक्षा एजेंसियों ने चेताया

नई दिल्ली । फर्जी ई-मेल और फर्जी ई-नोटिस से संबंधित धोखाधड़ी के बढ़ते मामलों के मद्देनजर केंद्र ने फिर लोगों को आगाह किया है कि वे इस तरह की फर्जी मेल और ई-नोटिस से सावधान रहें। साइबर अपराध में जुटे शातिर साजिशकर्ता आम लोगों को निशाना बनाते ही हैं, वे गृह मंत्रालय की विभिन्न जांच एजेंसियों से जुड़े लोगों तक को भी इस तरह के फर्जी मेल भेजकर ठग रहे हैं। यह देखकर केंद्र लोगों को परामर्श और चेतावनी जारी कर लोगों को इस तरह के फर्जी मेल और ई नोटिस से सावधान रहने की अपील करती रहती है। सरकारी सुरक्षा तंत्र ने फिर कहा है कि साइबर धोखाधड़ी करने वाले ठग लोगों को विभिन्न जांच एजेंसियों की मुहर के साथ उनके लैटर पैड पर फर्जी ई-मेल और ई-नोटिस भेजकर उन पर 'चाइल्ड पोर्नोग्राफी', बाल यौन शोषण और पोर्नोग्राफी जैसे कृत्यों में शामिल होने का आरोप लगा रहे हैं। इन फर्जी ई-नोटिस और ई-मेल में इन लोगों को दंडात्मक कार्रवाई का भय दिखाकर पैसे वसूलने का धंधा चल रहा है। नोटिस में कहा जाता है कि आप अगले 24 घंटे में उनके कहे अनुसार सहयोग करें, वरना उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर गिरफ्तार कर लिया जाएगा। जांच एजेंसियों का कहना है कि लोगों को इस तरह के मेल और नोटिस का जवाब नहीं देना चाहिए और जांच एजेंसियों को तत्काल इसकी सूचना देनी चाहिए। उनका कहना है कि जांच एजेंसी कभी भी इस तरह के ई-मेल या ई-नोटिस नहीं भेजती है। लोगों को मेल या नोटिस मिलने पर जांच एजेंसी को फोन कर इस बारे में जानकारी लेनी चाहिए कि उन्हें इस तरह का मेल मिला है क्या यह सही है। लोग इस तरह के मेल मिलने पर साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930, भारतीय साइबर अपराध समन्वय केन्द्र की वेबसाइट, या नजदीकी पुलिस स्टेशन अथवा पुलिस नियंत्रण कक्ष में इसकी शिकायत कर सकते हैं।

पाकिस्तानी घुसपैठियां राजस्थान में दाखिल....बीएसएफ कर रही पूछताछ

बाड़मेर । पीएम नरेंद्र मोदी के जोधपुर आने से पहले पाकिस्तानी घुसपैठियां राजस्थान में दाखिल हो गया। तभी ग्रामीणों की सजगता से घुसपैठियें को तत्काल पकड़ लिया गया। बाद में घुसपैठियें को बीएसएफ को सौंप दिया गया। यह घुसपैठिया बाड़मेर से लगती हुई पाकिस्तान बॉर्डर की तारबंदी को पार कर राजस्थान सीमा में दाखिल हुआ। वह पैदल चलकर करीब 15 किलोमीटर तक अंदर चला आया। बाड़मेर जिले से लगती हुई बॉर्डर से पाकिस्तानी युवक तारबंदी पार कर राजस्थान की सीमा में दाखिल हुआ। घुसपैठ करने वाला यह युवक जस्सी कोहली निवासी हाकली खरोड़ा पाकिस्तान है, जो तारबंदी क्रॉस कर बाड़मेर में घुस गया। इस दौरान वह अंधेरे में छिप गया। इसके बाद वह सुबह पैदल करीब 15 किलोमीटर अंदर की तरफ अंदर आ गया। बीएसएफ को घुसपैठिए के पास से एक मोबाइल और डायरी मिली है। इन चीजों को कब्जे में लेकर बीएसएफ जांच करने में जुटी हुई है। ग्रामीणों ने जब उस पकड़ लिया। तब बताया कि वह पाकिस्तान का रहने वाला है। इस पर ग्रामीणों ने पुलिस और बीएसएफ का तत्काल मामले की सूचना दी।

आप ने जम्मू कश्मीर की 7 सीटों पर उम्मीदवारों का ऐलान किया

जम्मू । लोकसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी ने इंडिया गठबंधन के साथ मिलकर चुनाव लड़ा था। अब आप पार्टी जम्मू कश्मीर की 7 सीटों पर उम्मीदवारों का ऐलान कर चुकी है। वहीं फैज अहमद सोफी पुलवामा से आप के टिकट पर मैदान में उतरे है। दिल्ली से उठकर आप ने पंजाब की सत्ता पर कब्जा कर लिया। हालांकि उन्होंने कई विधानसभा चुनावों में अपने उम्मीदवार उतारे, लेकिन वे उस तरह से सेंध नहीं लगा सके। वहीं आप आगामी हरियाणा विधानसभा चुनावों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए बेताब है। इस बीच आप ने जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की घोषणा की है। आप द्वारा जारी उम्मीदवारों की सूची से पता चलता है कि वे कश्मीर के पुलवामा, राजपोरा, देवसरा, डोडा, डोडा पश्चिम, डोरू और बनिहाल निर्वाचन क्षेत्रों में अपने उम्मीदवार उतारने जा रहे हैं। इसमें पुलवामा उल्लेखनीय है। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती 2002 से सीट से जीतती आ रही हैं। सोफी वहां से चुनाव लड़ रहे है। डोडा और डोडा वेस्ट सेंटर के लिए मेहराज दीन मलिक और यासिर सोफी मट्टो उम्मीदवार हैं। गौरतलब है कि जम्मू-कश्मीर चुनाव में कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस गठबंधन कर लड़ रहे हैं। महबूबा की पीडीपी सभी सीटों पर अलग-अलग उम्मीदवार उतार रही है। राजनीतिक हलकों का मानना है कि आप के उस सूची में शामिल होने से वोटों में धोखाधड़ी की संख्या बढ़ सकती है और बीजेपी को फायदा हो सकता है।

जम्मू भाजपा दफ्तर में टिकट कटने वालों का हंगामा,

5 घंटे में भाजपा की 3 लिस्ट, कार्यकर्ताओं ने किया ऐलान

बाहरी उम्मीदवार बर्दास्त नहीं

जम्मू। (एजेंसी)

जम्मू-कश्मीर में 10 साल बाद हो रहे विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने सोमवार को कैंडिडेट्स की 3 लिस्ट जारी की। पहली लिस्ट सुबह 10 बजे आई। इसमें 3 फेज के 44 कैंडिडेट्स के नाम थे, लेकिन इसे थोड़ी ही देर में डिलीट कर दिया। इस लिस्ट के आते ही जम्मू भाजपा दफ्तर में कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन शुरू हो गया था। कार्यकर्ताओं ने कहा कि पार्टी ने पैराशूट प्रत्याशी उतार दिए हैं। इसके बाद प्रदेश भाजपा अध्यक्ष रविंद्र रैना अपने केबिन में चले गए और दरवाजा बंद कर लिया। थोड़ी देर बाद बाहर निकले और कहा- परेशान ना हों, सभी से पर्सनली बात करूंगा।

बात हाईकमान तक पहुंची। पहली लिस्ट जारी होने के 2 घंटे बाद 12 बजे एक और लिस्ट आई, इसमें सिर्फ फर्स्ट फेज के 15 कैंडिडेट्स के नाम थे। रविंद्र रैना ने कहा, अभी फोकस 18 सितंबर को होने वाली फर्स्ट फेज की वोटिंग पर है। मैं हर कार्यकर्ता से पर्सनली बात करूंगा। इसके बाद 2 बजकर 45 मिनट पर एक और लिस्ट आई। इसमें सिर्फ एक नाम था। कोंकरनाग से चौधरी रोशन हुसैन के नाम की घोषणा की गई थी।

नहीं चाहिए पैराशूट उम्मीदवार

दरअसल, ओमी खजुरिया जम्मू में भाजपा के वरिष्ठ नेता हैं और वह उम्मीद लगा रहे थे कि उन्हें पार्टी जम्मू नॉर्थ सीट से उम्मीदवार बना सकती हैं। सुबह जारी हुई भाजपा की लिस्ट में उनका नाम नहीं था, जिसके बाद से उनके समर्थकों ने पार्टी ऑफिस पहुंचकर हंगामा शुरू कर दिया। हालांकि, भाजपा ने अपनी पहली लिस्ट को वापस ले लिया था और बाद में नई लिस्ट जारी की। एक समर्थक ने कहा कि देखिए, हम जमीनी स्तर पर काम करने वाले नेता चाहिए। हमें पैराशूट से लाया हुआ उम्मीदवार नहीं चाहिए। हम जमीनी स्तर का नेता चाहिए, जैसे हमारे ओमी खजुरिया हैं। समर्थक ने चेतावनी देते हुए कहा कि जब तक ओमी खजूरिया को टिकट नहीं मिल जाता, तब तक हमारा

विरोध जारी रहेगा।

ऐसा नहीं चलेगा

वहीं, भाजपा ने जम्मू नॉर्थ से पहली लिस्ट में शाम लाल शर्मा को उम्मीदवार बनाया था। इसके विरोध में ओमी खजुरिया के समर्थक ने कहा कि उनका जम्मू नॉर्थ में तो वोट भी नहीं, फिर से पार्टी ने उनके उम्मीदवार बनाया। उनका निर्वाचन क्षेत्र जम्मू नॉर्थ है ही नहीं।

उन्हें वहां से चुनाव लडना चाहिए। भले ही अब लिस्ट को वापस ले लिया हो। लेकिन नहीं चलेगा, ऐसा होगा तो हम पार्टी से इस्तीफा दे देंगे।

लद्दाख में पांच नए जिले बने..... केंद्रीय मंत्री शाह ने बताए नाम

नई दिल्ली । (एजेंसी)

मोदी सरकार ने केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख में पांच नए जिले बनाने का फैसला किया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बताया कि इन जिलों के नाम जंस्कार, द्रास, शाम, नुबरा और चांगथांग है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि लद्दाख को समृद्ध बनाने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपने पूरा करने के लिए गृह मंत्रालय ने पांच नए जिले बनाने का फैसला किया है। इससे लद्दाख के लोगों को बेहतर प्रशासन और सेवाएं उपलब्ध होगी। बता दें कि 2019 में अनुच्छेद 370 हटाने के साथ ही राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में बांटा गया था। इसके बाद लद्दाख अलग केंद्र शासित प्रदेश बन गया। फिलहाल लद्दाख में दो ही जिले थे। एक कारगिल और दूसरा लेह। वहीं नए जिलों के साथ कुल संख्या सात होगी। 31 अक्टूबर 2019 को लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश बना था। लद्दाख का कारगिल जिला मुस्लिम बहुल है। यहां के लोग आजीविका के लिए सिंधु नदी और कृषि पर निर्भर हैं। लद्दाख ट्रांस हिमाय क्षेत्र में आता है। लद्दाख के लेह में एक मात्र हलाई अड्डा है। इसका नाम कुशोक बकुला रिम्पोची एयरपोर्ट है। लद्दाख में ठंड के मौसम में भयंकर बर्फबारी होती है। यहां लेह जिले में बौती और कारगिल में हिंदू, उर्दू, पुरखी और अंग्रेजी भाषा बोली जाती है। बौती एक तिब्बती भाषा है। लद्दाख में पर्यटन राजस्व का मुख्य स्रोत है। जंस्कर जिले का नाम झील के नाम पर रखा गया है। यहां जांस्कर नाम की झील है।

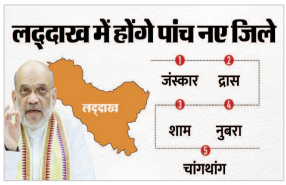

लद्दाख में पांच नए जिले बनने के शाह के फैसले की पीएम मोदी ने की तारीफ

केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में केंद्र सरकार ने पांच नए जिले बनाने का ऐलान किया है। इसकी जानकारी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को सोशल मीडिया के जरिए दी। गृह मंत्रालय के इस फैसले पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहली प्रतिक्रिया सामने आई है। पीएम मोदी ने इस फैसले की तारीफ करते हुए सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, लद्दाख में पांच नए जिलों का निर्माण बेहतर शासन और समृद्धि की दिशा में एक कदम है। ज़ांस्कर, द्रास, शाम, नुबरा और चांगथांग पर अब ज्यादा ध्यान केंद्रित दिया जाएगा, जिससे सेवाओं और अवसरों लोगों के और भी करीब लाएंगे। वहां के लोगों को बधाई।

भारत की पीसमेकर की छवि से परेशान ड्रैगन

नई दिल्ली। रूस और यूक्रेन जंग के बीच प्रधानमंत्री मोदी 46 दिनों के भीतर दोनों देशों का दौरा कर चुके हैं। पीएम मोदी को मकसद साफ था कि युद्ध की विभीषिका के बीच शांति का संदेश देना। जब राष्ट्रपति जेलेंस्की कहते हैं कि पुतिन की तुलना में पीएम मोदी ज्यादा शांति चाहते हैं, तब इसकी गंभीरता का आकलन करना जरूरी हो जाता है। भारत दोनों देशों के बीच पीसमेकर की भूमिका निभाने के लिए तैयार है। इस बात को संयोग कहे या कुछ और लेकिन पीएम मोदी के यूक्रेन पहुंचने से दो दिन पहले ही चीनी प्रधानमंत्री ली कियांग ने रूस का रुख किया था, जहां उन्होंने बेहद गर्मजोशी से राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात की। रूस की ओर चीन का झुकाव किसी से छिपा नहीं है। लेकिन इसके बावजूद वह खुद को इस युद्ध में निष्पक्ष देश के तौर पर पेश करने की कोशिश करता रहा है। लेकिन भारत की लगातार मजबूत हो रही ग्लोबल छवि से चीन चिढ़ा हुआ है। युद्ध के समय में भारत को दुनिया के कई बड़े देश संभावित पीसमेकर के तौर पर देख रहे हैं। चीन को यह रास नहीं आ रहा। वह वैश्विक स्तर पर भारत की लगातार मजबूत होती छवि से असहज महसूस कर रहा है। पीएम मोदी के यूक्रेन दौरे से चीन इस कदर चिढ़ा था कि अपने सरकारी अखबार में संभावित पीसमेकर के तौर पर भारत की भूमिका को सिरे से नकारा गया है। अखबार में कहा गया कि पीएम मोदी ने दोनों युद्धग्रस्त देशों के बीच की खाई को खत्म करने की उत्सुकता दिखाई है। लेकिन भारत के पास ऐसा करने की क्षमता ही नहीं है। भारतीय प्रधानमंत्री का यह कदम केवल अपने अस्तित्व को वैश्विक स्तर पर दिखाने की कोशिश भर है। भारत दोनों देशों के बीच शांति बनने में कोई भूमिका नहीं निभा सकता है।

संन्यास लेने का सवाल ही नहीं, मायावती ने अफवाहों पर लगाया विराम

कांग्रेस और समाजवादी दोनों ही दलों को सुनाया

लखनऊ । (एजेंसी)

सक्रिय राजनीति से संन्यास लेने की अटकलों को सिरे से खारिज कर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष मायावती ने कहा कि वह अपनी अंतिम सांस तक पार्टी मूवमेंट से जुड़ी रहेंगी।

उन्होंने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) से जुड़ने की अफवाहों पर भी विराम देकर दोनों ही दलों पर तंज कसे। सुश्री मायावती ने पोस्ट कर कहा कि बहुजनों के अम्बेडकरवादी कारवाँ को कमजोर करने की विरोधियों की साजिशों को विफल करने के संकल्प हेतु बाबा साहेब डा. अम्बेडकर एवं मान्यवर कांशीराम की तरह ही मेरी जिंदगी की आखिरी सांस तक बीएसपी के आत्म-सम्मान व स्वाभिमान मूवमेंट को समर्पित रहने का फैसला अटल। उन्होंने कहा कि सक्रिय राजनीति से मेरा सन्यास लेने का कोई सवाल ही पैदा नहीं होता है। जबसे पार्टी ने आकाश आंनद को मेरे ना रहने पर या अस्वस्थ विकट हालात में बीएसपी के उत्तराधिकारी के रूप में आगे किया है तबसे जातिवादी मीडिया ऐसी फेक न्यूज प्रचारित कर रहा है जिससे लोग सावधान रहें। मायावती ने कहा, पहले भी मुझे राष्ट्रपति बनाए जाने की अफवाह उड़ाई गई, जबकि कांशीराम ने इसतरह के आफर को यह कहकर ठुकरा दिया था कि राष्ट्रपति बनने का मतलब है सक्रिय राजनीति से सन्यास लेना जो पार्टी हित में उन्हें गवारा नहीं था, तब फिर उनकी शिष्या को यह स्वीकारना कैसे संभव।

सुश्री मायावती ने कहा, सपा जिसने 2 जून 1995 में बीएसपी द्वारा समर्थन वापिसी पर मुझ पर जानलेवा हमला कराया था, तब इस पर कांग्रेस कभी क्यों नहीं बोलती है जबकि उस दौरान केन्द्र में रही कांग्रेसी सरकार ने भी समय से अपना दायित्व नहीं निभाया था। तभी फिर कांशीराम को अपनी बीमारी की गंभीर हालत में भी हॉस्पिटल छोड़कर रात को इनके गृहमंत्री को हड़काना पड़ा था तथा विपक्ष ने भी संसद को घेरा, तब जाकर यह कांग्रेसी सरकार हरकत में आई थी।

राजस्थान में 17 जिले का मामला ठंडे बस्ते में.....कारण जनगणना

जयपुर । (एजेंसी)

राजस्थान में पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के समय तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 3 नए संभाग और 17 जिले बनाए थे। कई वर्षों से नए जिले बनाए जाने की डिमांड चल रही थी लेकिन एक साथ 17 नए जिले बनाने से विपक्ष में रही बीजेपी ने सवाल उठाए थे। सत्ता बदलने के बाद भजनलाल सरकार ने नए जिलों की समीक्षा के लिए पूर्व आईएएस ललित के. पंवार की अध्यक्षता में कमेटी का गठन किया।

रिपोर्ट मिलने के बाद भी राज्य सरकार जिलों की संख्या में बदलाव नहीं कर सकेगी।

अगले महीने (सितंबर) से देश में जनगणना शुरू हो रही है। इससे पहले जनगणना निदेशालय ने सभी जिलों, तहसीलों और स्थानीय निकायों की प्रशासनिक सीमाएं सील कर दी है। सभी राज्यों, जिलों और अन्य प्रशासनिक क्षेत्रों की रिपोर्ट केंद्र सरकार को भेजी जा चुकी है। इसके बाद जनगणना का कार्य पूरा होने से पहले किसी भी जिला, तहसील और निकाय की प्रशासनिक सीमाओं में बदलाव नहीं होगा। यानी कि

राज्य सरकारें ना नए जिले, तहसील और स्थानीय निकाय बना सकती है और ना ही मौजूदा जिले, तहसील और निकाय को विलुप्त कर सकती है। प्रशासनिक सीमाएं सील करने का आदेश 1 जुलाई 2024 को जारी हो चुका है।

गहलोत सरकार ने अपने आखिरी बजट में 3 नए संभाग और 19 जिले बनाए थे। 19 नए जिलों में जयपुर और जोधपुर भी शामिल थे। इसके बाद संख्या के हिसाब से नए जिलों की संख्या 17 हुई। 17 नए जिलों में गंगापुर सिटी, खैरथल-तिजारा, कोटपूतली-बहरोड़, दूदू, केकड़ी, ब्यावर, कुचामन-डीडवाना, शाहपुरा, जयपुर ग्रामीण, जोधपुर ग्रामीण, फलौदी, बालोतरा, सांचौर, अनूपगढ़, सलुंबर, नीमका थाना और डीग-कुम्हेर शामिल हैं।

गुजरात, गोवा और महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों में हो सकती है तेज बारिश

राजस्थान और मध्यप्रदेश में भारी बारिश का अलर्ट जारी

नई दिल्ली। (एजेंसी)

मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने सोमवार को उत्तर-पश्चिमी मध्यप्रदेश और उससे सटे पूर्वी राजस्थान पर बना दबाव का क्षेत्र ज्यादा दबाव वाले क्षेत्र में परिवर्तित हो गया है दो-तीन दिन में दोनों राज्यों के अलावा गुजरात, गोवा और महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों में भारी से ज्यादा भारी बारिश होने का पूर्वानुमान है। आईएमडी के अनुसार दक्षिणी राजस्थान और गुजरात को प्रभावित करने और 29 अगस्त तक सौराष्ट्र, कच्छ और पाकिस्तान के कुछ हिस्सों तक पहुंचने के आसार हैं। बांग्लादेश और उससे सटे पश्चिम बंगाल के गंगा के मैदानी इलाकों में भी कम दबाव का क्षेत्र बना है। अगले दो दिन में इसके और तीव्र होने और उत्तरी ओडिशा और झारखंड की ओर बढ़ने की संभावना है। आईएमडी ने रेड अलर्ट जारी किया है और कहा कि 26 अगस्त को पश्चिम मध्यप्रदेश में भारी से तेज बारिश होने की संभावना है।

26 से 29 अगस्त तक पूर्वी और दक्षिणी राजस्थान, गुजरात के सौराष्ट्र और कच्छ में भी ऐसी ही स्थिति रहने का अनुमान है। कोंकण, गोवा, मध्य महाराष्ट्र, ओडिशा, पश्चिम बंगाल के गंगा के मैदानी इलाकों और झारखंड में भी अगले दो दिन में भारी से तेज भारी बारिश का पूर्वानुमान है। मध्यप्रदेश में 50 किलोमीटर प्रति घंटे और दक्षिण राजस्थान में 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की चेतावनी जारी भी की गई है। गुजरात, निकटवर्ती पाकिस्तान, उत्तर महाराष्ट्र और उत्तरपूर्वी अरब सागर में सोमवार को 55 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से तेज हवाएं चलने की संभावना है और इनकी रफ्तार दो दिन में और बढ़कर 60 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। गुजरात, पाकिस्तान और उत्तरी महाराष्ट्र के तटीय क्षेत्रों में 30 अगस्त तक समुद्र की स्थिति

बहुत खराब रह सकती है। उत्तरी बंगाल की खाड़ी में भी सोमवार को समुद्र की स्थिति खराब रहने की संभावना है। आईएमडी ने मछुआरों को 30 अगस्त तक अरब सागर और बंगाल की खाड़ी, खासकर गुजरात, पाकिस्तान और महाराष्ट्र के तटों के आसपास नहीं जाने की सलाह दी है। विभाग ने खासकर शहरी इलाकों में बाढ़, सड़क बंद होने और जलभराव की भी चेतावनी दी है। भूस्खलन और बागवानी फसलों को नुकसान पहुंचने का भी खतरा है।

पीएम मोदी से मिले सीएम विजयन..... वायनाड भूस्खलन पर की चर्चा

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मंगलवार को दिल्ली में केरल के सीएम पिनाराई विजयन ने मुलाकात की। वायनाड भूस्खलन के बाद सीएम विजयन ने दिल्ली का दौरा किया है। बैठक की जानकारी देकर केरल सीएमओ ने बताया कि बैठक में वायनाड के पुनर्वास पर चर्चा हुई। इसके अलावा, राज्य सरकार ने एक अतिरिक्त, विस्तृत ज्ञापन भी प्रस्तुत किया, जिसका केंद्र ने अनुरोध किया था। गौरतलब है कि भारी बारिश के कारण केरल के वायनाड में बड़े पैमाने पर भूस्खलन हुआ, जिसमें 308 लोगों की मौत हो गई, जबकि सैकड़ों लोग घायल हो गए और लापता हो गए। 30 जुलाई को हुए भूस्खलन ने वेनाश का निशान छोड़ दिया, विशेष रूप से मेप्पाडी क्षेत्र के चूरलमाला और मुंडक्कई क्षेत्रों में। कठिन परिस्थितियों को देखते हुए, सेना और वायु सेना ने एनडीआरएफ के साथ मिलकर बचाव अभियान में कदम रखा और एक हजार से अधिक लोगों की जान बचाई। वहीं उत्तर प्रदेश सरकार ने भूस्खलन प्रभावित वायनाड जिले में राहत एवं पुनर्वास कार्यों के लिए केरल सरकार को 10 करोड़ रुपये की सहायता राशि दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान को एक आधिकारिक पत्र के माध्यम से यह जानकारी दी। सीएम योगी ने कहा कि इस कठिन परिस्थिति के दौरान उनकी सरकार और उप्र के लोग केरल के लोगों के साथ एकजुटता से खड़े हैं।

आयुर्वेद उपचार के लिए मुंबई रवाना हुआ आसाराम

जोधपुर । नाबालिग भक्त से बलात्कार मामले में जोधपुर सेंट्रल जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहे आसाराम, इंडिगो फ्लाइट से मुंबई के लिए रवाना हुआ है। आसाराम के साथ जोधपुर पुलिस के सब इंस्पेक्टर भंवर सिंह सहित पांच पुलिसकर्मी भी गए हुए हैं। जानकारी के मुताबिक, महाराष्ट्र के खपोली स्थित माधव बाग स्थित अस्पताल पहुंचकर आसाराम अपना इलाज कराएगा। आसाराम को 13 अगस्त को राजस्थान हाईकोर्ट की जोधपुर खंडपीठ ने सात दिन की पैरोल दी थी। आदेश में पैरोल की अवधि अस्पताल पहुंचने के समय से गिनी जाएगी। जोधपुर पुलिस ने भी इसके लिए मंगलवार को जेल से एयरपोर्ट तक ले जाने के लिए सुरक्षा के इंतजाम किए हैं।

आयुर्वेद उपचार पर मिली पैरोल

आजीवन कारावास की सजा काट रहे यौन शोषण के आरोपी आसाराम की ओर से कई बार पैरोल के लिए याचिकाएं लगाई गई लेकिन पहली बार उपचार के लिए जोधपुर एम्स की मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर सात दिन की पैरोल दी थी। आसाराम की तरफ से हमेशा यह दलील दी जाती रही है कि वह सिर्फ आयुर्वेद उपचार करवाना चाहता है। महाराष्ट्र के खपोली स्थित माधव बाग अस्पताल में हार्ट का उपचार होगा। हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि पैरोल का समय खपोली पहुंचने के बाद काउंट होगा। आने-जाने का समय पैरोल में शामिल नहीं होगा। कोर्ट ने आदेश में आसाराम पर कई तरह की पाबंदियां पर लगाई हैं। आसाराम एक डॉक्टर भी रख सकेगा, लेकिन इसके अतिरिक्त कोई भी व्यक्ति उपचार के दौरान नहीं मिलेगा। जहां आसाराम का निजी कमरे में उपचार होगा, वहां पर 24 घंटे पुलिस का पहरा होगा। वहीं, मीडिया को वहां इजाजत नहीं होगी।

कांग्रेस नेता को राज्यपाल बनवाने के नाम पर 11 करोड़ की ठगी

हिसार । हरियाणा के हांसी शहर के कांग्रेस नेता सुरेंद्र मलिक से चार साल पहले अंडमान निकोबार में राज्यपाल बनाने के नाम पर 11 करोड़ रुपये ठगने का आरोप है। पुलिस ने मामले में हरियाणा पुलिस के इंस्पेक्टर मानवीर को गिरफ्तार किया है। मानवीर को कोर्ट में पेश कर आठ दिन के रिमांड पर लिया है। कांग्रेस नेता मलिक की एक साल पहले मौत हो चुकी है। मलिक के पुत्र की शिकायत पर पुलिस ने कार्रवाई की। मामले में मानवीर के एक सहयोगी की तलाश है। पुलिस के मुताबिक डॉ. दुष्यंत मलिक ने बताया कि मानवीर वर्ष 2020 में उनके पिता सुरेंद्र मलिक से मिले थे। इस दौरान उनके राजनीतिक रसूख का हवाला देकर उन्हें अंडमान निकोबार का राज्यपाल बनवाने में मदद की पेशकश की। इसके बदले में सुरेंद्र मलिक से 11 करोड़ रुपये लिए थे। करीब 9 करोड़ पांच अलग-अलग बैंक खाते में और 2 करोड़ रुपये नकद दिए गए, लेकिन पिता को राज्यपाल नहीं बनाया। उन्होंने पैसे वापस मांगे। इस मामले में कई बार पंचायतें हुई, लेकिन पिता को पैसे नहीं दिए। दुष्यंत ने बताया कि पिछले साल उनके पिता की मौत हो गई। पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने मामले की जांच की। मानवीर ने पहले सुरेंद्र के साथ दोस्ती की और विश्वास में लेकर ठगी को अंजाम दिया। मलिक बीजेपी नेता किरण चौधरी के भी खास रहे। उनके आवास पर पिछले साल ईडी ने रेड भी की थी। डीएसपी संजय सिंह ने बताया कि आरोपी मानवीर को गिरफ्तार कर आठ दिन के रिमांड पर लिया गया है। उसके साथी के बारे में भी पूछताछ की जाएगी।

शिवाजी की प्रतिमा ढही, महाराष्ट्र में राजनीति शुरु, दो पर मामला दर्ज

मुंबई। सिंधुदुर्ग में शिवाजी की प्रतिमा ढहने पर महाराष्ट्र में हंगामा मच गया है। शिवसेना (यूबीटी) और एनसीपी समेत सभी विपक्षी दल शिंदे सरकार पर हमलावर हैं। इस मामले में ठेकेदार के साथ-साथ निर्माण करने वाली कंपनी के मालिक के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज की गई है। शिवाजी की प्रतिमा को महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग में भारतीय नौसेना की तरफ से बनवाया गया था। प्रतिमा के निर्माण का काम आर्टिसरी कंपनी को मिला था। पीएम मोदी ने चार दिसंबर 2023 को प्रतिमा का अनावरण किया था। शिवाजी के दूरदर्शी प्रयासों को श्रद्धांजलि देते हुए, यह प्रतिमा महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले के एक किले में स्थापित की गई थी। छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा स्थापित करने पर 3600 करोड़ रुपए खर्च हुए थे। एक नवंबर 2018 महाराष्ट्र कैबिनेट ने प्रोजेक्ट को एडमिनिस्ट्रेटिव अप्रूवल दिया था और 3700.84 करोड़ रुपए के खर्च को मंजूरी दी थी, जिसमें साइट का सर्वेक्षण और जांच से लेकर पुलिस सुरक्षा उपाय भी शामिल थे। छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा ढहने के मामले में दो लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। शिकायत में ठेकेदार और आर्टिसरी कंपनी के मालिक जयदीप आपटे और स्ट्रक्चरल कंसल्टेंट डॉक्टर चेतन पाटिल पर लापरवाही और काम की खराब गुणवत्ता के साथ ही प्रतिमा के आसपास के लोगों को संभावित रूप से नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया गया है। जयदीप आपटे कल्याण में रहते हैं, जबकि डॉक्टर पाटिल कोल्हापुर में। दोनों पर कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। शिवाजी की प्रतिमा ढहने के संबंध में एक असिस्टेंट इंजीनियर और पीडब्ल्यूडी अधिकारी अजीत पाटिल ने सिंधुदुर्ग पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। भारतीय नौसेना ने भी छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा को हुए नुकसान पर चिंता जाहिर की है। महाराष्ट्र सरकार और संबंधित विशेषज्ञों के साथ मिलकर नौसेना ने इस घटना की वजह का पता लगाने और जल्द से जल्द प्रतिमा की मरम्मत और पुनर्स्थापना को लेकर उपाय करने एक टीम भेजी है। इससे पहले, पुलिस और जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी हालात का जायजा लेने घटनास्थल पर पहुंचे गए थे।

दिल्ली में बेखौफ बदमाश.....परेशान ज्वेलर्स ने केंद्रीय मंत्री शाह से लगा दी गुहार

नई दिल्ली । दिल्ली में बदमाशों के हौसले बुलंद हैं। दिल्ली की सड़कों से लेकर घरों में घुसकर आए दिन बदमाशों द्वारा आपराधिक घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है, इससे दिल्ली वाले दहशत में है, इससे हजारों ज्वेलर्स अछूते नहीं है। अब लगातार हो रही आपराधिक घटनाओं से चिंतित ज्वेलर्स ने पुलिस आयुक्त से मिलने का वक्त मांगा है। उनका कहना है कि जिस तरह से लक्षित तरीके से ज्वेलर्स को दिल्ली की सड़कों और दुकानों में घुसकर निशाना बनाया जा रहा है।

नासिक लोकसभा क्षेत्र में उद्धव ठाकरे की पकड़ और मजबूत, चुनाव जीतकर 'महायुति' को दिया कड़ा संदेश

मुंबई (एजेंसी)। नासिक महाराष्ट्र का महत्वपूर्ण लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र है। यहां 2024 के लोकसभा चुनाव में उद्धव ठाकरे के गुट वाली शिवसेना के राजाभाऊ वाजे ने एकनाथ शिंदे के गुट वाली शिवसेना से यह सीट छीन ली है। यह क्षेत्र महाराष्ट्र के उत्तर पश्चिम में है। पवित्र गोदावरी नदी के तट पर बसा यह शहर हिंदू धार्मिक स्थलों में प्रमुख स्थान रखता है। यहां पर सिंहस्था कुंभ मेले का आयोजन होता है। यहां का सबसे प्रमुख भाग पंचवटी है। यह क्षेत्र सातवाहन वंश के राजाओं की राजधानी थी। मुगल काल के दौरान नासिक शहर को गुलशनाबाद के नाम से जाना जाता था।

नासिक लोकसभा क्षेत्र पूरी तरह से नासिक जिले के तहत ही आता है। जो सिन्नर, नासिक पूर्व, नासिक सेंट्रल, नासिक पश्चिम, देवलाली और इगतपुरी विधानसभा क्षेत्रों से मिलकर बना है। जहां 2019 के चुनाव में तीन सीट भारतीय जनता पार्टी के खाते में गई थी इसके अलावा दो पर एनसीपी और एक सीट पर कांग्रेस चुनाव जीती थी। इस लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाला सिन्नर विधानसभा क्षेत्र शिवसेना का मजबूत गढ़ रहा है, लेकिन 2019 के चुनाव में इस सीट पर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी पहली बार जीत दर्ज करने में सफल रही थी। जिसके नेता माणिकराव कोकाटे वर्तमान में यहां से विधायक हैं। विधायक कोकाटे 1999 से लेकर 2014 तक लगातार तीन बार इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। वह पहले शिवसेना और कांग्रेस के टिकट पर चुनाव जीतने में सफल रहे थे।

महाराष्ट्र में 2008 के परिसीमन के बाद अस्तित्व में आयी नासिक पूर्वी विधानसभा सीट पर वर्तमान में भारतीय जनता पार्टी का कब्जा है। जो 10 साल से यहां लगातार राज कर रही है। उन्होंने यह सीट महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के राहुल उत्तमराव ढिकले से छीनी थी। वर्तमान में इस सीट से राहुल उत्तमराव ढिकले बीजेपी से विधायक हैं। महाराष्ट्र विधानसभा में 124 नंबर से जानी जानेवाली नासिक सेंट्रल विधानसभा सीट पर वर्तमान विधायक भारतीय जनता पार्टी की देवयानी सुहास फरांडे हैं, जो लगातार दो बार इस क्षेत्र का राज्य की विधानसभा में प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। उनके पहले इस सीट पर मनसे चुनाव जीतने में सफल रही थी। नासिक लोक सभा क्षेत्र के तहत आने वाला नासिक पश्चिम विधानसभा क्षेत्र पहली बार 2009 के चुनाव में अस्तित्व में आया था। जहां महाराष्ट्र नवनिर्माण सेवा के नितिन भोंसले चुनाव जीतने में सफल रहे थे, लेकिन 2014 के चुनाव में बीजेपी की ने सीमा महेश हिरवन ने उनसे यह सीट छीन ली। जो लगातार 10 साल से इस क्षेत्र की जनता का प्रतिनिधित्व कर रही हैं।

महाराष्ट्र में शिवसेना के सबसे मजबूत गढ़ों में शामिल देवलाली विधानसभा सीट अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए आरक्षित है। जहां से शिवसेना के कद्दावर नेता और पूर्व कैबिनेट मंत्री बबनराव घोलप 1990 से लेकर 2014 तक लगातार पांच बार विधायक रहे हैं। उनके बाद बबनराव के सुपुत्र योगेश बबनराव घोपाल ने भी देवलाली विधानसभा सीट से जीत दर्ज की थी, लेकिन 2019 के चुनाव में अजित पवार के गुट वाली एनसीपी के सरोज बाबूलाल अहीर ने योगेश बबनराव को हराकर यह सीट जीत ली थी। 1982 से बनीर विधानसभा क्षेत्र अपनी पहचान बनाने वाली इगतपुरी विधानसभा सीट अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए आरक्षित है। इस सीट पर कांग्रेस का लंबे समय से कब्जा है। वर्तमान में पार्टी के नेता हीरामन भीका खोसकर यहां से विधायक हैं। उनके पहले 2009 और 2014 के चुनाव में पार्टी की माणिकराव गावित चुनाव जीतने में सफल रही थीं।

केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 3 सितंबर तक बढ़ी

नई दिल्ली । दिल्ली की एक अदालत ने कथित उत्पाद शुल्क नीति घोटाले के संबंध में मंगलवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 3 सितंबर तक बढ़ा दी। आम आदमी पार्टी (आप) प्रमुख को पहले दी गई न्यायिक हिरासत की अवधि समाप्त होने पर वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से अदालत में पेश करने के बाद राउज एवेन्यू अदालत ने केजरीवाल की हिरासत बढ़ा दी। दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मामले में मनीष सिसोदिया के बाद आज के कविता को भी जमानत मिल गई है। सुप्रीम कोर्ट ने इसी मामले में बीआरएस एमएलसी के कविता को जमानत दे दी। अदालत ने मामले में की जा रही जांच की प्रकृति को लेकर सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय की खिंचाई की। सुनवाई के दौरान, जस्टिस बीआर गवई और के वी विश्वनाथन की सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने प्रवर्तन निदेशालय और सीबीआई से पूछा कि उनके पास यह साबित करने के लिए क्या सामग्री है कि के कविता कथित दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति घोटाले में शामिल थीं। कविता की ओर से पेश वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी ने कहा कि उनके खिलाफ दो एजेंसियों द्वारा जांच पहले ही पूरी की जा चुकी है। उन्होंने दो मामलों में सह-आरोपी आप नेता मनीष सिसोदिया को जमानत देने के शीर्ष अदालत के फैसले का भी जिक्र किया। जांच एजेंसियों की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने कहा कि के कविता ने अपना मोबाइल फोन फॉर्मेट कर दिया था। उन्होंने आरोप लगाया कि उनका व्यवहार सबूतों के साथ छेड़छाड़ जैसा है।

जम्मू-कश्मीर चुनाव: भाजपा के बाद अब कांग्रेस ने 9 उम्मीदवारों का किया ऐलान

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव हो रहे हैं। सियासी दल अपने उम्मीदवारों के नाम फायनल करने में लगे हुए हैं। बीते रोज भाजपा ने पहली सूची जारी की थी, तो आज दूसरे दिन कांग्रेस ने 9 नामों वाली अपनी पहली सूची जारी कर दी है। पार्टी ने अपने जम्मू-कश्मीर इकाई के दो पूर्व अध्यक्षों, गुलाम अहमद मीर और विकार रसूल वानी को क्रमशः डोरू और बनिहाल विधानसभा क्षेत्रों से मैदान में उतारा है। पार्टी ने सुरिंदर सिंह चन्नी (त्राल), अमानुल्लाह मंटू (देवसर), पीरजादा मोहम्मद सैयद (अनंतनाग), शेख जफरुल्लाह (इंदरवाल), नदीम शरीफ (भद्रवाह), शेख रियाज (डोडा) और डॉ प्रदीप कुमार भगत (डोडा पश्चिम) को भी उम्मीदवार बनाया है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पूर्व प्रमुख राहुल गांधी के बीच एक बैठक में इन नामों पर मुहर लगी थी। नेशनल कांफ्रेंस ने 18 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की वहीं नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) ने सोमवार को 18 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की। जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव तीन चरण में होंगे और नेकां ने पहले चरण के लिए 18 उम्मीदवारों की सूची जारी की। पार्टी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि नेकां अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने सूची को मंजूरी दी है। पार्टी ने अनंतनाग से पूर्व सांसद न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) हसनैन मसूदी को पंपोर से और पूर्व विधायक मोहम्मद खलील बांद को पुलवामा से उम्मीदवार बनाया है। नेकां ने राजपोरा से गुलाम मोहि-उद-दीन मीर, जैनपोरा से शौकत हुसैन गनी, शोपियां से शेख मोहम्मद रफी और डीएच पोरा से पूर्व मंत्री सकीना इट्टू को उम्मीदवार बनाया है।

कांग्रेस 37 सीटों पर चुनाव लड़ेगी

कांग्रेस यह चुनाव अपने इंडी गठबंधन सहयोगी नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ मिलकर लड़ेगी। दोनों के बीच समझौते के तहत कांग्रेस 32 और नेशनल कॉन्फ्रेंस 51 सीटों पर चुनाव लड़ेंगी, जबकि पांच सीटों पर वे दोस्ताना लेकिन अनुशासित प्रतिस्पर्धा में शामिल होंगी। शेष दो सीटें भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) और पैंथर्स पार्टी को दी गई हैं। सीट बंटवारे पर बातचीत के लिए नेशनल कॉन्फ्रेंस अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला और उनके बेटे और पार्टी उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला शामिल थे।

जम्मू कश्मीर के विधानसभा चुनाव में उमर अब्दुल्ला से मिले गठबंधन के प्रस्ताव को मायावती ने ठुकराया

श्रीनगर (एजेंसी)। विधानसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान के बाद जम्मू कश्मीर में सभी सियासी दलों की सरगर्मियां बढ़ गई हैं। लगभग 10 साल बाद होने जा रहे विधानसभा चुनावों में राजनीतिक दल कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते हैं। इसी कड़ी में राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने बसपा सुप्रीमो मायावती को जम्मू कश्मीर चुनाव में गठबंधन का प्रस्ताव दिया था। जिसको लेकर सूत्रों के अनुसार, पता चला है कि मायावती ने उमर अब्दुल्ला का प्रस्ताव ठुकरा दिया है।

जानकारी के अनुसार, नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने बीएसपी के शीर्ष नेतृत्व से जम्मू-कश्मीर में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर गठबंधन के लिए बात की थी। मगर कांग्रेस के साथ उमर की बातचीत के चलते मायावती ने साफ इंकार कर दिया है। बता दें कि, बसपा सभी दलों को 2014 के विधानसभा चुनाव में कठुआ विधानसभा सीट पर 31.65 फीसदी वोट पाकर चौंका चुकी है।

जम्मू कश्मीर में बसपा को साल 1996 के चुनाव में चार सीटों पर और 2002 में एक सीट पर सफलता हासिल हुई थी। दरअसल, जम्मू कश्मीर में परिसीमन के बाद इस चुनाव में कुल 90 विधानसभा सीटें होंगी। चुनाव आयोग ने बताया कि जम्मू कश्मीर विधानसभा में इस बार 3 सीटें बढ़ाई गई हैं। पिछली बार जम्मू कश्मीर विधानसभा में 87 सीटें थीं। राजीव कुमार ने कहा, %%जम्मू कश्मीर की 90 सीटों में से 74 सामान्य हैं. वहीं, अनुसूचित जनजाति के 9 और अनुसूचित जाति के लिए 7 सीटें आरक्षित की गई हैं। जबकि, चुनावी नतीजे चार अक्टूबर को घोषित किए जाएंगे।

कोलकाता में छात्रों का प्रदर्शन, लोहे की दीवार तोड़ी, पुलिस ने भांजी लाठियां

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल सीएम ममता बनर्जी के इस्तीफे की मांग को लेकर कोलकाता में छात्रों ने नबन्ना अभियान प्रदर्शन शुरू कर दिया है। हावड़ा में स्थित नबन्ना भवन राज्य सचिवालय है। प्रदर्शन को लेकर कोलकाता में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। चप्पे-चप्पे की निगरानी की जा रही है। हावड़ा ब्रिज को सील कर दिया गया है। ब्रिज पर लोहे की दीवार खड़ी कर दी गई है और उसे मोबिल से चिकना किया गया है ताकि उसपर कोई चढ़ नहीं सके।

सीएम के इस्तीफे की मांग को लेकर छात्र सड़कों पर उतर आए हैं। छात्रों ने पहले ही नबन्ना अभियान प्रदर्शन का ऐलान कर दिया था। नबन्ना प्रोटेस्ट का रहे छात्रों ने पुलिस की बैरिकेडिंग तोड़ दी है। इसके बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए उन पर लाठियां बरसाईं। इस दौरान पत्थरबाजी भी हुई। इसके साथ ही पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े। पुलिस फिलहाल छात्रों को समझाने का प्रयास कर रही है कि वे यहां से हट जाएं। पुलिस का कहना है छात्रों का प्रदर्शन गैरकानूनी है। कोलकाता पुलिस ने बैरिकेडिंग कर रखी है, लेकिन प्रदर्शनकारी भारी संख्या में सड़कों पर हैं। जगह-जगह नारेबाजी हो रही है।

सिसोदिया के बाद के कविता को राहत... सशर्त सुप्रीम कोर्ट ने दी जमानत

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली शराब नीति घोटाला मामले में बीआरएस नेता के कविता को जमानत दे दी है। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश में कहा कि जांच पूरी होने के बाद आरोपपत्र दाखिल कर दिया गया है। अपीलकर्ता की हिरासत आवश्यक नहीं है। वह 5 महीने से सलाखों के पीछे हैं।

कथित दिल्ली आबकारी नीति घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) नेता के. कविता को सुप्रीम कोर्ट ने जमानत दे दी है। शीर्ष अदालत ने मामले में जांच को लेकर सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय की खिंचाई की। कविता तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर की बेटी हैं। उन्हें ईडी ने 15 मार्च को हैदराबाद के बंजारा हिल्स स्थित उनके आवास से गिरफ्तार किया था।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि कविता को 10-10 लाख के दो बेल बॉन्ड जमा करना होगा। कोर्ट ने कविता को पासपोर्ट सरेंडर करने को कह दिया है। साथ ही जमानत के दौरान सबूतों के साथ छेड़छाड़ और गवाहों को प्रभावित नहीं करेंगी। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई-ईडी की ओर से पेश हुए वकील एएसजी एसवी राजू से कहा कि हम केंद्रीय एजेंसी के कंडक्ट के खिलाफ कोई टिप्पणी नहीं करना चाहते हैं। कविता के खिलाफ हाई कोर्ट द्वारा की गई टिप्पणी उचित नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आप किसी भी आरोपी के मामले में पिक एंड चूज कर नहीं सकते। अगर हम अनुमोदकों के बयान लें तब उनकी भूमिका भी कविता जितनी ही है। अभियोजन निष्पक्ष होना चाहिए, आप किसी को चुन नहीं सकते।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जांच पूरी हो गई है, आरोप पत्र और ईडी में शिकायत दायर की गई है, सुनवाई जल्द पूरी होने की संभावना नहीं है और फिर ये एक महिला का मामला है।

'कविता ने फोन को नष्ट कर फॉर्मेट कर दिया'

जस्टिस गवई ने हल्के-फुल्के अंदाज में मुस्कुराते हुए कहा कि आप एमएलए-एमएलसी हैं, इसलिए आप जानते हैं कि क्या सही है और क्या गलत है, असुरक्षित नहीं है। वकील रोहतगी ने कहा कि साउथ ग्रुप में पैसा ले जाने के मामले में किसी भी तरह की कोई वसूली नहीं हुई। आरोप है कि मैंने गवाह को धमकाया, लेकिन कोई मामला नहीं है। सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने सीबीआई-ईडी के लिए पेश हुए एएसजी राजू से पूछा कि कविता के लिए लाभकारी प्रावधान क्यों लागू नहीं होगा? एएसजी ने जवाब दिया कि कविता ने फोन को नष्ट कर फॉर्मेट कर दिया।

अडाणी चाहते हैं धारावी का रीडेवलेपमेंट, अभी तक नहीं मिली एक इंच भी जमीन

-सरकारी एजेंसियों के पास अपनी जमीन के लिए अपनी योजनाएं

मुंबई (एजेंसी)। गौतम अडाणी के नेतृत्व वाले जॉइंट वेंचर को मुंबई के धारावी में गरीब झुग्गिवासियों के पुनर्वास के लिए जमीन लेने में कई तरह की दिक्कतें पेश आ रही हैं। मुंबई का धारावी एशिया की सबसे बड़ी झुग्गी बस्तियों में से एक है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक न्यूयॉर्क के सेंट्रल पार्क के आकार के करीब तीन-चौथाई धारावी स्लम को डैनी बॉयल की ऑस्कर विजेता फिल्म स्लमडॉग मिलियनेयर में दिखाया गया था। मुंबई के अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के करीब इसके खुले सीवर और साझा शौचालय भारत के ग्रोथ में तेजी के उलट हैं। पिछले साल 61 करोड़ डॉलर की बोली जीतने के बाद अडाणी ग्रुप ने 594 एकड़ झुग्गी को एक आधुनिक शहर के रूप में बदलने की योजना बनाई है। हालांकि, इसे पहले ही विपक्ष के राजनीतिक दलों के विरोध का सामना करना पड़ा है।

विपक्ष का कहना है कि अडाणी ग्रुप को धारावी झुग्गी बस्ती को फिर से बनाने का ठेका राज्य सरकार से अवैध लाभ के चलते मिला है। वहीं, अडाणी ग्रुप ने इन आरोपों से इनकार किया है। समझौते के तहत जो लोग 2000 से पहले धारावी में रहते थे, केवल उन्हें ही मुफ्त घर मिलेंगे। वहीं, फिलहाल कम से कम 580 एकड़ जमीन अयोग्य माने जाने वाले करीब 700,000 लोगों को घर चाहिए होंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक धारावी पुनर्विकास प्राधिकरण के प्रमुख एसवीआर श्रीनिवास ने कहा कि अपात्र लोगों के लिए घर बनाने को लेकर अडाणी जॉइंट वेंचर ने अधिक भूमि के लिए कई स्थानीय और संघीय एजेंसियों को अपनाई किया है, लेकिन अभी तक कोई जमीन रिजर्व नहीं की गई है। उन्होंने कहा, ऐसा इसलिए है क्योंकि ऐसी सरकारी एजेंसियों के पास अपनी जमीन के लिए अपनी योजनाएं हैं और वे इसे छोड़ने को तैयार नहीं हैं। श्रीनिवास ने कहा कि मुंबई में जमीन पाना सबसे कठिन काम है। भौतिक रूप से एक इंच भी जमीन हमें नहीं मिली है। धारावी रीडेवलेपमेंट प्रोजेक्ट का लक्ष्य झुग्गी-बस्ती में रहने वाले दस लाख लोगों का पुनर्वास करना है। अडाणी ग्रुप के लिए यह एक अहम और हाई-प्रोफाइल परियोजना है।

बता दें कि यह परियोजना मार्च, 2024 में पात्रता तय करने के लिए एक सर्वे के साथ शुरू हुई थी। इस परियोजना का सात सालों में निर्माण पूरा करने का लक्ष्य रखा है। मुंबई भारत के सबसे महंगे रियल एस्टेट बाजारों में से एक है। सपनों की नगरी कहे जाने वाले शहर में रियल एस्टेट की कीमतें आसमान छू रही हैं और यहां जमीन मिलना आसान नहीं है।

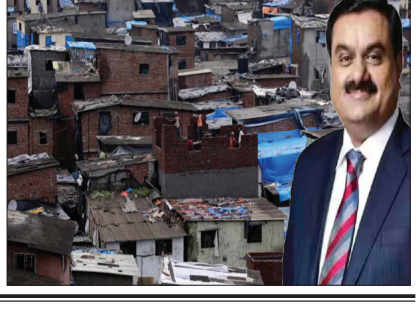

संक्षिप्त समाचार

ढाका में मेट्रो सेवा 30 दिनों से अधिक समय के बाद फिर शुरू

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में अभूतपूर्व सरकार विरोधी प्रदर्शनों के दौरान यात्रियों के लिए बंद रहने के एक महीने बाद रविवार को ढाका मेट्रो ने अपनी सेवाएं फिर से शुरू कर दीं। एक आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार, दो स्टेशन - मीरपुर 10 और काजीपाड़ा - बंद रहेंगे। मेट्रो सेवा बहाली से छात्रों और कार्यालय जाने वालों लोगों ने राहत की सांस ली क्योंकि उन्हें अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए रोजाना ढाका के भारी यातायात जाम से गुजरना पड़ता था। आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार, सुबह करीब सात बजे मेट्रो सेवाएं फिर से शुरू हुईं। जुलाई में सरकार विरोधी प्रदर्शनों के दौरान मीरपुर-10 और काजीपाड़ा स्टेशन पर तोड़फोड़ की गई थी। जुलाई के तीसरे सप्ताह में ढाका मेट्रो सेवाएं यात्रियों के लिए बंद कर दी गई थीं। अंतरिम सरकार में सड़क परिवहन मामलों के सलाहकार मोहम्मद फौजुल कबीर खान ने कहा, ''हम मेट्रो रेल के बुनियादी ढांचे को किसी भी तरह की तोड़फोड़ की घटना से बचाने के लिए सुरक्षा और मजबूत करने की योजना बना रहे हैं। खान ने कहा कि अंतरिम सरकार सेवा में किसी भी तरह की बाधा को रोकने के लिए मेट्रो रेल संचालन को एक आवश्यक सेवा घोषित करने की भी योजना बना रही है। उन्होंने मेट्रो में अगरगोन स्टेशन से बांग्लादेश सचिवालय तक यात्रा भी की। ढाका उच्च न्यायालय के एक अधिकारी ने बताया कि उन्होंने रविवार को अपने कार्यालय जाने के लिए मेट्रो का इस्तेमाल किया और सेवा की बहाली होने से उनके जैसे दैनिक यात्रियों को बड़ी राहत मिली है।

यमन में नाव पलटने से 13 लोगों की मौत, 14 लापता

अदन, एजेंसी। यमन के तट पर प्रवासियों की एक नाव के पलटने से कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई है तथा 14 अन्य लापता हैं। अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन (आईओएम) ने रविवार को यह जानकारी दी। आईओएम की रिपोर्ट के अनुसार यह नाब जिबूती से रवाना हुयी थी और 25 इथियोपियाई प्रवासियों तथा दो यमनी नागरिकों को लेकर जा रही थी। इस दौरान मंगलवार को बानी अल-हकम उप-जिले में डुबाब जिले के निकट यह पलट गया। आईओएम ने कहा कि मृतकों में 11 पुरुष तथा दो महिलाएं शामिल हैं, जिनके शव बरामद कर लिए गए हैं। शेष लापता व्यक्तियों का पता लगाने के लिए तलाश अभियान अभी भी जारी है। नाव के डूबने का कारण का अभी भी पता नहीं चल पाया है। आईओएम यमन के कार्यवाहक मिशन प्रमुख मैट ह्यूबर ने कहा, यह नवीनतम त्रासदी इस मार्ग पर प्रवासियों द्वारा सामना किए जाने वाले खतरों की एक कठोर याद दिलाती है... यह आवश्यक है कि हम इन विनाशकारी नुकसानों को सामान्य न मानें, तथा इसके बजाय यह सुनिश्चित करने के लिए सामूहिक रूप से काम करें कि प्रवासियों को उनकी यात्रा के दौरान सुरक्षा तथा सहायता मिले। उन्होंने कहा कि बार-बार चेतावनी और हस्तक्षेप के बावजूद, यमन के तटवर्ती जलक्षेत्र में खतरनाक दर से लोगों की जान जा रही है। असुरक्षित प्रवासी, जो अक्सर सुरक्षा और अवसर की तलाश में खाड़ी देशों में हताश परिस्थितियों से भागते हैं, अक्सर तस्करी नेटवर्क द्वारा उनका शोषण किया जाता है और उन्हें खतरनाक परिस्थितियों में धकेल दिया जाता है। आईओएम के विस्थापन ट्रैकिंग मैट्रिक्स ने 2023 में यमन में 97,200 से अधिक प्रवासियों के आगमन को दर्ज किया है, जो पिछले वर्ष की संख्या से अधिक है। यमन में चल रहे संघर्ष और बिगड़ती परिस्थितियों ने कई प्रवासियों को फंसा दिया है। बुनियादी सेवाओं तक उनकी पहुंच सीमित है और हिंसा तथा शोषण का लगातार सामना करना पड़ रहा है। आईओएम सभी हितधारकों से समर्थन बढ़ाने और संघर्ष, गरीबी और जलवायु संबंधी चुनौतियों सहित अनियमित प्रवास को बढ़ावा देने वाले मूल कारणों को संबोधित करने का आह्वान कर रहा है।

यहूदी प्रार्थना स्थल में आगजनी की कोशिश करने वाला संदिग्ध गिरफ्तार

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस के गृह मंत्री जेराल्ड डरमानी ने बताया कि ला ग्रांडे-मोटे में एक यहूदी प्रार्थना स्थल में आगजनी की कोशिश करने वाले संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया गया है।समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, फ्रांसीसी समाचार चैनल बीएफएम टीवी ने बताया कि आगजनी की कोशिश करने वाले संदिग्ध को दक्षिण फ्रांस के नीम्स में आतंकवाद विरोधी बल के साथ मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया गया। बीएफएम ने बताया कि 33 वर्षीय संदिग्ध व्यक्ति उत्तरी अफ्रीकी है। मुठभेड़ के दौरान उसके चेहरे पर चोट लगी थी। उसका उपचार किया गया।सोशल मीडिया पर जेराल्ड डरमानी ने कहा, शनिवार को दक्षिणी फ्रांसीसी शहर ला ग्रांडे मोट्टे में एक प्रार्थना स्थल में आग लगाने का प्रयास किया गया। फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने इस घटना को आतंकवादी कृत्य करार दिया है।आतंकवाद विरोधी जांचकर्ताओं ने एक ऑपरेशन चलाया, इसमें इस अल्जीरियाई व्यक्ति की गिरफ्तारी की गई। डरमानी और फ्रांसीसी प्रधानमंत्री गेब्रियल अटल ने ग्रांडे-मोटे जाकर प्रार्थना स्थल का दौरा किया और यहूदी समुदाय के सदस्यों से मुलाकात की। अटल ने एक्स पर कहा, प्रार्थना स्थल पर हुए यहूदी विरोधी हमले ने हमारे देश को स्तब्ध कर दिया है। प?छले साल सात अक्टूबर को हमास द्वारा इजरायल पर हमला करने और उसके बाद गाजा पर जवाबी हमले के बाद से फ्रांस में यहूदी संस्थानों पर हमले बढ़ गए हैं।

यूक्रेन ने रूस की सबसे ऊंची इमारत पर कर दिया अमेरिका के 9/11 जैसा हमला

मॉस्को/कीव, एजेंसी। यूक्रेन ने रूस की सबसे ऊंची इमारत वोल्गा स्काई पर हमला किया है। यह हमला रूस के सारातोव शहर में हुआ, जिसका वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। यह हमला एक ड्रोन के जरिए किया गया, जिसके टकराते ही इमारत में भीषण आग लग जाती है। रूस के सारातोव शहर में स्थित यह इमारत 38 मंजिल की है और देश की सबसे ऊंची बिल्डिंग है, जिसमें कई कंपनियों के दफ्तर मौजूद हैं। वीडियो में दिखता है कि यूक्रेन का ड्रोन तेजी से लहराते हुए जाता है और फिर इमारत से टकरा जाता है, जिसके बाद आग की लपटें उठती दिखती हैं।

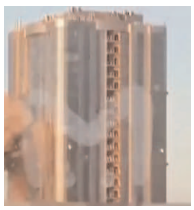

इस घटना में दो लोग जख्मी हुए हैं, लेकिन जिस तरह से यूक्रेन ने रूस की सबसे ऊंची इमारत पर हमला करने में सफलता पाई है, वह रूस के लिए झटके जैसा है। ड्रोन के टकराने के बाद बड़े पैमाने पर इमारत का मलबा भी नीचे गिरता हुआ दिखता है। इस हमले में रूस की इस इमारत के एक हिस्से को नुकसान पहुंचा है। क्षेत्रीय गवर्नर रोमन बासुरगिन ने भी इस घटना की पुष्टि की है। उन्होंने टेलीग्राम पर इसके बारे में बताया और कहा कि हमले में घायल एक महिला की हालत गंभीर है। डॉक्टर उसे बचाने का प्रयास कर रहे हैं। उसके अलावा एक अन्य शख्स भी इस अटैक में जख्मी हुआ है। बता दें कि बीते दो सालों से ज्यादा वक्त से रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष

जारी है। इस लंबे विवाद में अब तक रूस की बढ़त कायम थी, लेकिन पिछले दिनों यूक्रेनी सेना ने रूस के कुर्स्क इलाके में अटैक कर दिया था और कई किलोमीटर तक घुसपैठ कर ली थी। वहीं रूस ने भी इसके बाद यूक्रेन पर नए सिरे से हमले तेज कर दिए हैं। इस तरह से दोनों देशों के बीच चल रही जंग बीते कुछ दिनों में और तेज हो गई है। धमाका इतना जोरदार था कि पूरी इमारत हिल गई और सड़क पर मलबा फैल गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें इमारत में आग और धमाके की आवाज सुनी जा सकती है। वीडियो बनाने वाले शख्स की आवाज से उसका डर साफ झलक रहा है। रूसी स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इस हमले में चार लोग घायल हुए हैं, जिनमें से एक महिला की हालत गंभीर है और उसे तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस घटना ने स्थानीय निवासियों में दहशत पैदा कर दी है, और लोग सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। सेराटोव के अलावा, एंगेल्स शहर में भी एक ड्रोन हमले की घटना सामने आई है। यहां एक आवासीय इमारत की ऊपरी मंजिल को ड्रोन की टक्कर से भारी नुकसान हुआ है। एंगेल्स शहर रूसी सेना के लिए रणनीतिक रूप से बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यहां बमवर्षक विमानों का अड्डा है। 2022 में रूस के यूक्रेन पर हमले के बाद से यूक्रेन ने इस क्षेत्र को कई बार निशाना बनाया है, लेकिन अब तक इस मिलिट्री बेस पर कोई बड़ी क्षति की सूचना नहीं है। सेराटोव क्षेत्र के गवर्नर रोमन बुसारगिन ने बताया कि रूसी रक्षा प्रणालियों ने यूक्रेन द्वारा लॉन्च किए गए 20 ड्रोन को मार गिराने का दावा किया है। हालांकि, गिराए गए ड्रोन के मलबे ने सेराटोव और एंगेल्स के घरों को क्षतिग्रस्त कर दिया। वोल्गा स्काई इमारत पर हमले के बाद पूरे क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। घटना को लेकर न तो रूस और न ही यूक्रेन ने आधिकारिक तौर पर कोई टिप्पणी की है। दोनों देशों ने आम नागरिकों को निशाना बनाने से इनकार किया है, लेकिन इस हमले ने रूस-यूक्रेन युद्ध के और भी भयानक मोड़ की आशंका को जन्म दे दिया है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय इस घटना पर नज़र बनाए हुए है, और इस हमले के बाद दोनों देशों के बीच तनाव और बढ़ने की संभावना है।

पूर्वी यूक्रेन के होटल पर हमला, समाचार एजेंसी के सुरक्षा सलाहकार की मौत, 2 घायल

क्रामाटोर्स्क, एजेंसी। पूर्वी यूक्रेन में एक होटल पर मिसाइल हमले में रॉयटर्स के लिए काम करने वाले एक ब्रिटिश सुरक्षा सलाहकार की मौत हो गई. न्यूज एजेंसी रॉयटर्स ने इस खबर की पुष्टि की है. इससे इतर कीव ने रूस के कुर्स्क क्षेत्र में आगे बढ़ने का दावा किया है. जानकारी के मुताबिक रॉयटर्स के छह लोगों की एक टीम यूक्रेन के होटल सैफायर में ठहरा हुई थी. समाचार एजेंसी के प्रवक्ता ने बताया कि मारे गए सुरक्षा सलाहकार की पहचान ब्रिटिश नागरिक रयान इवांस के रूप में हुई है. एजेंसी ने आगे बताया कि उसके दो पत्रकारों का अस्पताल में इलाज चल रहा है, जिनमें से एक गंभीर रूप से घायल है. एजेंसी ने आगे कहा कि हम लोग अभी और जानकारी प्राप्त करने की कोशिश कर रहे हैं. हम रयान के परिवार और प्रियजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना और संवेदना के साथी हैं. सीएनएन ने समाचार एजेंसी के हवाले से बताया कि 38 वर्षीय पूर्व ब्रिटिश सैनिक इवांस 2022 से रॉयटर्स के साथ काम कर रहे थे. उन्होंने बताया कि उनके तीन अन्य साथी घायल हो गए हैं और उन्हें हल्की चोटें आई हैं. यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने भी रविवार को अपने संबोधन में इस बात की पुष्टि की है. वहीं, अमेरिकी विदेश विभाग ने भी पुष्टि करते हुए कहा कि घायलों में एक अमेरिकी नागरिक भी शामिल है, लेकिन अभी तक उसकी पहचान नहीं हो पाई है।

एयरस्ट्राइक के दौरान हवा में ईंधन भरने से लेकर सटीक जगहों पर हमले तक, इस्राइल ने हिजबुल्ला को घेरा

यरुशलम, एजेंसी। हमास और इस्राइल बीते 10 महीने से जंग लड़ रहे हैं। वहीं, अब इस्राइल और लेबनान के हिजबुल्ला के बीच भी तनाव बढ़ गया है। इस्राइल ने रविवार को हिजबुल्ला के ठिकानों पर कई सटीक हवाई हमले किए। इसे इस्राइली अधिकारियों ने बड़े पैमाने पर हमला बताया। बता दें, स्थानीय समयानुसार सुबह पांच बजे शुरू हुए ये हमले इस्राइल की उत्तरी सीमा पर हिजबुल्ला के बढ़ते खतरे को बेअसर करने के सैन्य अभियान का हिस्सा थे। आइए जानते हैं कैसे हमलों को दिया गया अंजाम। हमने हमारे लोगों की रक्षा के लिए किया हमलाः आईडीएफ इस्राइली रक्षा बलों ने (आईडीएफ) ने एक अभियान की वीडियो जारी की है। वीडियो में देखा जा सकता है कि बीच उड़ान में ईंधन भरा गया। लगातार हमले किए गए। साथ ही सेना ने कहा, लेबनान में आंतकवादी बुनियादी ढांचे को निशाना बनाना हमारे अभियान का लक्ष्य था, जिसे हिजबुल्ला हमारे खिलाफ इस्तेमाल करने की योजना बना रहा था। इस्राइली परिवारों और घरों की रक्षा करने के लिए हमला किया। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपने मंत्रिमंडल को संबोधित करते हुए चेतावनी दी कि सैन्य कार्रवाई अभी खत्म नहीं हुई है। उन्होंने कहा, हम अचानक से हिजबुल्ला को खत्म करने के लिए हमला कर रहे हैं। यह उत्तर में स्थिति को बदलने और हमारे निवासियों को सुरक्षित रूप से उनके घरों में लौटने की दिशा में एक और कदम है। मैं दोहराना चाहूंगा कि यह अंतिम शब्द नहीं है। सेना ने हजारों छोटी दूरी के रॉकेटों को नष्ट कर दिया था। इन रॉकेटों से गैलील क्षेत्र में नागरिकों और बलों को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की जा रही थे। इसे देखते हुए पीएम नेतन्याहू ने अभियान को सफल बताया। उन्होंने यह भी पुष्टि की कि आईडीएफ ने हिजबुल्ला द्वारा मध्य इजराइल में रणनीतिक लक्ष्य पर दागे गए सभी ड्रोनों को नष्ट कर दिया है।

कराची में सशस्त्र समूहों के बीच हिंसक झड़प, एक दूसरे पर चलाई गोलियां, दो की मौत, नौ घायल

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान के कराची में रविवार को दो सशस्त्र समूहों के बीच हिंसक झड़प हो गई। दोनों ने एक दूसरे पर गोलियां चला दीं। गोलीबारी में करीब दो लोगों की मौत हो गई और नौ लोग घायल हो गए। घायलों का इलाज जिन्ना पोस्टग्रेजुएट मेडिकल सेंटर (जेपीएमसी) में किया जा रहा है। वहीं, एक शव को अब्बासी शहीद अस्पताल और दूसरे को डॉ. रूथ पफाऊ सिविल अस्पताल ले जाया गया। घटना के बाद सिंध के गृह मंत्री जिया लंजर ने मामले का जायजा लिया और सिंध के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) व अतिरिक्त महानिरीक्षक (एआईजी) से घटना पर रिपोर्ट मांगी है। उन्होंने कानून प्रवर्तन एजेंसियों को स्थिति को तुरंत नियंत्रण में लाने का निर्देश दिया है। वहीं, कराची के सहायक पुलिस महानिरीक्षक जावेद आलम ओधो ने कहा कि प्रभावित क्षेत्र में स्थिति नियंत्रण में है और केंद्रीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) मौके पर हैं।

घटना गोलीमार इलाके की है। कुछ आक्रोशित सदस्यों ने वाहनों में आग लगा दी और लासबेला से नाजिमाबाद की ओर जाने वाली मुख्य सड़क के दोनों मार्गों को अवरुद्ध कर दिया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, पश्चिम डीआइजी इरफान बलूच ने कहा कि एक जुलूस की आवाजाही को लेकर सशस्त्र समूहों की आपस में हिंसक झड़प हुई है।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में बड़ा हमला : अज्ञात हमलावरों ने लोगों को बसों से उतार गोलियों से भूना, 23 की मौत

बलूचिस्तान, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में एक बार फिर से आतंक का कहर बरपा, जब अज्ञात हमलावरों ने यात्रियों को बसों से उतारकर गोलियों से भून डाला। इस भीषण हमले में 23 लोगों की मौत हो गई है। यह घटना बलूचिस्तान के मूसाखेल जिले में हुई, जहां हमलावरों ने एक सुनियोजित हमले में निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाया। कथित तौर पर अज्ञात हमलावरों ने वाहनों को रोका, पहचान की जाँच की और यात्रियों पर गोलियाँ चलाईं। यह घटना सोमवार सुबह हुई। बलूचिस्तान में स्थिति अस्थिर बनी हुई है, जिससे क्षेत्र की स्थिरता और सुरक्षा को लेकर चिंताएँ बनी हुई हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, हमलावरों ने कुछ बसों को रोककर उनमें सवार यात्रियों को जबरन नीचे उतार लिया। इसके बाद उन्होंने इन लोगों पर अंधाधुंध फायरिंग की, जिससे मौके पर ही 23 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। हमलावर घटना को अंजाम देने के बाद फरार हो गए। स्थानीय प्रशासन और सुरक्षा बलों को घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर भेजा गया। घटनास्थल पर पहुंचकर उन्होंने घायल यात्रियों को पास के अस्पतालों में भर्ती कराया, जहां कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। काकर के हवाले से बताया गया कि हथियारबंद लोगों ने 10 वाहनों में आग भी लगा दी। पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को अस्पताल ले जाना शुरू किया। बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती ने आतंकी घटना की कड़ी

निंदा की। उनके कार्यालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक, उन्होंने आतंकियों की कायरतापूर्ण हरकत में मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना और संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि आतंकी और उनके मददगारों को बख्शा नहीं जाएगा। बलूचिस्तान सरकार दोषियों को सजा देकर ही रहेगी। संघीय सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार ने भी आतंकवादियों की क्रूरता की कड़ी निंदा की। पीएमएल-एन की ओर से एक्स पर पोस्ट किए गए एक बयान में उन्होंने कहा कि आतंकयों ने मुसाखेल के पास निर्दोष यात्रियों को निशाना बनाकर क्रूरता दिखाई। आतंकवादी और उनके मददगार बच नहीं पाएंगे। मुसाखेल हमला पंजाब के लोगों को निशाना बनाकर किए गए इसी तरह के हमले के लगभग चार महीने बाद हुआ है। इससे पहले अप्रैल में नोशकी के पास एक बस से नौ यात्रियों को उतारा गया था और बंदूकधारियों ने उनके आईडी कार्ड देखने के बाद उनकी गोली मारकर हत्या कर दी थी। पिछले साल अक्तूबर में अज्ञात बंदूकधारियों ने बलूचिस्तान के केच जिले के तुर्बत में पंजाब के छह मजदूरों की गोली मारकर हत्या कर दी थी। सभी दक्षिणी पंजाब के अलग-अलग इलाकों से थे। इसी तरह की एक घटना 2015 में हुई थी, जब बंदूकधारियों ने तुर्बत के पास मजदूरों के शिविर पर सुबह-सुबह हमला करके 20 निर्माण मजदूरों की हत्या कर दी थी और तीन अन्य को घायल कर दिया था। सभी सिंध और पंजाब के थे।

आंदोलन में मारे गए लोगों को नहीं मिला कोई अपना बांग्लादेश में 56 लाशें बिना पहचान दफन

ढाका, एजेंसी। पिछले महीने पूरे बांग्लादेश में माहौल अस्त-व्यस्त रहा। छात्र आंदोलन से शुरू हुए विरोध प्रदर्शन ने देखते ही देखते बांग्लादेश की आजादी के बाद हुए सबसे उग्र राजनीतिक आंदोलन की जगह ले ली। यहां तक की 15 साल से प्रधानमंत्री रहीं शेख हसीना को पद और देश दोनों छोड़कर भागना पड़ा। उग्र प्रदर्शन के दौरान इस आंदोलन में सैकड़ों लोगों की जानें भी गई। इन मौतों के लिए पूर्व पीएम हसीना को जिम्मेदार ठहराया गया है और उन पर प्रदर्शन दबाने के लिए हिंसक तरीके प्रयोग करने का आरोप है। इस बीच आंदोलन के दौरान मारे गए शवों को अपनों का इंतजार है। अब तक 56 शवों को बिना किसी पहचान के दफन किया जा चुके हैं। ढाका ट्रिब्यून की एक रिपोर्ट के मुताबिक इन आंकड़ों में और बढ़ोतरी भी हो सकती है। ढाका स्थित डीएमसी मुर्दाघर के सहायक ने बताया है कि डीएमसी में अभी आठ अज्ञात शव हैं। इनमें से सात शव ऐसे हैं जो आंदोलन में मारे गए थे। इनमें से एक शव नवजात बच्चे का है। यहां रोज लोग अपनों की तलाश में मुर्दों की पहचान करने के लिए अस्पताल आ रहे हैं।

परिवार का कहना है कि इनके संबंधी आंदोलन के दौरान बाहर निकले और घर नहीं लौटे। उन्हें इस बात की भी जानकारी नहीं है कि वे जिंदा हैं या नहीं। हालांकि इन आठ शवों में से किसी की भी पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। मारे गए लोगों में अधिकतर 25 साल से कम उम्र के डीएमसी में फोरेंसिक मेडिसिन एंड टॉक्सिकोलॉजी विभाग के प्रमुख प्रोफेसर काजी गुलाम मुखलेसुर रहमान ने ढाका ट्रिब्यून को बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के मुताबिक ज्यादातर मौतों की वजह गोली लगने से घाव, सिर में चोट, आंतरिक रक्तस्राव और पूरे शरीर पर गंभीर चोटें थीं। डीएमसी अधिकारियों ने 16 अगस्त तक आंदोलन के दौरान मरने वाले 121 लोगों का पोस्टमार्टम किया है। ज़्यादातर मौतें गोली लगने से हुई हैं। मृतकों में से 50त्न 25 साल से कम उम्र के थे और बाकी ज़्यादातर 30 से ऊपर के थे। प्रोफेसर रहमान ने कहा कि शव सड़ रहे थे जिसके कारण पोस्टमार्टम करना पड़ा।

गुटेरेस ने हिजबुल्लाह और इजरायल से की तनाव कम करने की अपील

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने इजरायल और हिजबुल्लाह से कहा है कि क्षेत्र में तत्काल तनाव कम करे नहीं तो सुरक्षा और स्थिरता का खतरा पैदा हो सकता है। उनके प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने ये जानकारी दी है। रविवार को दोनों पक्षों में फिर से टकराव बढ़ गया, जब इजरायल ने लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर हवाई हमले किए और हिजबुल्लाह ने भी रॉकेट हमलों से जवाबी कार्रवाई की। दुजारिक ने कहा, ब्लू लाइन के पार गोलीबारी में वृद्धि से महासचिव बहुत चिंतित हैं। इन कार्रवाइयों ने लेबनान और इजरायल दोनों को खतरे में डाल दिया है, साथ ही क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता को भी खतरा है। ब्लू लाइन एक सीमा रेखा है जो इजरायल और लेबनान को अलग करती है। लेबनान में संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल (यूनिफिल) के साथ 895 भारतीय शांति सैनिक तैनात हैं, जो यहां गश्त करते हैं। महासचिव ने तत्काल तनाव कम करने तथा सभी पक्षों से दुश्मनी समाप्त करने तथा सुरक्षा परिषद के संकल्प 1701 को पूरी तरह से लागू करने का आह्वान किया है।

यूनिफिल तथा लेबनान के लिए संयुक्त राष्ट्र के विशेष समन्वयक कार्यालय (यूएनएससीओएल) ने एक संयुक्त वक्तव्य में कहा कि प्रस्तावों को लागू करना आगे बढ़ने का एकमात्र स्थायी तरीका है। दोनों यूएन संगठनों ने कहा, ब्लू लाइन पर चिंताजनक

घटनाक्रमों के मद्देनजर, यूएनएससीओएल तथा यूनिफिल सभी से संघर्ष विराम करने तथा आगे और अधिक आक्रामक कार्रवाई से बचने का आह्वान करते हैं। उनके बयान में कहा गया है, हम तनाव कम करने के लिए अपने संपर्क जारी रखेंगे। यूनिफिल के साथ तैनात भारतीय शांति सैनिक इजरायल तथा हिजबुल्लाह के बीच टकराव में फंस गए हैं। हिजबुल्लाह एक शिया मुस्लिम पार्टी है, जिसके पास अपनी खुद की मजबूत मिलिशिया है, और यह दक्षिणी लेबनान में स्थित है। रविवार को हिजबुल्लाह ने अपने मिलिट्री कमांडर फौद शुकुर की हत्या का बदला लेने की तैयारी की तो इजरायल ने लेबनान में मिसाइल और रॉकेट ठिकानों पर लगभग 100 जेट विमानों से हवाई हमले किए। हिजबुल्लाह ने भी इजरायल और उसके कब्जे वाले गोलन हाइट्स में सैन्य ठिकानों पर 321 रॉकेट और ड्रोन से जवाबी हमला किया।

शेख हसीना पर हत्या के चार और केस दर्ज, पूर्व कपड़ा मंत्री गाजी गिरफ्तार

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना व उनके पूर्व कैबिनेट सहयोगियों के खिलाफ हत्या के कम से कम चार और मामले दर्ज किए गए हैं। सरकारी समाचार एजेंसी बीएसएस की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2010 में बांग्लादेश राइफल्स (बीडीआर) के एक अधिकारी अब्दुर रहीम की मौत के मामले में रविवार को हसीना (76), बांग्लादेश सीमारक्षक बल (बीजीबी) के पूर्व निदेशक जनरल अजीज अहमद व 11 अन्य के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया। बीडीआर के सहायक उप निदेशक रहे रहीम 2010 में पिलखाना में कत्लेआम के सिलसिले में दर्ज मामले में आरोपी थे। उसी साल 29 जुलाई को हिरासत में रहते हुए जेल में उनकी मौत हो गई थी। रहीम के बेटे अधिवक्ता अब्दुल अजीज ने ढाका मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट मोहम्मद अख्तर उज्जमां की अदालत में मामला दर्ज कराया। इसके अलावा, 18 जुलाई को भेदभाव विरोधी छात्र आंदोलन के दौरान सैन्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (एमआईएसटी) के छात्र शेख अशबुल यमीन की हत्या के मामले में हसीना व 48 अन्य के खिलाफ रविवार को हत्या का एक और मामला दर्ज किया गया। हाल ही में विरोध प्रदर्शन के दौरान राजधानी में ट्रेडिंग कॉरपोरेशन ऑफ बांग्लादेश (टीसीबी) के उत्पादों के एक विक्रेता की हत्या को लेकर हसीना व 27 अन्य के खिलाफ एक अलग मामला दर्ज किया गया था। इसके अलावा, विरोध प्रदर्शन के दौरान राजधानी में एक ऑटो-रिक्शा चालक की हत्या को लेकर

हसीना समेत 25 लोगों के खिलाफ एक और मामला दर्ज किया गया था। ढाका में महीने भर बाद बहाल हुई मेट्रो सेवा सरकार विरोधी प्रदर्शनों के दौरान यात्रियों के लिए बंद रहने के एक महीने बाद रविवार को ढाका मेट्रो ने अपनी सेवाएं फिर से शुरू कर दीं। मेट्रो सेवाएं फिर से शुरू होने, बसों व टैक्सियों के सड़कों पर सामान्य रूप से दौड़ने तथा विश्वविद्यालय के छात्रों के ऐतिहासिक कर्जन हॉल के बगीचों में बेफिक्र होकर शाम की सैर करने के साथ ही ऐसा लगता है कि ढाका में जनजीवन सामान्य हो रहा है। ढाका में देर रात करीब 3 बजे गिरफ्तार हुए पूर्व मंत्री गाजी डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, पल्टन थाने के प्रभारी मुल्ला मोहम्मद खालिद हुसैन के हवाले से बताया कि 76 वर्षीय पूर्व मंत्री गाजी को शनिवार देर रात करीब तीन बजे राजधानी ढाका के पियरगोली इलाके में एक घर से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने उन्हें हिरासत में लिया व डिटेक्टिव ब्रांच (डीबी) कार्यालय ले आई। गाजी को डीबी कार्यालय में रखा गया था, क्योंकि हाल में हुई हिंसा के बाद थाना बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था। गाजी के ठिकाने का पता चलने के बाद लोगों ने उस घर को भी घेर लिया था।

राष्ट्रपति पद के लिए कमला हैरिस का समर्थन करेंगी टेलर स्विफ्ट? जल्द ही कर सकती हैं एलान

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में पांच नवंबर को राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होने हैं। ऐसे में, रिपब्लिकन की ओर से डोनाल्ड ट्रंप और डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से कमला हैरिस मैदान में हैं। दोनों का समर्थन करने वाले लगातार सामने आ रहे हैं। अब इस कड़ी में टेलर स्विफ्ट का नाम भी जुड़ने वाला है। स्विफ्ट के करीबी सूत्रों का कहना है कि इस साल के चुनाव को लेकर ज्यादा ही गर्मजोशी बनी हुई है। ऐसे में अगले चार से छह सप्ताह के अंदर वह कमला हैरिस का समर्थन करने की तैयारी कर रही हैं। सूत्रों का यह भी कहना है कि वह व्हाइट हाउस में किसी मजबूत महिला को देखना चाहती हैं इसलिए वह उपराष्ट्रपति का समर्थन करने के लिए उत्सुक हैं।

थाईलैंड में चीन से क्यों पिछड़ रहा भारत

डॉ. अनिल कुमार निगम

थाईलैंड में नई प्रधानमंत्री पैटॉन्गटर्न शिनावात्रा के नेतृत्व में एक नया राजनीतिक युग शुरू हुआ है। भारत के लिए यह समय महत्वपूर्ण है कि वह थाईलैंड के साथ अपने संबंधों को और गहरा करे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ईसा पूर्व चौथी या पांचवीं शताब्दी के भगवान बुद्ध के अवशेषों को थाईलैंड भेजकर वहां के साथ सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने की कोशिश की है। लेकिन आज चीन के बढ़ते प्रभाव के बीच, भारत को थाईलैंड में अपनी उपस्थिति और प्रभाव को बढ़ाने की आवश्यकता है। इसके लिए भारत को रणनीतिक, आर्थिक, और सांस्कृतिक तीनों ही स्तरों पर ठोस कदम उठाने होंगे। क्या भारत थाईलैंड में पैटॉन्गटर्न शिनावात्रा के नये दौर में वहां चीन के बढ़ते प्रभाव को संतुलित करने और अपने रणनीतिक हितों की रक्षा के साथ क्षेत्रीय स्थिरता के लिए कोई ठोस प्रयास कर सकता है?

थाईलैंड में चीन के बढ़ते प्रभाव को संतुलित करना भारत के लिए जरूरी...

जिस थाईलैंड में भारतीय पंडितों के बगैर पूजा नहीं होती, जिसके साथ भारत के ढाई हजार साल पुराने संबंध हैं, जो महज 4-5 घंटे की दूरी पर है, और जहां भारतीय पर्यटक बहुतायत में जाना पसंद करते हैं - उस थाईलैंड में आज भारत चीन से क्यों पिछड़ रहा है। थाईलैंड में चीन की न सिर्फ आर्थिक बल्कि सैन्य गतिविधियां भी तेजी से बढ़ी हैं। वहां की नयी प्रधानमंत्री बनी 37 वषीर्या पैटॉन्गटर्न शिनावात्रा थाईलैंड के पिता पूर्व प्रधानमंत्री थाक्सिन शिनावात्रा के साथ भारत के गहरे संबंध रहे हैं। तो आज भारत के लिए इन संबंधों का फायदा उठाकर थाईलैंड में चीन का बढ़ता प्रभाव कम करने का समय है। क्या भारत इस दिशा में कोई ठोस पहल कर सकता है?

बैंकॉक भारतीयों का पसंदीदा पर्यटन स्थल है। नई दिल्ली से थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक जाने में महज चार-पाँच घंटे लगते हैं। अब यदि आप बैंकॉक जाएंगे, तो वहां आपका स्वागत थाईलैंड की सबसे युवा प्रधानमंत्री पैटॉन्गटर्न शिनावात्रा की सरकार करेगी। भारत और थाईलैंड के संबंध हजारों साल पुराने हैं। चाहे वह व्यापार हो, सांस्कृतिक आदान-प्रदान हो, या फिर सामरिक दृष्टिकोण से जुड़ी साझेदारी हो, दोनों देशों के बीच के संबंध अद्वितीय हैं। परंतु, वर्तमान समय में, थाईलैंड का झुकाव चीन की तरफ अधिक होता दिख रहा है, जो भारत के लिए एक चुनौती हो सकती है। भारतीयों के लिए थाईलैंड न केवल पर्यटन का एक लोकप्रिय केंद्र है, बल्कि ऐतिहासिक रूप से भी दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक और धार्मिक संबंध गहरे रहे हैं।

पैटॉन्गटर्न, जिन्हें उंग इंग के नाम से भी जाना जाता है, अपनी चाची यिंगलक शिनावात्रा के बाद प्रधानमंत्री बनने वाली थाईलैंड की दूसरी महिला नेता हैं। उनका चुनाव भारत के लिए उनके पिता प्रधानमंत्री थाक्सिन द्वारा स्थापित गर्मजोशी भरे संबंधों को और मजबूत करने का एक रणनीतिक अवसर है। थाई राजनीति का यह नया दौर ऐसे समय में आया है, जब भारत का व्यापक लक्ष्य दक्षिण पूर्व एशिया में चीन के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला करना है।

उनके राजनीतिक करियर का उदय एक विशेष रूप से अस्थिर राजनीतिक परिदृश्य के बीच हुआ, जब थाईलैंड में संवैधानिक अदालत ने उनके पूर्ववर्ती प्रधानमंत्री स्रेथा थविसिन को एक विवादास्पद कैबिनेट नियुक्ति के कारण पद से हटा दिया।

थाईलैंड में सैन्य हस्तक्षेप और राजनीतिक अस्थिरता का लंबा इतिहास रहा है। 2006 और 2014 में हुए दो बार हुए सैन्य तख्तापलट ने देश की राजनीति को बुरी तरह प्रभावित किया। थाईलैंड की पहली महिला प्रधानमंत्री, यिंगलक शिनावात्रा, जो पैटॉन्गटर्न की चाची हैं, का कार्यकाल भी इसी अस्थिरता का शिकार हुआ। हालांकि, भारत के लिए इन घटनाओं के बीच एक रणनीतिक अवसर भी छिपा है। थाक्सिन शिनावात्रा और भारतीय प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल 2001 से 2006 के दौरान भारत-थाईलैंड संबंधों में महत्वपूर्ण प्रगति हुई। आर्थिक-रणनीतिक सहयोग बढ़ा। मुक्त व्यापार समझौता हुआ, और संयुक्त सैन्य अभ्यास और द्विपक्षीय नौसैनिक रक्षा सहयोग भी शुरू हुआ। समुद्री सहयोग व कनेक्टिविटी बढ़ाने के अलावा भारत, म्यांमार और थाईलैंड के बीच त्रिपक्षीय राजमार्ग परियोजनाओं के माध्यम से दोनों देशों में उल्लेखनीय सहयोग देखा गया।

भारत की स्वतंत्रता के बाद सन 1947-76 के दौरान भारत-थाई संबंध ठंडे रहे थे। 1970 के दशक तक थाईलैंड पर सैन्य शासकों का शासन था। 1986 में भारतीय प्रधानमंत्री राजीव गांधी की थाईलैंड यात्रा ने इस स्थिति को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 1994 में शुरू हुई भारत की लुक ईस्ट नीति और थाईलैंड की लुक वेस्ट नीति ने द्विपक्षीय संबंधों को नया आयाम दिया। इसके बाद के वर्षों में, दोनों देशों ने अपने आर्थिक और सामरिक सहयोग को बढ़ाया। 2011 में थाक्सिन की बहन यिंगलक शिनावात्रा के प्रधानमंत्री बनने के बाद उनके कार्यकाल (2011-2014) के दौरान भारत और थाईलैंड के बीच कई महत्वपूर्ण समझौते हुए, जिनमें रक्षा, सुरक्षा, और व्यापार पर ध्यान केंद्रित किया गया।

हालांकि, 2014 में यिंगलक शिनावात्रा को भी सत्ता से बेदखल कर दिया गया, और वह अब चीन में निर्वासित जीवन बिता रही हैं। इस बीच, थाईलैंड और चीन के संबंध मजबूत होते गए। थाईलैंड अब चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव का हिस्सा है और दोनों देशों के बीच व्यापारिक और सैन्य सहयोग में भी तेजी आई है। चीन ने थाईलैंड में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में बड़ा निवेश किया है, जैसे कि बैंकॉक को लाओस-चीन हाई स्पीड रेल से जोड़ने का प्रोजेक्ट। इसके अलावा, चीन ने थाईलैंड को 5ऋ नेटवर्क स्थापित करने के लिए हुवावे जैसी कंपनियों के माध्यम से भी सहायता प्रदान की है।

थाईलैंड में चीन का बढ़ता प्रभाव भारत ही नहीं अमरीका के लिए भी महत्वपूर्ण चुनौती है। शीत युद्ध के बाद से अमरीका थाईलैंड का प्राथमिक हथियार आपूर्तिकर्ता रहा, लेकिन यह स्थान अब चीन ने ले लिया है। चीन ने न केवल थाईलैंड के रक्षा क्षेत्र में अपने प्रभाव को बढ़ाया है, बल्कि थाईलैंड के साथ नियमित रूप से संयुक्त सैन्य अभ्यास भी किया है। इसके अलावा, थाईलैंड ने चीन से बड़ी संख्या में टैंक, बख्तरबंद वाहन, और पनडुब्बियाँ खरीदी हैं। चीन अब थाईलैंड का सबसे बड़ा हथियार आपूर्तिकर्ता बन गया है। 2023 में थाईलैंड में चीन का कुल निवेश 43% बढ़कर 23.79 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो थाईलैंड की अर्थव्यवस्था पर चीन के प्रभाव को स्पष्ट रूप से दशार्ता है। भारत और थाईलैंड के बीच द्विपक्षीय व्यापार 2023 में लगभग 14 बिलियन अमेरिकी डॉलर रहा। हालांकि, इस व्यापार में भारत का हिस्सा कम है। थाईलैंड में भारत का मुख्य निर्यात कपड़ा, रत्न और फार्मास्यूटिकल्स हैं, जबकि थाईलैंड से भारत को आयात मुख्य रूप से इलेक्ट्रॉनिक्स और अन्य उपभोक्ता उत्पादों का है। भारत और थाईलैंड दोनों ही आसियान क्षेत्रीय मंच और एशिया सहयोग वार्ता जैसे अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर एक साथ काम करते हैं।

भारत ने दक्षिणी थाईलैंड में इस्लामी अलगाववादियों से निपटने के लिए थाई लोगों की सहायता की, जिसके बदले थाईलैंड ने कंबोडिया में उत्पन्न होने वाले हथियारों की आपूर्ति के लिए उनकी जमीन का उपयोग करने वाले भारतीय अलगाववादियों के खिलाफ कार्रवाई की। 2006 से भारत-थाई नौसेनाओं की अंडमान सागर में प्रतीकात्मक समन्वित गश्त और जनवरी 2012 में रक्षा सहयोग के समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के बावजूद कहीं न कहीं दोनों देशों के सुरक्षा संबंध अपेक्षाकृत अविकसित ही हैं। कुल मिलाकर थाईलैंड में भारत चीन से पिछड़ रहा है।

ऐसा तब है, जब दोनों देशों के संबंध हजारों साल पुराने हैं। थाई संस्कृति पर भारत का गहरा प्रभाव है। थाईलैंड बौद्ध धर्म को मानता है, जो भारत से उत्पन्न हुआ है। रामायण की हिंदू कहानी भी पूरे थाईलैंड में रामकियेन के नाम से प्रसिद्ध है। लगभग 2500 साल पहले जब सम्राट अशोक ने सुवर्णभूमि में भिक्षुओं को भेजा था, तब से लेकर आजतक थाईलैंड में भारतीय पुजारियों का स्वागत किया जाता रहा है। थाईलैंड की समुद्री सीमा भारत के अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के साथ जुड़ी है।

दक्षिण पूर्व एशिया के प्रवेश द्वार थाईलैंड में रहने वाले लगभग 250,000 भारतीय और 25,000 से अधिक एनआरआई भारत-थाईलैंड संबंधों के जीवंत प्रतीक हैं। आज बड़े पैमाने पर भारतीय थाईलैंड की यात्राएं करते हैं। 15 से अधिक भारतीय शहरों से लगभग 400 साप्ताहिक उड़ानों के साथ सीधे जुड़े थाईलैंड में 2023 में लगभग 1.6 मिलियन भारतीय पर्यटक पहुंचे, तो चीन से 3.5 मिलियन। हालांकि 2023 में महज 0.11 मिलियन थाई पर्यटक ही भारत आये। थाईलैंड भारतीयों को तो अधिकतम 5 साल का वीजा देता है, लेकिन थाई एलीट वीजा चीनी नागरिकों को 20 साल तक थाईलैंड में रहने की अनुमति देता है। भारत और थाईलैंड के बीच द्विपक्षीय व्यापार 2023 में 16.04 बिलियन अमेरिकी डॉलर था, जिसमें भारत से थाईलैंड को निर्यात 5.92 बिलियन अमेरिकी डॉलर और थाईलैंड से भारत को आयात 10.11 बिलियन अमेरिकी डॉलर था।

संपादकीय

अक्षम्य अपराध

महिलाओं के खिलाफ अपराध को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अक्षम्य करार देते हुए दोषियों को न बख्शने की बात की। उनके इस बयान से आधी आबादी को जरूर हौसला मिला है। प्रधानमंत्री मोदी उत्तर महाराष्ट्र में जलगांव में लखपति दीदी सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा महिलाओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देने व देश के हर राज्य की महिलाओं के दर्द और गुस्से को समझते हैं। मोदी ने कहा, सरकारें आएंगी, जाएंगी पर सरकार और समाज दोनों के तौर पर महिलाओं के जीवन व सम्मान की रक्षा करना हम सबकी जिम्मेदारी है। उन्होंने महिलाओं को विश्वास दिलाया कि दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा देने के लिए उनकी सरकार राज्य सरकारों पर दबाव बना रही है। महाराष्ट्र के ही बदलापुर के स्कूल में हुए मासूम बच्चियों के यौन शोषण तथा कोलकाता की प्रशिक्षु चिकित्सक के बलात्कार व हत्या तथा उनके खिलाफ हुए विरोध-प्रदर्शनों के बाद वह सार्वजनिक तौर पर बोले। उधर, ड़ॉक्टर की हत्या के मामले में पूर्व प्राचार्य, उप प्राचार्य समेत 15 लोगों के ठिकानों पर सीबीआई ने फॉरेंसिक विशेषज्ञों की टीम के साथ छापे मारे। जेल में बंद इस बलात्कार व हत्या के मुख्य आरोपी संजय राय का इस दरम्यान पॉलीग्राफ टेस्ट भी किया गया। इस टेस्ट के दौरान मशीनों व कंप्यूटर द्वारा आरोपी के झूठ बोलने को मापा जाता है। मासूम बच्चों व महिलाओं के खिलाफ बढ़ते जा रहे यौन अपराधों को लेकर जन-मानस में बहुत गुस्सा है। वे त्वरित व सख्त सजाओं की मांग के साथ सड़कों पर उतर रहे हैं। बढ़ते जनाक्रोश को देखते हुए मोदी ने सख्ती से महिलाओं की सुरक्षा की बात उठाई। हालांकि सबसे बड़ी अदालत ने मारी गई चिकित्सक के मसले पर किसी तरह की राजनीति न करने के सख्त निर्देश दिए हैं, परंतु प्रधानमंत्री ने अपनी संवेदनाएं किसी का नाम या घटना का जिक्र किए बगैर ही व्यक्त कीं। केंद्रीय गृह मंत्रालय भी महिलाओं/स्कूली बच्चों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर राज्यों को सख्त निर्देश जारी किए हैं। केवल बच्चों व महिलाओं के खिलाफ ही नहीं बल्कि सभी तरह के अपराधों की बढक्ष्स्ती संख्या को देखते हुए कहना उचित होगा कि राज्य सरकारें इन्हें अपनी प्राथमिकता में रखने से निरंतर कोताही कर रही हैं। शायद इसी वजह से अपराधियों का मन बढ़स्त्ता है। यह जनताझ्रजनार्दन का अपमान है। सुरक्षाझ्रव्यवस्था को लेकर संबंधित विभागों को अधिक मुस्तैद बनाने और राज्य को अपराधमुक्त रखने की जिम्मेदारी से वे मुक्त नहीं रह सकतीं।

चिंतन-मनन

प्रेम और सहयोग का नाम है परिवार

पारिवारिक सदस्यों के त्याग, सहयोग, स्वच्छता, प्रेम, संतुष्टि व व्यसनमुक्ति से ही परिवार संयुक्त और समृद्धिशाली बनता है। वे सौभाग्यशाली हैं जो संयुक्त परिवार में रह रहे हैं तथा जिन्हें माता -पिता का सान्निध्य प्राप्त हो रहा है। विश्व बंधुत्व की बात करने वालों को पहले अपने परिवार में बंधुत्व बनाए रखने के लिए प्रयत्न करना चाहिए। आज छोटी-छोटी बातों को लेकर परिवार टूट रहे हैं। हम अधिकारों की बजाए एक-दूसरे के हितों का ध्यान रखेंगे, तभी हमारे परिवार खुशहाल और सुदृढ़ होंगे।

एक माता-पिता अपने पाँच-पाँच बच्चों को पाल पोसकर बड़ा करके योग्य बना देते हैं जबकि पाँच-पाँच बच्चे बुढ़ापे में अपने एक माता-पिता को संभालने से कतराते हैं। आज हम जितने बूढ़े दादा-दादी के प्रति लापरवाह हैं यदि हमारे बचपन में वे हमारे प्रति इतने ही लापरवाह होते तो हमारी क्या दुर्गति हो गई होती। इस बात को युवा पीढ़ी को अच्छी तरह ध्यान रखना चाहिए।

परिवार में ब्याह कर आई नई बहू को चाहिए कि जितने उम्र का पति उसे मिला है कम से कम उतने साल तो सास-ससुर का फर्ज मानकर उन्हें निभा देना चाहिए। इस पीढ़ी को व्यसनमुक्त होकर अपने माता-पिता की सेवा करने, उनके प्रणाम करने के तरीको को जीवन में अपनाना चाहिए। जीवन में सदाचार को अपना कर हमें अपने विचारों को बदलना होगा। विचार जीवन का प्रतिबिंब है। संतों की संगति से अच्छे विचार आते हैं। विचार अच्छे होना हमारी जागरूकता को दशार्ता है। हमारे विचार हमारे जीवन का परिचय देते हैं। रुपया-पैसे का लालच छोड़कर हमें जीवन में धार्मिक आराधना करते रहना चाहिए। जिससे हमारा जीवन और हमारे परिवार का जीवन सार्थक होगा।

फिराक गोरखपुरी जन्म दिवस- फिराक गोरखपुरी में बसी थी भारत की सांझी संस्कृति

शायर-ए-जमाल-सौन्दर्य का कवि कहलाने वाले फिराक गोरखपुरी उर्दू शायरी का देश एवं दुनिया का एक फनकार हैं जिसका रचना-संसार जीते-जी ही नहीं, मरकर भी गूंज रहा है। गोरखपुर को जिन वजहों से दुनिया भर में पहचान मिली, फिराक गोरखपुरी को हमें उनमें आगे की पंक्ति में रखना ही होगा। नाम के आगे गोरखपुरी लगाकर उन्होंने उर्दू अदब की दुनिया में गोरखपुर को जो ऊंचाई दी, गोरखपुर ही नहीं बल्कि समूचे पूर्वांचल के लोग इसके लिए गौरव का अनुभव करते हैं। शायरी कहने के अपने अलमस्त और बेलौस अंदाज को लेकर वह शायरों में ही नहीं, आमजन के बीच भी हमेशा चर्चा का विषय रहे। रघुपति सहाय से फिराक गोरखपुरी बने, वे भारत के एक प्रसिद्ध उर्दू शायर, कवि, लेखक और आलोचक थे। उनकी साहित्यिक प्रतिभा कविता, गजल और निबंध सहित विभिन्न शैलियों में फैली हुई है। प्रगतिशील लेखक आंदोलन के एक प्रमुख व्यक्तित्व, गोरखपुरी की रचनाओं में मानवीय भावनाओं और सामाजिक मुद्दों की गहरी समझ झलकती है। उनकी काव्यात्मक अभिव्यक्ति ने शास्त्रीय लालित्य को आधुनिक संवेदनाओं के साथ जोड़ा, जिन्होंने शायरी को लोक बोलियों से जोड़कर उसमें नई लोच, नई रंगत, नई ऊर्जा उत्पन्न की। उन्हें फारसी, हिन्दी, ब्रजभाषा और भारतीय संस्कृति की गहरी समझ थी, इन्हीं कारणों से उनकी शायरी में भारत की विविधताओं युक्त सांझी रची-बसी हुई है। वे जन-कवि और सौन्दर्य के परम उपासक के रूप में असंख्य लोगों के दिल और दिमाग में रचे-बसे हैं।

फिराक गोरखपुरी का जन्म 28 अगस्त 1896 में उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में हुआ। वे एक अमीर परिवार से संबंधित थे। उनके पिता का नाम मुंशी गोरख प्रसाद था, वे पेशे से वकील थे, किन्तु शायरी में उनका बहुत नाम था। इसी कारण फिराक को शायरी की प्रेरणा पिता से भी मिली। बचपन के चमकते-दमकते वैभव के बावजूद उनकी नजरें हमेशा जमीन की ओर देखती रही। उनकी जिन्दगी और रचनाओं का सफर न केवल रोचक रहा, बल्कि प्रेरणा का स्रोत भी रहा। उर्दू कविता के प्रति उनके मन मे छोटी आयु में ही रुझान था। बाल्यावस्था में ही उन्होंने उर्दू में कविताएं लिखना आरंभ कर दी। वे साहिर, इकबाल, फैज, तथा कैफी आजमी से अत्यधिक प्रभावित हुए। रामकृष्ण परमहंस की कहानियों से आरंभ करने के बाद उन्होंने अरबी, फारसी और अंग्रेजी में शिक्षा ग्रहण की। पढ़ाई में वे बड़े ही योग्य एवं होनहार विद्यार्थी थे। सन् 1917 में डिप्टी कलेक्टर के पद के लिए चुने गए परंतु महात्मा गांधी के स्वराज्य आंदोलन में भाग लेने के लिए उन्होंने 1918 में पद से त्यागपत्र दे दिया। 1920 में स्वाधीनता आंदोलन में भाग लेने के कारण उनको डेढ़ वर्ष की जेल की यात्रा सहन करनी पड़ी। वे इलाहाबाद विश्वविद्यालय में अंग्रेजी के प्राध्यापक भी रहे। उनका कहना था कि उर्दू केवल मुसलमानों की भाषा नहीं है बल्कि आम भारतवासियों की भाषा है। पंडित जवाहरलाल नेहरू उनकी इस सोच से अत्यधिक प्रभावित हुए, उन्होंने फिराक को राज्यसभा का सदस्य मनोनीत किया। नेहरू ने फिराक को जेल से छूटने के बाद अखिल भारतीय कांग्रेस के कार्यालय में अन्डर सेक्रेटरी बना दिया। लगभग 50 वर्षों तक वे सांप्रदायिक सद्भाव एवं सौहार्द के लिए काम करते रहे। फिराक की कविता में कुछ स्थानों पर रूमानियत देखी जा सकती है उन्होंने वियोग, श्रृंगार के सुंदर चित्र अंकित किए हैं।

अपनी हाजिर जवाबी की वजह से फिराक काफी मशहूर थे। उनका बातचीत का लहजा इतना चुटीला होता था कि एक बार कोई उनके पास बैठ जाए तो उठता नहीं था। वह जो भी बोलते थे, बेधड़क बोलते थे और अंदाज ऐसा कि महफिल ठहाकों में भर उठती थी। वे जिन्दादिल इंसान थे तो चित्रता में मित्रता के प्रतीक थे। समस्याओं के आर-पार जाने की क्षमता, वास्तविकताओं पर पड़े आवरणों को तोड़ देने की ताकत, मनुष्य की चिन्ता, सौन्दर्य की अभिव्यक्ति उनकी शायरी एवं सृजन में भी दिखाई पड़ती है। इतिहास और वर्तमान-दोनों जगह वह उत्पीड़न के खिलाफ थे और उसकी अभिव्यक्ति में पूरी तरह भयमुक्त थे। उनके जीवन के सारे सिद्धांत मानवीयता की गहराई से जुड़े थे और उस पर वह अटल भी रहते थे किन्तु किसी भी प्रकार की रूढ़ि या पूर्वाग्रह उन्हें छू तक नहीं पाती। वह हर प्रकार से मुक्त स्वभाव के थे और यह मुक्त स्वरूप भीतर की मुक्ति का प्रकट रूप है। यह उनके व्यक्तित्व की बड़ी उपलब्धि है। स्वभाव में एक औलियापन है, फक्कड़पन है और अलमस्त अंदाज है। किसी को उनका व्यक्तित्व भाया तो किसी को वह बिल्कुल पसंद नहीं आए लेकिन उनके शेरों की कद्र हर किसी ने पूरी तबीयत से की। उनका लोहा तब भी जग ने माना और आज भी मान रहा है। वे सदियों तक इसी तरह अपनी शायरी के कारण जीवंत बने रहेंगे। उनकी जिंदगी का ज्यादातर हिस्सा इलहाबाद बीता। और यहीं से वे शोहरत की बुलंदियों पर पहुंचे। इलाहाबाद में फिराक, महादेवी वर्मा और निराला को मिलाकर उस दौर के साहित्य की दुनिया की त्रिवेणी बनती थी। उनकी अनौपचारिक संगोष्ठियों में अंग्रेजी के विद्वानों के साथ-साथ तुलसी, कालिदास और मीर के पाठ भी समानांतर चलते थे। गहरी-गहरी और गोल-गोल डस लेने वाली आंखों में उनके व्यक्तित्व का फक्कड़पन खूब जाहिर होता था। फिराक के पिता भी अच्छे शायर थे, इसलिए उनके आवास लक्ष्मी निवास पर साहित्यकारों की खूब महफिल सजती थी। महफिल सजाने वालों में कथा सम्राट मुंशी प्रेमचन्द भी शामिल थे। कई बार प्रेमचंद वहां रुक भी जाते थे, जब फिराक की पत्नी को उनके लिए परहेजी खाना बनाना पड़ता था। इस दौरान फिराक का प्रेमचंद से एक खास रिश्ता बन गया था। फिराक की बेटी प्रेमा देवी ने अपने एक संस्मरण में लिखा है कि लक्ष्मी निवास पर पंडित नेहरू भी कई बार आए थे क्योंकि नेहरू के वे काफी नजदीक थे।

– **ललित गर्ग**

आपदा प्रबंधन : शैक्षणिक पाठ्यक्रम का बने अंग

रीतेश ओमप्रकाश जोशी

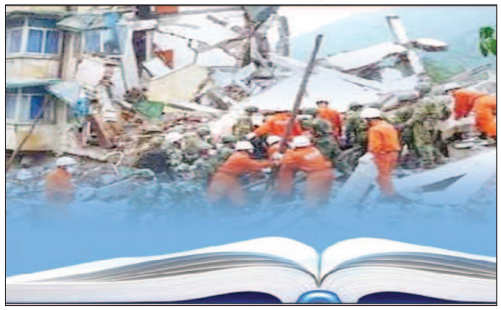

प्राकृतिक आपदा से हर वर्ष देशवासियों को जूझना पड़ता है। पहाड़ी क्षेत्रों में अतिवृष्टि से बाढ़ के साथ भूस्खलन जैसी समस्या मिलती है, तो मैदानी क्षेत्रों में बाढ़ से जलमग्न होते नगर तथा गांवों में जान और माल की बबार्दी के दृश्य दिखलाई पड़ते हैं, वहीं समुद्र के तटवर्तीय क्षेत्रों में हर साल चक्रवर्ती तूफान से जानमाल के साथ करोड़ों रुपए की क्षति के समाचार मिलते ही हैं।

भौगोलिक विविधता का यह स्याह पहलू ही है कि कही बाढ़ से जन जीवन अस्त-व्यस्त हैं तो कहीं सूखे के कारण पीने के पानी के भी लाले पड़ रहे हैं। आपदा प्रबंधन केंद्र सरकार तथा राज्य सरकारों की प्राथमिकता में शामिल विषय है। राज्यों में प्राकृतिक या मानव निर्मित किसी आपदा के व्यापक होने पर राज्य की सहायता के लिए एनडीआरएफ द्वारा किए गए कार्यों के सभी चक्षुदर्शी साक्षी है। इसी प्रकार राज्य स्तर पर आपदा प्रबंधन प्रयासों के समन्वय के लिए प्रत्येक राज्य में राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसडीएमए) स्थापित है। जिला स्तर पर आपदा प्रबंधन के लिए जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) जिम्मेदार है।

गौरतलब है कि आपदा प्रबंधन के लिए वर्ष 2016 में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन योजना (एनडीएमपी) निर्मित की गई थी जो आपदा प्रबंधन के लिए एक सुव्यवस्थित रूपरेखा प्रदान करती है। वर्तमान परिदृश्य में इस बात की महती आवश्यकता है कि विद्यालयी स्तर पर आपदा प्रबंधन को एक विषय के रूप में पढ़ाया जाना चाहिए। बच्चों और युवाओं को आपदा प्रबंधन के बारे में शिक्षित करने से उन्हें संभावित जोखिमों को समझने में मदद मिलेगी जिससे उन्हें आपात स्थिति के लिए तैयार किया जा सकता है। आपदा प्रबंधन के शिक्षण से उन्हें प्राथमिक चिकित्सा, आपातकालीन प्रतिक्रिया और संकट प्रबंधन जैसे आवश्यक जीवन कौशल सीखने में मदद मिलेगी। आपदा प्रबंधन को विद्यालयी पाठ्यक्रम में सम्मिलित करने से सामुदायिक जागरूकता बढ़ेगी और आपदा प्रबंधन की व्यापक तैयारियों का समय और अवसर दोनों मिलने की पर्याप्त गुंजाइश रहेगी। आपदाओं और उनके प्रभाव के बारे में सीखकर, बच्चे शारीरिक और मानसिक तौर पर प्रतिरोधक क्षमता का निर्माण कर आपदा से मुकाबला करने की रणनीति विकसित कर सकते हैं। आपदा प्रबंधन की शिक्षा बच्चों को उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी लेने और सामुदायिक आपदा प्रतिक्रिया प्रयासों में योगदान करने के लिए सशक्त बना सकती है। आपदा प्रबंधन समग्र शिक्षा को बढ़ावा देते हुए विज्ञान, भूगोल और सामाजिक अध्ययन जैसे विभिन्न विषयों से जुड़ता है। छात्रगण सैद्धांतिक ज्ञान को व्यावहारिक परिदृश्यों में लागू कर सकते हैं, जिससे उनके सीखने का कौशल अधिक आकर्षक और प्रभावी हो सकता है। इसका दीर्घकालिक प्रभाव यह होगा कि बच्चों में आपदा प्रबंधन का ज्ञान पैदा करके, हम भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए बेहतर ढंग से सुसज्जित पीढ़ी का निर्माण करते हैं। इसके अतिरिक्त आपदा प्रबंधन को स्कूल पाठ्यक्रम में शामिल करने के लिए शिक्षक प्रशिक्षण की आवश्यकता होगी जिससे शिक्षकों की आपात स्थिति से निपटने की क्षमता में वृद्धि होगी। आपदा प्रबंधन को स्कूल पाठ्यक्रम में शामिल करके, हम तैयारी, प्रतिरोध क्षमता और सामुदायिक जागरूकता की संस्कृति विकसित कर सकते हैं, जिससे अंततः मानव जीवन बचाया जा सकता है और आपदाओं के प्रभाव को कम किया जा सकता है। कई देशों में आपदा प्रबंधन को एक विषय के रूप में पढ़ाया जाता है। उदाहरण के तौर पर जापानी स्कूलों में भूकंप और सुनामी की तैयारियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए आपदा शिक्षा अनिवार्य है। फिलीपींस में आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन को स्कूल पाठ्यक्रम में एकीकृत किया गया है, जिसमें आपातकालीन प्रतिक्रिया और आपदा तैयारी जैसे विषयों को शामिल किया गया है।

अमेरिका में कुछ स्कूलों में आपातकालीन तैयारियों और प्रतिक्रिया पर ध्यान केंद्रित करते हुए आपदा प्रबंधन पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है। आपदा प्रबंधन को ऑस्ट्रेलियाई पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है, जिसमें प्राकृतिक खतरों से सुरक्षा और आपातकालीन प्रबंधन जैसे विषय शामिल हैं। इसी प्रकार आपदा शिक्षा न्यूजीलैंड में पाठ्यक्रम का हिस्सा है, जो आपातकालीन तैयारियों और प्रतिक्रिया पर केंद्रित है। यहां तक कि पड़ोसी देश श्रीलंका के स्कूलों में आपदा प्रबंधन पढ़ाया जाता है। इंडोनेशिया के स्कूलों में आपदा शिक्षा अनिवार्य है, जो भूकंप, सुनामी और ज्वालामुखी विस्फोट की तैयारियों पर केंद्रित है। इसी क्रम में आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन को बांग्लादेशी स्कूल पाठ्यक्रम में एकीकृत किया गया है, जिसमें चक्रवात और बाढ़ की तैयारी जैसे विषय शामिल हैं। हालांकि हमारे देश में एनडीएमए ने स्कूलों में आपदा शिक्षा के लिए दिशा-निर्देश विकसित किए हैं, जिसमें भूकंप सुरक्षा और बाढ़ की तैयारी जैसे विषयों को शामिल किया गया है, किंतु इसे स्कूली पाठ्यक्रम में अनिवार्यतः सम्मिलित किए जाने के लिए वास्तविक कदम उठाया जाना अपेक्षित है।

क्या आप तैयार हैं फर्स्ट इंप्रेशन के लिए?

आज के समय में सिर्फ कॉलेज की पढ़ाई पूरी कर लेना ही काफी नहीं है। जॉब पाने के लिए प्रोफेशनल एटिकेट्स की समझ-बूझ होना भी बहुत जरूरी है। इसी से आपकी एक इमेज भी बनती है। जब आप इंटरव्यूअर के साथ बैठते हैं, तो फर्स्ट इंप्रेशन बनने में महज कुछ सेकंड का समय ही लगता है। इतने ही वक्त में आपके बारे में एक राय बन जाती है। भले ही इस दौरान आप एक भी शब्द न बोलें, लेकिन इंटरव्यूअर आपकी ड्रेसिंग, ग्रूमिंग, चेहरे के भाव और बॉडी लैंग्वेज को देखकर बहुत कुछ समझ जाते हैं। ऐसे में बहुत जरूरी हो जाता है कि आप अच्छा इंप्रेशन बनाने को लेकर चौकस रहें।

'हाथ' देता है संदेश

एक-दूसरे से हाथ मिलाने के स्टाइल से भी आपके व्यक्तित्व और आत्मविश्वास को आंका जा सकता है। इसलिए हैंडशेक को कतई हल्के में न लें। किसी व्यक्ति से मुलाकात के दौरान चेहरे पर मुस्कान रखना और आंख मिलाकर बात करना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी है मजबूती और गर्मजोशी से हाथ मिलाना। इतना ही नहीं, हाथ मिलाते समय आप सामने वाले को उत्साही भी दिखें। यह हैंडशेक सही ढंग से होना चाहिए, यानी न तो सामने वाले का हाथ बहुत ज्यादा कसकर पकड़ना चाहिए और न ही इसे ढीला छोड़ना चाहिए। आम तौर पर हैंडशेक के दौरान हाथ को दो-तीन बार हिलाना सही माना जाता है।

ड्रेसिंग-ग्रूमिंग पर ध्यान

प्रोफेशनल ड्रेसिंग और सोशल ड्रेसिंग मौके के हिसाब से उपयुक्त होना चाहिए। अगर आप पहली बार जॉब के लिए इंटरव्यू देने जा रहे हैं, तो आपको यह फर्क समझना होगा। इंटरव्यू के लिए जाने हेतु पुरुषों के लिए डार्क कलर का ट्राउजर और लाइट कलर की फॉर्मल शर्ट ही श्रेष्ठ होती है। हल्की-फुल्की धारीदार शर्ट भी पहन सकते हैं। ऐसे मौके पर पैटर्न या डिजाइन वाले कपड़े पहनने से बचें। महिलाएं स्ट्रेट-कट कुर्ता पहन सकती हैं। चाहें, तो साड़ी भी पहन सकती हैं। मगर ध्यान रहे, इसमें ज्यादा तड़क-भड़क न हो। अगर वेस्टर्न ड्रेस पहनना चाहें, तो स्ट्रेट-कट, वेल फिटिंग ट्राउजर पहन सकती हैं। ऐसे मौकों पर एक्सेसरी व मेकअप के मामले में जितना सिंपल रहें, उतना बेहतर होता है।

रेज्यूमे में कॉपी-पेस्ट नहीं!

रेज्यूमे आपकी प्रोफेशनल लाइफ का आईना होता है। इसलिए इसको लेकर हमेशा गंभीरता बरतें। कई युवा अपना रेज्यूमे बनाते समय किसी दोस्त के रेज्यूमे को लगभग जस-का-तस कॉपी-पेस्ट कर देते हैं। यह बिल्कुल गलत है। कारण यह कि हर व्यक्ति की शख्सियत और खासियत अलग होती है और इसी प्रकार हर जॉब के लिए अलग तरह के रेज्यूमे की जरूरत होती है। अगर कोई हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में काम कर रहा है, तो उसके रेज्यूमे को कॉपी-पेस्ट करके आप आईटी सेक्टर में जॉब के लिए आवेदन नहीं कर सकते। रेज्यूमे में आपकी अपनी शख्सियत झलकनी चाहिए। इसमें आपके अनुभव, काम, हॉबी, कॉलेज के प्रोजेक्ट्स आदि का उल्लेख हो। कोशिश करें कि इसमें स्पेलिंग या ग्रामर की गलतियां बिल्कुल न हों। ऐसी गलतियों से आपके बारे में नकारात्मक इंप्रेशन बनता है। रेज्यूमे बनाने के बाद इसे किसी सीनियर या जानकार को एक बार जरूर दिखा दें ताकि उसमें कोई कमी रह जाने पर उसे दूर किया जा सके।

जॉब पाने के बाद

अगर आपको जॉब मिल जाती है, तो वर्कप्लेस पर विनम्र और मिलनसार बने रहना कई मायनों में फायदेमंद होता है। शुरूआती दिनों में कोई शिकायत या दूसरों की आलोचना करने से बचें। अपना ध्यान सिर्फ काम पर लगाएं। जो जिम्मेदारी आपको दी गई है, उसे बेहतर तरीके से निभाने की कोशिश करें। काम के प्रति प्रो-एक्टिव रवैया दिखाकर आप बॉस की नजर में अच्छा इंप्रेशन बना सकते हैं। सोशल मीडिया पर आजकल लगभग सभी सक्रिय हैं। मगर ध्यान रहे, अपनी ऑनलाइन इमेज साफ-सुथरी रखना जरूरी है क्योंकि आपके बारे में इंप्रेशन बनाने में इसका भी योगदान होता है।

बाजार के बदलते मिजाज पर रखिए नजर

कंपनियों के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा के चलते मार्केट रिसर्च बड़े उद्योग के रूप में उभर रहा है। यहां आपके लिए जॉब के कई अवसर है।

बाजार में किसी भी उत्पाद की लॉन्चिंग से पहले कंपनियों के जेहन में एक बात जरूर होती है कि लोगों को उनका उत्पाद पसंद आएगा या नहीं। लोग क्या पसंद करते हैं? उत्पाद की बिक्री कैसी रहेगी.? इन सवालों के जवाब पाने के लिए कंपनियां बाकायदा मार्केट रिसर्च कराती हैं। फिर मार्केटिंग की रणनीति बनाती हैं। ऐसा कमोबेश सभी कंपनियां करती हैं। यही वजह है कि बीते कुछ वर्षों में मार्केट रिसर्च की अहमियत बढ़ी है क्योंकि बाजार का मिजाज रोज बदल रहा है। किसी भी उत्पाद की लॉन्चिंग में कंपनियों के करोड़ों रुपए दांव पर लगे होते हैं। इसलिए कंपनियां कोई रिस्क नहीं लेना चाहतीं। किसी प्रोडक्ट या सर्विस की लॉन्चिंग/ रीलॉन्चिंग से पहले वे मार्केट सर्वे का सहारा जरूरी लेती हैं। मार्केट रिसर्च सोसायटी ऑफ इंडिया की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, देश में रिसर्च इंडस्ट्री की वर्तमान विकास दर करीब 10 प्रतिशत है। इसमें आगे और विस्तार की उम्मीद बनी हुई है क्योंकि देश में कंज्यूमर कॉन्फिडेंस लगातार बढ़ रहा है।

सर्वे का बढ़ता स्कोप मार्केट रिसर्च कंपनियों की सेवाएं निजी कंपनियों के साथ अब राजनीतिक दल भी खूब लेने लगे हैं। आम तौर पर सभी राजनीतिक पार्टियां टिकट बंटवारे से लेकर चुनावी व्यूह रचना और घोषणापत्र तक मार्केट रिसर्च के आधार पर ही तैयार करती हैं। चुनाव पूर्व सर्वे के जरिये जनता का मूड जानने की कोशिश भी की जाती है। टीवी चैनल्स और अखबारों में छपने वाले ओपिनियन पोल और एक्जिट पोल की लोकप्रियता से तो सभी वाकिफ हैं।

कैसे होती है मार्केट रिसर्च?

मार्केट रिसर्चर या एनालिस्ट का कार्य मुख्य रूप से सर्वे और रिसर्च से जुड़ा है। अपने तरीकों से ये प्रोफेशनल बाजार का मूड टटोलने की कोशिश करते हैं। दरअसल, यह भी एक मार्केटिंग रणनीति है। उत्पाद की लॉन्चिंग से पहले सर्वे कराने से यह पता चलता है कि प्रतिस्पर्धा में कौन-कौन-से उत्पाद हैं, उनकी कीमत क्या है, बिक्री क्या है? कंपनी की मार्केटिंग रणनीति क्या है? बाजार में नए उत्पान की बिक्री का स्कोप क्या है? साथ ही, कंपनियां यह भी जानना चाहती हैं कि लोग क्या पसंद करते हैं, उन्हें क्या नया पसंद आएगा आदि। इन सभी सवालों का फीडबैक जुटाने के लिए मार्केट रिसर्चर एक क्वैश्चनेयर नुमा फॉर्म तैयार करते हैं। फिर कंज्यूमर सर्वे कराते हैं। ये सर्वे कई तरह से किए जाते हैं, जैसे टेलिफोन या इंटरनेट के जरिये या फिर ग्राउंड सर्वे। बाद में रिसर्च कंपनियां क्लाइंट कंपनी के लिए एक रिपोर्ट या प्रेजेंटेशन तैयार करती हैं। मार्केट रिसर्चर के इन्हीं सुझावों के आधार पर आखिरकार कंपनियां अपने उत्पाद या सेवा की लॉन्चिंग करती हैं।

पर्सनल स्किल

मार्केट रिसर्च के क्षेत्र में काम करने के लिए आपको डाटा एनालिसिस का ज्ञान रखना बहुत जरूरी है। आपकी कम्युनिकेशन स्किल भी अच्छी होनी चाहिए। इंग्लिश पर अच्छी पकड़ भी होना जरूरी है। बेहतर सेल्समैनशिप और क्रिएटिव क्वॉलिटी भी रखनी होगी। साथ ही, अगर आप टीमवर्क की भावना और काम के प्रति लगन रखते हैं, तो बेझिझक मार्केट रिसर्च के क्षेत्र में अपना करियर बना सकते हैं।

जॉब प्रोफाइल

मार्केट रिसर्च का कार्य मुख्य तौर पर दो हिस्सों में बंटा है : फील्ड वर्क और रिसर्च वर्क। इसलिए यहां अलग अलग पृष्ठभूमि के लोगों के लिए जॉब के अवसर भी खूब हैं। रिसर्च एजेंसीज में आप वाइस प्रेसिडेंट ऑफ मार्केटिंग रिसर्च, रिसर्च डायरेक्टर, असिस्टेंट डायरेक्टर, प्रोजेक्ट मैनेजर, डाटा प्रोसेसिंग स्पेशलिस्ट, एनालिस्ट, फील्ड वर्क डायरेक्टर, फील्ड सुपरवाइजर आदि पदों पर जॉब पा सकते हैं।

कहां हैं जॉब्स?

मौजूदा समय में कई देशी-विदेशी कंपनियां आपको इस फील्ड में जॉब दे सकती हैं। बड़ी कंपनियों में आपको विदेश में भी काम करने का मौका मिल सकता है। इसके अलावा केंद्र व राज्य सरकारों के तमाम विभागों में भी मार्केट रिसर्चर की काफी मांग है। टेलीकॉम कंपनियों में भी जॉब की संभावनाएं हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म और कंसल्टेंसी का विकल्प भी खुला है। अगर चाहें, तो एंटरप्रेन्योर बनकर खुद की रिसर्च एजेंसी भी खोल सकते हैं।

शैक्षणिक योग्यताएं

मार्केट रिसर्च के क्षेत्र में काम की न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता ग्रेजुएशन है। अगर करियर बनाना चाहते हैं, तो बीबीए या मार्केटिंग में एमबीए करके यहां एंट्री लें। साइकोलॉजी, सोश्योलॉजी या एंथ्रोपोलॉजी में ग्रेजुएट भी यहां करियर बना सकते हैं। कम्प्यूटर साइंस में ग्रेजुएट के लिए भी यहां करियर स्कोप है। कई संस्थान मार्केट रिसर्च के लिए डिप्लोमा और पीजी डिप्लोमा कोर्स भी ऑफर कर रहे हैं। वहीं, फील्ड वर्क के लिए न्यूनतम योग्यता 12वीं पास है।

सैलरी कितनी?

रिसर्च कंपनियों में हर तरह के प्रोफेशनल्स को काफी आकर्षक सैलरी मिलती है। रिसर्चर या एनालिस्ट लेवल पर शुरूआत में ही 30 से 40 हजार रुपए महीना आसानी से मिल जाते हैं। अनुभव बढ़ने पर यह सैलरी 70 हजार से 1 लाख रुपए के आसपास भी पहुंच सकती है। फील्ड वर्क से जुड़े लोग भी शुरूआत में 10 से 15 हजार रुपए महीना कमा सकते हैं।

ऑनलाइन एग्जाम से डरें नहीं, अपनाएं ये टिप्स

बैंकों में नियुक्ति के लिए परीक्षाएं कराने वाली प्रमुख एजेंसियां, जैसे आईबीपीएस, एसबीआई और आरबीआई भी कम्प्यूटराइज्ड ऑनलाइन फॉर्मेट में परीक्षा लेना या तो शुरू कर चुकी हैं या ऐसा करने की तैयारी में हैं। ऑनलाइन फॉर्मेट अपनाने पर परीक्षार्थियों और अकादमिक विशेषज्ञों दोनों की ओर से मिश्रित प्रतिक्रियाएं आई हैं। इस बात में कोई शक नहीं कि कम्प्यूराइज्ड एग्जाम के कई फायदे हैं मगर कई लोगों ने इस आधार पर इसका विरोध भी किया है कि इससे कम्प्यूटर टेक्नोलॉजी तक पहुंच और उसमें सिद्धहस्तता के आधार पर विभिन्न परीक्षार्थियों में भेद किया जाता है।

जो युवा इस टेक्नोलॉजी से कम परिचित हैं, वे अन्य मामलों में योग्य होने हुए भी पिछड़ सकते हैं। कई ऐसे युवा भी हो सकते हैं, जो यूं तो कम्प्यूटर का प्रयोग खूब करते हैं लेकिन परीक्षा ऑनलाइन देने के नाम पर असहज हो जाते हैं। यदि आप भी उन लोगों में से हैं, जो ऑनलाइन बैंकिंग एग्जाम को लेकर चिंतित हैं, तो हम आपके लिए कुछ टिप्स दे रहे हैं, जिनसे आपको निश्चित ही लाभ होगा। ऑनलाइन परीक्षा की तकनीक पर चर्चा करने से पहले यह जानना भी जरूरी है कि आखिर क्यों बैंकिंग परीक्षाओं को ऑनलाइन करने का फैसला किया गया।

ऑनलाइन का है भविष्य

जो भी हो, ऑनलाइन परीक्षाओं के लाभ इसकी हानियों से ज्यादा हैं और भविष्य तो कम्प्यूटराइज्ड परीक्षाओं का ही है। आगे चलकर तमाम परीक्षाएं इसी फॉर्मेट में होने वाली हैं, इसमें कोई संदेह नहीं। अभी तक पेपर-पेन वाली परीक्षाएं देते आए परीक्षार्थियों को शुरू-शुरू में ऑनलाइन परीक्षा थोड़ी असहज लग सकती है लेकिन यह कोई हिमालय लांघने जैसा काम भी नहीं है। वैसे भी, सभी बैंकिंग प्रोफेशनल्स से यह अपेक्षा तो की ही जाती है कि उन्हें कम्प्यूटर का बेसिक ज्ञान हो। तो फिर परीक्षा भी कम्प्यूटर पर ही देने में हिचक कैसी?

परीक्षा के माहौल से परिचित हों

कम्प्यूटराइज्ड बैंक परीक्षाओं की आलोचना का एक आधार यह रहा है कि परीक्षार्थी प्रश्नों के उत्तर देने में सहज नहीं हो पाते और समय पर पेपर पूरा नहीं कर पाते। इस समस्या का समाधान खुद परीक्षार्थी के पास ही है। जो युवा बैंकिंग एग्जाम देने का इरादा रखते हैं, वे परीक्षा के इस नए माहौल से खुद को अभ्यस्त करना शुरू कर दें। इससे आप एग्जाम फॉर्मेट, स्टाइल और प्रश्नों की शैली से परिचित हो जाएंगे।

टेक्नोलॉजी का लाभ उठाएं

टेक्नोलॉजी हमेशा से भविष्य का रास्ता बताती आई है। ऑनलाइन बैंक पीओ एग्जाम भी इससे अलग नहीं है। टेक्नोलॉजी से समय और मेहनत की बचत होती है, यह तो सब जानते हैं। सो आप भी इस बात पर फोकस करें कि आप टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल अपने फायदे के लिए कैसे कर सकते हैं और कैसे कम समय व कम मेहनत के साथ पेपर हल कर सकते हैं।

अपनी ताकत और कमजोरी पहचानें

एक बार आप ऑनलाइन परीक्षा की टेक्नोलॉजी और फॉर्मेट से परिचित हो जाएं, तो आप अपनी ताकत और कमजोरी को पहचान सकते हैं। फिर आप अपनी कमजोरियों को दूर करने पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। मसलन, हो सकता है कि आप कम्प्यूटर पर मैथ्स के प्रश्न तो आसानी से हल कर लें लेकिन स्क्रीन पर इंग्लिश लैंग्वेज के प्रश्न पढ़ने और उनके उत्तर देने में आपको दिक्कत हो रही हो। ऐसे में आप मैथ्स के मुकाबले इंग्लिश की तैयारी पर अधिक ध्यान दे सकते हैं।

ऑनलाइन मॉक टेस्ट

कम्प्यूटराइज्ड आरबीआई बैंक एग्जाम्स के आने के बाद से कई कोचिंग सेंटर्स तथा टेस्ट प्रेप वेबसाइट्स ऑनलाइन मॉक टेस्ट कराती हैं। ये मॉक टेस्ट बैंकिंग एग्जाम के सिलेबस, फॉर्मेट तथा प्रश्नों की शैली को अच्छी तरह समझने के बाद तैयार की जाती हैं। इसलिए इन्हें हल करने पर आप वास्तविक परीक्षा के अनुभव से अवगत हो सकते हैं। इससे नियत समय में पूरा पेपर हल करने में भी आपको मदद मिलेगी।

शॉर्टकट और ट्रिक्स

बैंकिंग एग्जाम में बैठने वाले परीक्षार्थी मैथ्स और क्वॉन्टिटेटिव एबिलिटी के प्रश्न हल करने के लिए कई तरह के शॉर्टकट तथा ट्रिक्स का इस्तेमाल करते आए हैं। ऑनलाइन कम्प्यूटराइज्ड टेस्ट में भी आप ऐसा कर सकते हैं। सच तो यह है कि ऑनलाइन टेस्ट दे चुके कई परीक्षार्थियों का कहना है कि उन्हें इस फॉर्मेट में पहले से कहीं ज्यादा शॉर्टकट और ट्रिक्स हाथ लगी हैं! आप भी इन शॉर्टकट्स और ट्रिक्स को जानें और इन्हें आजमाएं।

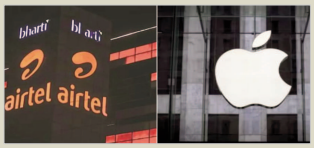

एयरटेल ने किया समझौता, ग्राहक एप्पल वीडियो, म्यूजिक कंटेंट का ले सकेंगे आनंद

नई दिल्ली। एयरटेल के ग्राहकों के अच्छी खबर है। एयरटेल के ग्राहक इस साल के आखिर में वीडियो स्ट्रीमिंग मंच एक्सस्ट्रीम और विंक म्यूजिक ऐप से एप्पल टीवी प्लस और एप्पल म्यूजिक कंटेंट का मजा उठा सकेंगे। दूरसंचार कंपनी ने मंगलवार को कहा कि एयरटेल और एप्पल ने एक समझौता किया है। इस समझौते के मद्देनजर एयरटेल एक्सस्ट्रीम के ग्राहक एप्पल टीवी प्लस पर हॉलीवुड और अवार्ड समारोह का लुत्फ उठा सकेंगे। यह सुविधा प्रीमियम एयरटेल वाईफाई और पोस्टपेड प्लान के साथ मिलेगी। इसी तरह विंक प्रीमियम के उपयोगकर्ताओं को एप्पल म्यूजिक का लाभ भी मिलेगा। भारती एयरटेल के मुख्य विपणन अधिकारी और कार्यकारी उपाध्यक्ष ने कहा कि एप्पल और एयरटेल भागीदार हैं, जो ग्राहक अनुभव में उत्कृष्टता लाने की कोशिश करते हैं। एप्पल के साथ यह समझौता हमारे ग्राहकों को बहुत ज्यादा मूल्य प्रदान करेगा। अब उनके पास वैश्विक स्तर की उच्च क्वालिटी की सामग्री और मनोरंजन करने के साधन उपलब्ध होंगे।

वेदांता कर्ज घटाने और ग्रोथ बढ़ाने बना रहा 30,000 करोड़ की विशेष योजना

मुंबई । वेदांता लिमिटेड ने अपना कर्ज घटाने और ग्रोथ को बढ़ाने के लिए पात्र संस्थागत निवेशक (क्यूआईपी), ओएफएस और लाभांश के जरिए करीब 30,000 करोड़ रुपए का एक कोष तैयार कर रहा है। एक विश्लेषक ने कहा कि वेदांता इस धनराशि का उपयोग अपने बही-खाते को तेजी से सुधारने, पूंजी संरचना में सुधार करने और अपनी परिवर्तनकारी परियोजनाओं के विकास के लिए कर सकती है। इससे उसके निकट-अवधि के 10 अरब डॉलर के ऋ बिडेटा लक्ष्य को पाने का रास्ता तैयार होगा और विस्तार अवसरों का लाभ उठाया जा सकेगा। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में वेदांता का लाभ सालाना आधार पर 54 प्रतिशत बढ़ा जबकि तिमाही आधार पर यह दोगुने से अधिक 5,095 करोड़ रुपए हो गया। वेदांता ने लॉजीगढ़ में अब तक का सबसे अधिक एल्युमिना उत्पादन दर्ज किया और जिंक इंडिया इकाई में धातु उत्पाद का खनन किया। इसने संरचनात्मक परिवर्तनों और अन्य पहल के कारण उत्पादन की कुल लागत को 20 प्रतिशत कम कर दिया। जून,2024 तक खनन क्षेत्र की इस प्रमुख कंपनी का कर्ज 6,130 करोड़ रुपए था। फरवरी और जून के बीच गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर के निजी नियोजन और प्रवर्तक हिस्सेदारी बिक्री से प्राप्त आय भी निकट अवधि में समूह-स्तर पर कर्ज में कमी लाने में योगदान देगी।

कोठारी इंडस्ट्रियल ने बनाई विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से विस्तार की योजना

चेन्नई । कोठारी इंडस्ट्रियल कॉरपोरेशन लिमिटेड ने विभिन्न क्षेत्रों में तेजी के साथ अपना कारोबार बढ़ाने योजना बनाई है। नए प्रवर्तक के साथ तैयार विविधीकृत समूह के एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी। कंपनी आने वाले वर्षों में फुटवियर, उर्वरक, खाद्य, ड्रोन प्रौद्योगिकी, सिंथेटिक वस्त्र, सौर ऊर्जा पर ज्यादा ध्यान देगी। कंपनी के एक वरिष्ठ अ धिकारी ने कहा कि इन पहलों से बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर पैदा होंगे। उन्होंने कहा कि वर्ष 2000 में शेयर बाजार से हटने के बाद कंपनी हाल ही में फिर से सूचीबद्ध हुई है। कोठारी का पुराना गौरव निश्चित रूप से वापस आएगा। कंपनी कतर में उर्वरक कारखाना लगाने की योजना बना रही है। उन्होंने कहा कि कतर में उर्वरक कारखाना लगाने की कुल परियोजना लागत करीब 7,000 करोड़ रुपये होने का अनुमान है। उर्वरक उद्योग के अलावा उनकी कंपनी तमिलनाडु में गैर-चमड़े के जूते बनाने के लिए दो कारखाने लगाएगी, जिसके लिए बातचीत चल रही है।

मेडि असिस्ट हेल्थकेयर के शेयरों ने लगाई छलांग, आठ महीने में सबसे ज्यादा तेजी

नई दिल्ली।

मंगलवार को कारोबार में मेडि असिस्ट हेल्थकेयर के शेयरों में 14फीसदी की तेजी आई। हेल्थ-टेक और इंश्योरेंस-टेक कंपनी का शेयर 639 प्रति शेयर के उच्च स्तर पर पहुंच गया, जो पिछले आठ महीनों में सबसे बड़ी वृद्धि है। बीमा कंपनियों को तीसरे पक्ष की प्रशासनिक सेवाएं (टीपीए) देने वाली कंपनी मेडि असिस्ट हेल्थकेयर सर्विसेज ने कहा कि वह 400 करोड़ रुपए से ज्यादा मूल्य के सौदे में पैरामाउंट हेल्थ सर्विसेज एंड इंश्योरेंस टीपीए का पूर्ण अधिग्रहण चाहती है।

मेडिअसिस्ट हेल्थकेयर सर्विसेज के पूर्ण-स्वामित्व वाली अनुषंगी मेडिअसिस्ट इंश्योरेंस टीपीए ने मुंबई स्थित पैरामाउंट हेल्थ सर्विसेज एंड इंश्योरेंस टीपीए का अधिग्रहण करने के लिए फेयरफैक्स एशिया और नयन शाह एंड फैमिली के साथ एमओयू किया है। इस अधिग्रहण सौदे का कुल मूल्य 311.8 करोड़ रुपए है, जिसमें करीब 110 करोड़ रुपए नकद दिए जाएंगे। यह अधिग्रहण भारत के सबसे बड़े टीपीए सौदों में से एक है, जिसे बीमा नियामक इरडा से मंजूरी लेना जरुरी होगा।

मेडिअसिस्ट ने कहा पैरामाउंट टीपीए का अधिग्रहण के बाद उसकी बाजार में हिस्सेदारी समूह खंड में 36.6फीसदी और पूरे स्वास्थ्य बीमा उद्योग में 23.6फीसदी हो जाएगी। पैरामाउंट टीपीए वर्तमान में 30 बीमा कंपनियों और तीन हजार से ज्यादा समूह ग्राहकों और खुदरा पॉलिसीधारकों के साथ काम करता है। वित्त वर्ष 2024 के आंकड़ों बताते हैं कि पैरामाउंट कुल राजस्व के आधार पर चौथी सबसे बड़ी टीपीए है और समूह प्रीमियम के मामले में भारत में दूसरी सबसे बड़ी कंपनी है। कंपनी समूह खंड में 34 अरब और खुदरा खंड में 4.5 अरब के प्रीमियम का प्रबंधन करती है। इसके अलावा, पैरामाउंट महाराष्ट्र सरकार की महात्मा ज्योतिबा फुले जन आरोग्य योजना समेत कई सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं के लाभों का प्रशासन भी करती है। कंपनी के मुताबिक 2024 में, पैरामाउंट ने समूह खंड में 6.3फीसदी का बाजार हिस्सा और कुल स्वास्थ्य बीमा उद्योग में प्रीमियम के आधार पर चार फीसदी का हिस्सा हासिल किया है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को रुपये चार पैसे की गिरावट के साथ ही 83.91 पर बंद हुआ है। गत दिवस रुपया 83.87 पर बंद हुआ था। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और घरेलू शेयर बाजारों में नरम रुख की वजह से आज शुरुआती कारोबार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले आठ पैसे गिरकर 83.95 पर आ गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.91 पर खुला और फिर गिरकर 83.95 पर आ गया, जो पिछले बंद भाव से आठ पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया सोमवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले तीन पैसे बढ़कर 83.87 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.04 फीसदी बढ़कर 100.89 अंक पर पहुंच गया।

सरकारी नीतियों की निरंतरता से उद्योग को मिलेगी उच्च वृद्धि

- मारुति सुजुकी इंडिया के चेयरमैन भार्गव ने की सरकार की तारीफ

नई दिल्ली।

मारुति सुजुकी इंडिया के चेयरमैन आर सी भार्गव ने कहा कि भारत ने आर्थिक वृद्धि और लोकतांत्रिक राजनीतिक व्यवस्था के बीच विरोधाभास को गलत साबित कर दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार और नीतियों की निरंतरता से उद्योग को लगातार उच्च वृद्धि पर यकीन है। भार्गव ने कंपनी की वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों से कहा कि भारत की लोकतांत्रिक प्रक्रियाएं इसे एक सतत और समतापूर्ण समाज की ओर ले जाएंगी। उद्योग और सरकार 2047 तक भारत को एक विकसित देश बनाने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए मिलकर काम कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ सालों में लोगों को यह कहते सुना है कि तेज आर्थिक वृद्धि और लोकतांत्रिक राजनीतिक व्यवस्था के बीच कोई मेल नहीं हैं। भार्गव ने कहा कि आज हम दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था हैं और हमारे पीएम मोदी सबसे सम्मानित वैश्विक नेताओं में से एक हैं। उन्होंने कहा कि समय-समय पर दुनिया ने देखा है कि हम लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के प्रति कितने प्रतिबद्ध हैं। हाल ही संपन्न हुए लोकसभा चुनावों का जिक्र करते हुए भार्गव ने कहा कि इस चुनाव ने फिर दिखा दिया कि करोड़ों लोग शांतिपूर्ण तरीके से वोटिंग कर सकते हैं और उस प्रक्रिया के परिणामों को स्वीकार कर सकते हैं। भार्गव ने माना कि समान और तीव्र आर्थिक वृद्धि और विकास के लिए नीतियों और रणनीतियों को स्थिर होने में कुछ समय लगा है। उन्होंने आगे कहा लेकिन हमने शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के जरिए सही रास्ता खोज लिया है। यह दुनिया के कई हिस्सों और हमारे पड़ोस में जो हमने देखा है, उसके बिल्कुल अलग है।

शेयर बाजार सपाट पर बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को हल्की बढ़त पर बंद हुआ। दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही निवेशकों की बेरुखी से बाजार में सपाट कारोबार हुआ। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स केवल 13.65 अंक करीब 0.02 फीसदी बढ़कर 81,711.76 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी मात्र 7.15 अंक तकरीबन 0.03 फीसदी बढ़कर 25,017.75 पर बंद हुआ।

आज वित्तीय क्षेत्रों के शेयरों में उछाल रहा। निफ्टी वित्तीय में आज 0.82 की बढ़त और निफ्टी बैंक में 0.26 की बढ़ोतरी आई। इससे उर्जा और उपभोक्ता क्षेत्रों के शेयरों में गिरावट रही। वहीं व्यापक सूचकांकों की बात करें तो निफ्टी स्मॉलकैप 1.05 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। मीडिया और वित्तीय सेवा प्रदाता कंपनियां 4.10 फीसदी तक की तेजी के साथ सभी सेक्टोरल इंडेक्स में शीर्ष पर रहीं, जबकि एफएमसीजी, धातु, वाहन और उपभोक्ता उत्पाद निचले स्तर पर बंद हुए।

आज निफ्टी के 31 शेयर गिरावट पर बंद हुए। इसमें टाइटन, हिंदुस्तान यूनिलीवर, जेएसडब्लयू स्टील, कोल इंडिया और ग्रासिम जैसे कंपनियां रहीं। वहीं सेंसेक्स के 19 शेयर नुकसान पर बंद हुए। इसमें हिंदुस्तान यूनिलीवर, जेएसडब्लयू स्टील और टाइटन कंपनी के शेयर 2.01 फिसदी तक गिरे।

वहीं सबसे अधिक लाभ वाले शेयरों की बात करें तो निफ्टी में बजाज फिनसर्व, एसबीआई लाइफ, मारुति सुजुकी, एचडीएफएल लाइफ और लॉर्सन एंड टुब्रो (एलएंड), बजाज फाइनेंस और इंफोसिसके शेयर ऊपर आये। आईसीआईसीआई

बैंक , सनफार्मा, एक्सिस बैंक, भारती एयरटेल और नेस्ले इंडिया रहीं। शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स .07 प्रतिशत की गिरावट के साथ 81,640.15 पर कारोबार करता दिखा, जबकि निफ्टी 50, 25,024 के स्तर खुला। दुनिया भर के बाजारों की बात करें तोएसएंडपी 500 इंडेक्स 0.32 फीसदी गिरकर 5,616.84 अंकों पर बंद हुआ। नैस्डैक 0.85 फीसदी गिरकर 17,725.77 अंकों पर बंद हुआ, जबकि डाउ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 0.16 फीसदी बढ़कर 41,240.52 अंकों पर पहुंच गया। जापान का निक्केई 225 सूचकांक 0.35 फीसदी की गिरावट पर था, जबकि व्यापक टॉपिक्स सूचकांक स्थिर रहा। दक्षिण कोरिया का कोस्पी सूचकांक 0.42 फीसदी गिरा, जबकि छोटे कैप का कोस्डाक सूचकांक 1.14 फीसदी की बड़ी गिरावट दर्ज की गई।

दूरसंचार कंपनियों की तरह नियमों का पालन करें सभी संचार सेवा प्रदाता: सीओएआई

मुंबई ।

उद्योग निकाय सेल्युलर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीओएआई) ने कहा कि देश की सुरक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण है और इस संबंध में ओटीटी-आधारित संचार सेवाओं सहित सभी संचार सेवा प्रदाताओं को देश के अपेक्षित निर्देशों का पालन करना चाहिए, जैसा कि दूरसंचार सेवा प्रदाता करते हैं। उम्मीद है कि व्हाट्सएप, गूगल मीट और टेलीग्राम जैसे इंटरनेट कॉलिंग और मैसेजिंग ऐप नियमों का बाकी सभी सेवा प्रदाताओं की ही तरह पालन करेंगे। सीओएआई ने कहा कि ओवर-द-टॉप (ओटीटी) संचार ऐप को दूरसंचार अधिनियम, 2023 से बाहर करने की मांग करना भ्रामक है क्योंकि विभिन्न गैर-क्षेत्रीय नियमों के दूरसंचार कंपनियों पर भी लागू होने से वे अन्य नियमों के दायरे में आते हैं। सीओएआई के सदस्यों में रिलायंस जियो, भारती एयरटेल और वोडाफोन आइडिया शामिल हैं। सीओएआई के एक वे रिष्ठ अ धिकारी ने कहा कि दूरसंचार कंपनियों ने वैध इंटरसेप्शन (कॉल को सुनने की कानूनी मंजूरी) और निगरानी के लिए बुनियादी ढांचे की स्थापना में भारी निवेश किया है। इसके बावजूद अनियमित अनुपयोग-आधारित संचार सेवाएं इस तंत्र को पूरी तरह से दरकिनार कर देती हैं, जो देश की सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा है। मामला दूरसंचार अधिनियम, 2023 के तहत स्पष्ट रूप से कवर की गई संचार सेवाओं की नियामकीय निगरानी से संबंधित है। यह उजागर करना महत्वपूर्ण है कि टीएसपी, जो दूरसंचार

अधिनियम द्वारा शासित हैं, संसद द्वारा निर्धारित उपरोक्त सभी कानूनों द्वारा विनियमित हैं। दूरसंचार कंपनियां मांग कर रही हैं कि सरकार को कॉलिंग और मैसेजिंग ऐप पर समान नियम लागू करके समान हालात पैदा करने चाहिए क्योंकि यह उन पर लागू है।

भारतीय मूल के केवन पारेख होंगे एप्पल के नए सीएफओ

नई दिल्ली। अमेरिका की प्रमुख टेक कंपनी एप्पल ने भारतीय मूल के इंजीनियर केवन पारेख को अपना नया चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर (सीएफओ) नियुक्त किया है। वह लुका मैस्त्री की जगह लेंगे जिन्हें कंपनी ने कॉर्पोरेट सर्विस टीम में भेज दिया है। मार्केट कैप के लिहाज से दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी का पिछले एक सप्ताह में दूसरा बड़ा फेरबदल है। केवन पारेख अभी ऐपल में फाइनेंशियल प्लानिंग एंड एनालिसिस के वाइस-प्रेजिडेंट हैं। वह 1 जनवरी, 2025 से सीएफओ का पदभार संभालेंगे। पारेख पिछले 11 वर्षों से एप्पल से जुड़े हैं और उन्होंने कंपनी की फाइनेंशियल स्ट्रैटजी और ऑपरेशंस में अहम भूमिका निभाई है। 52 साल के केवन पारेख की इस सफलता का राज उनकी मजबूत तकनीकी और बिजनेस एजुकेशन है। उन्होंने मिशिगन विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में साइंस ग्रेजुएट की डिग्री प्राप्त करने के बाद शिकागो विश्वविद्यालय से एमबीए किया। एप्पल में शामिल होने से पहले पारेख ने थॉमसन रॉयटर्स और जनरल मोटर्स में काम करते थे। उन्होंने चार साल तक रॉयटर्स किया। इसके बाद वह जनरल मोटर्स के न्यूयॉर्क ऑफिस में बिजनस डेवलपमेंट के डायरेक्टर रहे। साथ ही उन्होंने ज्यूरिख में यूरोप के रीजनल ट्रेजर के रूप में भी काम किया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक केवन पारेख को पिछले कई महीनों से सीएफओ की भूमिका के लिए तैयार किया जा रहा था।

विमानन क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा कम होने से हवाई किराए में आई तेजी

विमानों की संख्या कम होने से इंडिगो और एयरइंडिया का हवाई बाजार पर नियंत्रण बढ़ा

मुंबई ।

पिछले कुछ सालों में विमानन क्षेत्र में हवाई यात्रा की मांग में तो बढ़ोतरी देखी जा रही है, लेकिन प्रतिस्पर्धा कम होने से हवाई किराया भी तेजी के साथ बढ़ा है। 2019 में 55.2 फीसदी हवाई मार्ग ऐसे थे, जहां सिर्फ एक ही कंपनी की उड़ानें संचालित हो रही थीं लेकिन अप्रैल 2024 तक यह आंकड़ा बढ़कर 69.2 फीसदी हो गया। यानी कि इस साल अप्रैल तक केवल 30.8 फीसदी मार्गों पर ही दो या दो से अधिक विमानन कंपनियों के बीच प्रतिस्पर्धा थी। विमानन कंपनियों ने प्रतिस्पर्धा घटने के साथ किराया भी बढ़ाया है खासकर कोविड-19 महामारी के बाद। दिल्ली-मुंबई मार्ग पर जहां 2019 से 2023 के बीच औसत हवाई किराया 20.5 फीसदी गिरा था, वहीं पिछले साल इसमें 34.6 फीसदी की वृद्धि हुई। इसी तरह दिल्ली-बेंगलूरु मार्ग के इकॉनमी क्लास का औसत किराया एक साल में 53.1 फीसदी बढ़ गया। इस बदलाव का एक कारण 2019 में जेट एयरवेज और 2023 में गोफर्स्ट का दिवालिया होना है। इसके अलावा स्पाइसजेट भी अपने विमानों की संख्या कम कर रही है।` जिसकी वजह से इंडिगो और एयरइंडिया समूह का हवाई बाजार पर नियंत्रण बढ़ गया है, जो जुलाई 2024 तक घरेलू

हवाई यात्रा बाजार का 90 फीसदी हिस्सा नियंत्रित कर रहे थे। कई मार्गों पर कम प्रतिस्पर्धा होने के कारण विमानन कंपनियां अब किरायों को बढ़ाने पर ध्यान दे रही हैं।

जानकारी के अनुसार 2019 में इंडिगो के लिए 491 घरेलू मार्गों में से 33.4 फीसदी पर कोई प्रतिस्पर्धा नहीं थी लेकिन अप्रैल 2024 में 838 घरेलू मार्गों में से 61.2 फीसदी पर कोई प्रतिस्पर्धा नहीं थी। विमानन विशेषज्ञ कहते हैं कि भारत में हवाई कनेक्टिविटी तेजी से बढ़ी है, लेकिन इसके साथ ही एकाधिकार वाले मार्ग भी बढ़ गए हैं। इंडिगो के एक अे धिकारी का मानना है कि भारत में दो से अधिक विमानन कंपनियां होनी चाहिए ताकि प्रतिस्पर्धा बढ़े और यात्रियों को बेहतर सेवाएं मिल सकें।

जॉन एनर्जी के कर्ज की बिक्री करने आईसीआईसीआई बैंक ने आमंत्रित की बोली

नई दिल्ली ।

आईसीआईसीआई बैंक ने गुजरात की जॉन एनर्जी का फंसा कर्ज बेचने के लिए संपत्ति पुनर्गठन कंपनियों (एआरसी), बैंकों, गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों व अन्य से रुचि पत्र (ईओआई) आमंत्रित किया है। निजी क्षेत्र के कर्जदाता की बाह्य वाणिज्यिक उधारी (ईसीबी) ऋण के लिए 30 जून तक बकाया मूलधन 2.77 करोड़ डॉलर है। इसके साथ ही बैंक का रुपये में सावधि ऋण बकाया 6.05 करोड़ रुपये है। बैंक ने एक कारोबारी अखबार में दिए गए विज्ञापन में कहा है कि आईसीआईसीआई बैंक से फंसे हुए कर्ज को खरीदने की इच्छुक इकाइयां 28 अगस्त तक रुचिपत्र दाखिल कर सकती हैं। रुचि पत्र दाखिल करने के बाद उन्हें नॉन डिस्क्लोजर एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर करना होगा।

उसके बाद उन्हें संपत्ति की जांच-पड़ताल संबंधी औपचारिकताएं पूरी करने के लिए 2 सप्ताह का वक्त मिलेगा। जॉन एनर्जी पर इस समय कई मुकदमे चल रहे हैं, जिसे आईसीआईसीआई बैंक व अन्य कर्जदाताओं ने राष्ट्रीय कंपनी कानून अपीली पंचाट (एनसीएलएटी) में दाखिल किए हैं। इसके पहले मार्च में एनसीएलएटी ने कंपनी को आईसीआईसीआई बैंक और ऐक्सिस बैंक के साथ हुए एक बार के समाधान की शर्तों के मुताबिक 12 फीसदी ब्याज के साथ 254 करोड़ रुपये जमा करने का आदेश दिया था और राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) के अहमदाबाद पीठ को ऐक्सिस बैंक द्वारा कंपनी के खिलाफ दायर दिवाला आवेदन पर फैसला करने का निर्देश दिया था। हालांकि, एनसीएलटी की अहमदाबाद शाखा के 16 मई के आदेश में ऐक्सिस बैंक द्वारा जॉन एनर्जी के खिलाफ दिए गए दिवाला आवेदन को खारिज कर दिया गया था। जॉन एनर्जी अन्य कार्यों के अलावा ऑनशोर ड्रिलिंग, नैचुरल गैस कंप्रेशन आदि का काम करती है।

दुनिया की सबसे महंगी कार है रोल्स-रॉयस कंपनी की

कार का पूरा नाम है रोल्स-रॉयस लारोज नोयर ड्राप्टैल

नई दिल्ली ।

क्या आपको पता है कि दुनिया की सबसे महंगी कार कौन सी है? यह कार लग्जरी कार निर्माता कंपनी रोल्स-रॉयस की है। इस कार का पूरा नाम रोल्स-रॉयस लारोज नोयर ड्राप्टैल है। इस कार की कीमत इतनी है कि देश के दो टॉप अमीर मुकेश अंबानी और गौतम अडानी की सालाना सैलरी भी काफी कम पड़ जाएगी।

फोर्ब्स के मुताबिक इस कार की कीमत करीब 250 करोड़ रुपये है। वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन मुकेश अंबानी कोरोना तक 15 करोड़ रुपये सालाना सैलरी ले रहे थे। कोरोना के समय से उन्होंने सैलरी के तौर पर एक रुपया भी नहीं लिया है। वहीं अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी की वित्त वर्ष 2023-24 में सालाना सैलरी 9 करोड़ रुपये रही है। अगर मान लें कि अंबानी अभी भी अपनी सालाना सैलरी 15 करोड़ रुपये ले रहे होते तो अंबानी और अडानी दोनों की कुल सालाना सैलरी 23 करोड़ रुपये होती। ऐसे में भी कार की कीमत दोनों की कुल सैलरी से 10 गुने से ज्यादा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मुकेश अंबानी के पास फेरारी, मर्सिडीज बेंज, रोल्स-रॉयस, बीएमडब्ल्यू आदि की कारें मौजूद हैं। मुकेश अंबानी जिस कार की सवारी करना पसंद करते हैं, उसका नाम मर्सडीज-मेबाच बेंज एस660 गार्ड है। यह कार एडिशनल प्रोटेक्शन के साथ आती है। इस कार पर गोलियों का असर नहीं होता। इसकी कीमत करीब 11 करोड़ रुपये है। कुछ समय पहले ही मुकेश अंबानी की पत्नी नीता अंबानी ने रोल्स-रॉयस की पैंथम कार खरीदी थी। इसकी कीमत 12 करोड़ रुपये बताई गई है।

अडानी भी कारों के काफी शौकीन हैं। उनके पास दुनिया की महंगी और ब्रांडेड कारों का कलेक्शन है। इसमें बीएमडब्ल्यू सीरीज से लेकर मर्सिडीज, फेरारी और लिमोजिन जैसी गाड़ियां शामिल हैं। गौतम अडानी की पसंदीदा कारों में रोल्स रॉयस घोष्ट भी शामिल हैं। यह कार काफी प्रीमियम और लग्जरी है। इसे करीब 7 करोड़ रुपये में खरीदा गया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस कार के अलावा उनके पासबीएमडब्ल्यू7-सीरीज, ऑडी क्यू7, फेरारी केलीफोर्निया आदि कारें भी हैं। मालूम हो कि इन दिनों कार बनाने बनाने वाली कंपनियां एक से एक महंगी कार लॉन्च कर रही हैं। इनकी कीमत 2, 4 या 5, 6 करोड़ रुपये तक होती है।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने इन्फ्रा बॉन्ड से जुटाए 5,000 करोड़

नई दिल्ली ।

बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) ने 7.30 प्रतिशत कूपन दर पर 10 साल के इन्फ्रास्ट्रक्चर बॉन्डों के माध्यम से 5,000 करोड़ रुपये जुटाए हैं। इस मामले से जुड़े सूत्रों ने यह जानकारी दी। क्रिसिल द्वारा एएए रेटिंग वाले बीओबी की बॉन्ड पेशकश का बेस इश्यू साइज 2,000 करोड़ रुपये है और इसमें 3,000 करोड़ रुपये का ग्रीन शू ऑप्शन है। इस निर्गम को निवेशकों ने पूरी तरह सबस्क्राइब कर लिया है। एक सरकारी बैंक के डीलर ने कहा कि 10 साल की सरकार की प्रतिभूतियों का यील्ड कम हुआ है। इसकी वजह से बीओबी का कट-ऑफ रेट, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) से कम है। इस इश्यूएंस की मजबूत मांग थी, जो इस तरह के साधन के लिए सामान्य बात है, क्योंकि पीएफ फंड दीर्घावधि बॉन्डों में निवेश को प्राथमिकता देते हैं। उन्होंने कहा कि आगे के इन्फ्रास्ट्रक्चर बॉन्ड निर्गमों के लिए कट ऑफ रेट सरकारी बैंकों के

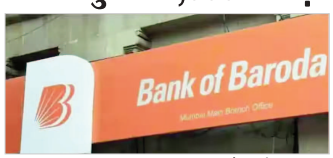

मामले में 7.30 प्रतिशत से 7.35 प्रतिशत और निजी बैंकों के मामले में 7.35 प्रतिशत से 7.40 प्रतिशत रहने की संभावना है। बैंक के हिसाब से इन्फ्रास्ट्रक्चर बॉन्डों के माध्यम से जुटाया गया धन आकर्षक है, क्योंकि इसमें वैधानिक तरलता अनुपात (एसएलआर) और नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) जैसी रिजर्व की नियामक जरूरतों से छूट होती है।

मेरा अंत दूर नहीं... केएल राहुल ने संन्यास को लेकर दिया बड़ा बयान

नई दिल्ली(एजेंसी)। टीम इंडिया के विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल ने अपने संन्यास को लेकर खुलकर बात की। राहुल ने माना है कि वो हमेशा से क्रिकेटर बनना चाहते थे। लेकिन जब वो 30 साल के हुए हैं, उन्हें चिंता होने लगी कि उनके पास पेशेवर खिलाड़ी के रूप में खेलने के लिए अब ज्यादा समय नहीं बचा है। राहुल पिछले कुछ सालों से भारत की वनडे और टेस्ट टीम का अहम हिस्सा रहे हैं और उन्होंने अपनी बल्लेबाजी से टीम को कई मैच जिताने में मदद की है। उन्होंने लाल और सफेद गेंद दोनों में सलामी और मध्यक्रम के बल्लेबाज के रूप में अच्छा प्रदर्शन कर अपनी बहुमुखी प्रतिभा दिखाई है। हालांकि, अब उन्हें अपना रिटायरमेंट करीब दिख रहा है।

हाल ही में, केएल राहुल ने पॉडकास्ट में रिटायरमेंट के बारे में अपने विचार शेयर किए और कहा कि वह इसे लेकर असुरक्षित नहीं हैं, लेकिन उन्हें लगता है कि उनका करियर बहुत जल्दी खत्म होने वाला है। स्टार बल्लेबाज ने जोर देकर कहा कि एक फिट खिलाड़ी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 40 साल तक खेल सकता है और इसे आईपीएल में कुछ साल तक और बढ़ा सकता है।

राहुल ने आगे कहा कि, कोई असुरक्षा नहीं है लेकिन एक भावना है कि ये सब खत्म हो जाता है। मेरे लिए ये बहुत जल्दी खत्म हो सकता है। अगर आप पर्याप्त रूप से फिट हैं, तो आप 40 साल तक खेल सकते हैं। ये अधिकतम है जो किसी ने खेला है। हां एमएस धोनी हैं, जो 43 साल के हैं और अभी भी खेल रहे हैं। आप आईपीएल और वह सब खेल सकते हैं, लेकिन अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बहुत लंबे समय तक नहीं।

बिग बैश टीम एडिलेड स्ट्राइकर्स ने मंधाना को शामिल किया

एडिलेड (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की अनुभवी खिलाड़ी स्मृति मंधाना अब ऑस्ट्रेलियाई घरेलू क्रिकेट लीग (बिग बैश) में एडिलेड स्ट्राइकर्स की ओर से खेलती नजर आयेंगी। बिग बैश टीम स्ट्राइकर्स ने मंधाना को प्री-ड्राफ्ट में शामिल किये जाने की घोषणा की है। मंधाना को प्री ड्राफ्ट साइनिंग के तहत स्ट्राइकर्स ने शामिल किया है। इससे पहले इस भारतीय बल्लेबाज ने ब्रिस्बेन हीट, होबार्ट हरिकेंस और सिडनी थंडर की ओर से खेला था। साल 2021 में सिडनी थंडर की ओर से खेलते हुए उन्होंने मेलबर्न रेनेगेड्स के खिलाफ 64 गेंदों पर नाबाद 114 रन बनाये थे। ये इस टूर्नामेंट के इतिहास में संयुक्त तौर पर दूसरा सबसे अधिक स्कोर है।

मंधाना ने कहा, मैं हमेशा ऑस्ट्रेलिया में खेलने का इंतजार करती रही हूं। स्ट्राइकर्स की ओर से भी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहूंगी। स्ट्राइकर्स की टीम काफी समय से मंधाना को शामिल करना चाहती थी पर पिछले सत्र में मंधाना ने काम का बोझ बढ़ने के कारण इस लीग के लिए अपने नाम नहीं दिया था। टीम की कोच ल्यूक विलियम्स ने कहा, मंधाना एक असाधारण प्रतिभा हैं और हम स्ट्राइकर्स में उनका स्वागत करते हैं। उनकी तकनीकी क्षमता, अनुभव और रणनीति हमारे लिए काफी महत्वपूर्ण रहेगा। टीम के लिए मैदान पर वह जैसा समर्पण और ऊर्जा लाती है, उसे में जानती हूं। उनकी योग्यता और नेतृत्व क्षमता अगले सीजन में हमारे लिए काफी काम आएगी।

भारत ने महिला टी20 विश्व कप के लिए टीम की घोषणा की, इन खिलाड़ियों को मिली जगह

मुंबई (एजेंसी)। हरमनप्रीत कौर यूएई में होने वाले आगामी आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2024 के लिए भारत की स्टार खिलाड़ियों से सजी टीम की अगुआई करेंगी। दाएं हाथ की बल्लेबाज को उप-कप्तान स्मृति मंधाना सहायता करेंगी जो शैफाली वर्मा के साथ ओपनिंग करेंगी।

दयालन हेमलता टीम में शीर्ष क्रम का एक और विकल्प हैं। उनके अलावा जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा और ऋचा घोष मजबूत बल्लेबाजी क्रम को मजबूती देंगी। ऋचा यास्तिका भाटिया के साथ टीम में नामित विकेटकीपर हैं, जिनका चयन श्रेयंका पाटिल के साथ फिटनेस के आधार पर होगा। दोनों खिलाड़ी पिछले कुछ महीनों से चोटों से जूझ रही हैं। भारत के पास यूएई में होने वाले इस आयोजन के लिए तीन रिजर्व खिलाड़ी भी होंगे जिसमें उमा छेत्री (विकेट कीपर), तनुजा कंवर, साइमा ठाकोर शामिल हैं।

गेंदबाजी विकल्पों में रेणुका सिंह, पूजा वस्त्राकर, दीप्ति शर्मा, राधा यादव, आशा शोभना और सजना सजीवन शामिल हैं। भारत के पास हरमनप्रीत, सजना, शोभना और दीप्ति के रूप में अच्छे-खासे ऑलराउंडर मौजूद हैं। टूर्नामेंट का नौवां संस्करण अब संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के दुबई और शारजाह में 3 से 20 अक्टूबर तक खेला जाएगा। भारत ग्रुप ए में ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और श्रीलंका के साथ है।

महिला टी20 विश्व कप 2024 के लिए भारतीय टीम

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शैफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष (विकेटकीपर), यास्तिका भाटिया* (विकेटकीपर), पूजा वस्त्राकर, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह, दयालन हेमलता, आशा शोभना, राधा यादव, श्रेयंका पाटिल*, सजना सजीवन

ट्रैवलिंग रिजर्व: उमा छेत्री (विकेटकीपर), तनुजा कंवेर, साइमा ठाकोर

गैर-यात्रा रिजर्व: राघवी बिष्ट, प्रिया मिश्रा

महिला टी20 विश्व कप 2024: भारत-पाकिस्तान सहित इन 5 मैचों पर रहेगी सबकी नजर

दुबई (एजेंसी)। भारतीय टीम 3 अक्टूबर से शुरू होने वाले आईसीसी महिला टी20 विश्व कप के दौरान एक्शन में होगी जिसका पहला मैच 4 अक्टूबर से दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ होगा। आईसीसी के अनुसार टूर्नामेंट 19 दिनों तक चलेगा जिसमें 10 टीमें महिला टी20 क्रिकेट के सबसे प्रतिष्ठित खिताब के लिए 23 मैचों में भिड़ेंगी। टूर्नामेंट से पहले कुछ प्रमुख मैचों पर नजर डाल लेते हैं जिसमें भारत-पाकिस्तान मैच भी शामिल है।

भारत बनाम पाकिस्तान, 6 अक्टूबर (दुबई)

चिर-प्रतिद्वंद्वी भारत और पाकिस्तान महिला टी20 विश्व कप 2024 में पहले सप्ताहांत में धमाल मचाने के लिए तैयार हैं, जिसमें उनका बहुप्रतीक्षित मुकाबला रविवार को होने वाला है। भारत ने महिला टी20आई में पाकिस्तान के खिलाफ आमने-सामने के रिकॉर्ड पर अपना दबदबा बनाया है। पिछले टूर्नामेंट में पाकिस्तान ने 150 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए उन्हें काफी परेशान किया था, जहां जेमिमा रोड्रिग्स की नाबाद अर्धशतकीय पारी ने अंततः भारत को एक ओवर शेष रहते जीत दिलाई थी। दिलचस्प बात यह है कि भारत ने आखिरी बार महिला टी20आई में पाकिस्तान से 2022 में बांग्लादेश में एशिया कप के दौरान हारा था। यह एक उत्सुकता से प्रतीक्षित प्रतियोगिता होगी क्योंकि एक बहुत ही बेहतर पाकिस्तानी इकाई विश्व मंच पर सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वियों को हराने का लक्ष्य रखती है।

इंग्लैंड बनाम दक्षिण अफ्रीका, 7 अक्टूबर (शारजाह)

आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2023 के सेमीफाइनल में एक रोमांचक मुकाबला इस प्रारूप में इन दोनों टीमों का आखिरी बार सामना होगा।

प्रोटियाज ने 165 रनों का बचाव करते हुए इंग्लैंड को छह रनों से हराया और अपने पहले विश्व कप फाइनल में पहुंच गए। 2024 में शारजाह में होने वाले इवेंट में जब ये टीमें आमने-सामने होंगी तब कई स्टार खिलाड़ी सक्रिय रहेंगे। कुल मिलाकर दक्षिण अफ्रीका ने 24 महिला टी20आई में इंग्लैंड को केवल 4 बार हराया है और हीथर नाइट की टीम प्रतियोगिता की शुरुआत में बड़ी जीत हासिल करने की उम्मीद करेगी।

ऑस्ट्रेलिया बनाम न्यूजीलैंड, 8 अक्टूबर (शारजाह)

न्यूजीलैंड की तुलना में किसी भी टीम ने महिला टी20आई में ऑस्ट्रेलिया को अधिक बार नहीं हराया है जिन्होंने छह बार की टी20 विश्व कप चैंपियन के खिलाफ इस प्रारूप में 21 जीत दर्ज की हैं। जब वे विश्व मंच पर फिर से मिलेंगे, तो सभी की निगाहें न्यूजीलैंड की मजबूत बल्लेबाजी लाइन-अप पर होंगी और क्या वे ऑस्ट्रेलियाई टीम को कड़ी टक्कर दे सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने पिछले पांच पूर्ण महिला टी20आई में से दो मैच गंवाए हैं। इन टीमों के बीच पिछली भिड़ंत 2023 महिला टी20 विश्व कप में हुई थी, जिसमें ऑस्ट्रेलिया ने उन्हें 97 रनों से हरा दिया था जिसमें एशले गार्डनर ने पांच विकेट लेकर न्यूजीलैंड को 76 रनों पर आउट कर दिया था।

भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया, 13 अक्टूबर (शारजाह)

महिला क्रिकेट में एक ताकत के रूप में भारत के तेजी से उभरने के कारण 2020 के बाद से दो प्रमुख महिला आयोजनों के फाइनल में उनका सामना ऑस्ट्रेलिया से हुआ है, 2020 में ढूष्ष्ट महिला टी20 विश्व कप फाइनल और 2022 में बर्मिंघम में होने वाले राष्ट्रमंडल खेल शामिल है। ऑस्ट्रेलिया ने दोनों मौकों पर जीत हासिल की, लेकिन भारत ने हाल ही में शक्तिशाली ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने मुकाबलों में अपने पल बिताए हैं। राष्ट्रमंडल खेलों के फाइनल में वे ऑस्ट्रेलिया को हराने के काफी करीब पहुंच गए थे। वे अंततः नौ रनों के मामूली अंतर से हार गए। महिला टी20 विश्व कप के अंतिम दौर के खेलों में जब ये जानी-पहचानी प्रतिद्वंद्वी एक-दूसरे के खिलाफ उतरेंगी तो दोनों टीमें उम्मीद करेंगी कि उनका सेमीफाइनल स्थान सुरक्षित रहे। अगर ऐसा नहीं होता है तो उनके लिए यह मैच बहुत मुश्किल होगा क्योंकि यह एक रोमांचक मुकाबला होने वाला है।

इंग्लैंड बनाम वेस्टइंडीज, 15 अक्टूबर (दुबई)

वेस्टइंडीज ने दक्षिण अफ्रीका में टूर्नामेंट के पिछले संस्करण के खत्म होने के बाद से महिला टी20आई में एक मजबूत छाप छोड़ी है। इस अवधि में 14 महिला टी20आई में वेस्टइंडीज ने 10 गेम जीते हैं, जिसमें से आधे से अधिक मुकाबलों में अविश्वसनीय हेले मैथ्यूज प्लेयर ऑफ द मैच रही हैं। टूर्नामेंट के अपने अंतिम ग्रुप गेम में उनका सामना एक मजबूत इंग्लिश टीम से होगा। उन्हें हराना कोई आसान काम नहीं है, लेकिन अगर मैथ्यूज और कंपनी एक मजबूत स्कोर बना पाती है, तो उनके पास 2018 के बाद से पहली बार महिला टी20आई में इस इंग्लैंड टीम को हराने का मौका है।

जब एक ही मैच में दो गेंदबाजों को मिले 6-6 विकेट

मुम्बई ।एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कई अजीब रिकार्ड भी बनने रहे हैं। अब तक केवल एक बार ऐसा हुआ है जब दोनो ही टीमों के एक-एक गेंदबाज ने पारी में 6-6 विकेट लिए हैं। साल 2017 में अफगानिस्?तान और आयरलैंड के बीच ग्रेटर नोएडा में हुए एकदिवसीय मैच में ये रिकार्ड बना था और गेंदबाज थे पॉल स्?टर्लिंग ओर राशिद खान। इस मैच में आयरलैंड की ओर से स्?टर्लिंग और अफगानिस्?तान की ओर से राशिद ने 6-6 विकेट लिए थे। तब दोनों ही टीमों ने पारियों में 300 से अधिक रन बनाये थे। वहीं एक बल्लेबाज ने शतक लगाया था जबकि एक अन्य शतक के करीब आकर भी उसे पूरा नहीं कर पाया था।इस मैच में अफगानिस्?तान को 34 रनों से जीत मिली थी।तब इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्?तान टीम ने 338 रन बनाए थे। असगर ने 101 रन बनये थे। वहीं आयरलैंड की ओर से गेंदबाजी करते हुए पॉल स्?टर्लिंग ने 10 ओवर्स में 55 रन देकर 6 विकेट लिए थे। स्टर्लिंग इस मैच के बाद अभी भी इतने विकेट नहीं ले पाये।इस मैच में तक आयरलैंड ने लक्ष्य का पीछा करते हुए बेहतरीन बल्लेबाजी की थी। स्?टर्लिंग ने गेंदबाजी के बाद बल्लेबाजी में भी शानदार प्रदर्शन करते हुए 80 गेंदों पर 9 चौकों व 5 छक्?कों की मदद से 95 रन की पारी खेली थी। स्?टर्लिंग के आउट होने के बाद हालांकि आयरिश टीम ढ़ह गयी थी। अफगानी गेंदबाजों ने पूरी टीम को 47.3 ओवर्स में 304 रन तक समेट दिया था। तक स्पिर राशिद खान ने 43 रन देकर 6 विकेट लिए थे।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड पहुंचा एआई की शरण में, पीसीबी चीफ ने कहा- नहीं हटा सकते कोई खिलाड़ी..

पाकिस्तान क्रिकेट टीम इन दिनों अपने प्रदर्शन के कारण काफी चर्चाओं में है। मौजूदा पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच चल रही दो मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले में पाकिस्तान करारी हार झेलनी पड़ी है। जिसके तहत अब पाकिस्तान टीम की हालात सुधारने के लिए पीसीबी ने आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की शरण ली है। बांग्लादेश से पाकिस्तान की ऐतिहासिक टेस्ट हार के बाद पीसीबी चेयरमैन मोहसिन नकवी ने चैंपियंस कप के लिए सलाहकारों की शुरुआत की। उन्हें विश्वास है कि इससे राष्ट्रीय टीम के लिए तैयार प्रतिभाओं का विकास होगा। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन मोहसिन नकवी ने पाकिस्तान के क्रिकेट ढांचे में गहराई की कमी पर चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा कि मौजूदा प्रणाली में खराब प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों के लिए कोई काम करने योग्य रिप्लेसमेंट नहीं है। मोहसिन नकवी ने इस बात पर जोर दिया कि चयन समिति के पास मजबूत खिलाड़ी पूल की कमी है। उन्होंने मौजूदा स्थिति की तुलना सर्जरी के लिए सही उपकरणों की आवश्यकता से की है। उन्होंने कहा कि, समस्या ये है कि सेलेक्शन कमेटी के पास खिलाड़ियों का चयन कनरे के लिए कोई पूल नहीं है। मैंने सर्जरी की बात इसलिए की है क्योंकि हमें अपनी समस्याओं को ठीक करने की आवश्यकता है। लेकिन जब हम देखते हैं कि उन्हें कैसे हल किया जाए, तो हमारे पास कोई ठोस डेटा या खिलाड़ी पूल नहीं है, जिससे हम मदद ले सकें। मोहसिन नकवी ने कहा है कि, ये 150 खिलाड़ी जो चुने गए हैं, उनमें से 80 प्रतिशत एआई द्वारा किए गए हैं और 20 प्रतिशत इंसानों का इस्तेमाल करके किए गए हैं। कोई भी इसे चुनौती नहीं दे सकता।

सिराज, मलिक, जडेजा दलीप ट्रॉफी के पहले दौर से बाहर, बीसीसीआई ने रिप्लेसमेंट की घोषणा की

मुंबई (एजेंसी)। भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और उमरान मलिक के साथ-साथ ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा 2024-25 दलीप ट्रॉफी के पहले दौर से बाहर हो गए हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने मंगलवार को कहा कि सिराज और मलिक दोनों ही बीमार हैं और दलीप ट्रॉफी के मुकाबलों के लिए उनके समय पर फिट होने की उम्मीद नहीं है।

तेज गेंदबाज नवदीप सैनी टीम बी टीम में सिराज की जगह लेंगे, जबकि गौरव यादव टीम सी टीम में मलिक की जगह लेंगे। जडेजा को भी टीम बी टीम से रिलीज कर दिया गया है लेकिन उनके प्रतिस्थापन की घोषणा नहीं की गई है। बीसीसीआई की एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि नीतीश कुमार रेड्डी की भागीदारी फिटनेस पर निर्भर करेगी क्योंकि वह स्पोर्ट्स हर्निया सर्जरी से उबर रहे हैं।

यह टूर्नामेंट 5 सितंबर को आंध्र प्रदेश के अनंतपुर और बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में शुरू होगा। मूल रूप से छह क्षेत्रों उत्तर, दक्षिण, पूर्व, पश्चिम, मध्य और उत्तर-पूर्व का प्रतिनिधित्व करने वाली टीमों के साथ एक क्षेत्रीय प्रतियोगिता, दलीप ट्रॉफी में इस बार केवल चार टीमें भाग लेंगी। चूंकि दूसरा दौर 19 सितंबर से बांग्लादेश के खिलाफ शुरू होने वाली घरेलू टेस्ट सीरीज़ के साथ मेल खाता है, इसलिए टेस्ट सीरीज के लिए चुने गए खिलाड़ियों को दुलीप ट्रॉफी में बदल दिया जाएगा।

शुभमन गिल भारत ए की कप्तानी करेंगे, अभिमन्यु ईश्वरन भारत बी की कप्तानी करेंगे जबकि रुतुराज गायकवाड़ और श्रेयस अय्यर क्रमशः भारत सी और भारत डी के कप्तान की भूमिका निभाएंगे।

टूर्नामेंट के पहले दौर के लिए चार टीमों की संशोधित टीमें इस प्रकार हैं

भारत ए: शुभमन गिल (कप्तान), मयंक अग्रवाल, रियान पराग, ध्रुव जुरेल (विकेट कीपर), केएल राहुल, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, तनुश कोटियन, कुलदीप यादव, आकाश दीप, प्रसिद्ध कृष्णा, खलील अहमद, आवेश खान, विद्वाथ कवरप्पा, कुमार कुशाग्र, शाश्वत रावत।

भारत बी : अभिमन्यु ईश्वरन (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, सरफराज खान, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), मुशीर खान, नितीश कुमार रेड्डी*, वाशिंगटन सुंदर, नवदीप सैनी, यश दयाल, मुकेश कुमार, राहुल चाहर, आर साई किशोर, मोहित अवस्थी, एन जगदीसन (विकेटकीपर)।

भारत सी : रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), साई सुदर्शन, रजत पाटीदार, अभिषेक पोरेल (विकेटकीपर), सूर्यकुमार यादव, बी इंद्रजीत, रितिक शौकीन, मानव सुथार, गौरव यादव, विशाक विजयकुमार, अंशुल खंबोज, हिमांशु चौहान, मयंक मारकंडे, आर्यन जुयाल (विकेटकीपर), संदीप वारियर।

भारत डी: श्रेयस लायर (कप्तान), अथर्व तायदे, यश दुबे, देवदत्त पडिक्कल, इशान किशन (विकेटकीपर), रिकी भुई, सारांश जैन, अक्षर पटेल, अर्शदीप सिंह, आदित्य ठाकरे, हर्षित राणा, तुषार देशपांडे, आकाश सेनगुप्ता, केएस भरत (विकेटकीपर), सौरभ कुमार।

सलमेनिया में अंडरटेकर से लड़ने वाले साइको सिड का निधन, कैंसर से हारे जंग

खेल डैस्क ।डब्ल्यू.डब्ल्यू.ई. में साइको सिड के नाम से मशहूर सिड सुडी का 63 साल की उम्र में निधन हो गया है।कुश्ती आइकन पिछले कई वर्षों से कैंसर से जूझ रहे थे।उनके बेटे ने एक ऑनलाइन पोस्ट में यह खबर शेयर की है।गुन्नार यूडी ने ने लिखा- प्रिय मित्रों और परिवार। मुझे यह बताते हुए बहुत दुख हो रहा है कि मेरे पिता सिड यूडी का कई वर्षों तक कैंसर से जूझने के बाद निधन हो गया है। वह ताकत, दयालुता और प्यार का आदमी था, और उसकी उपस्थिति बहुत याद आएगी। हम आपके विचारों और प्रार्थनाओं की सराहना करते हैं क्योंकि हम इस नुकसान पर शोक मना रहे हैं। स्मारक सेवा का विवरण जल्द ही साझा किया जाएगा। आपके समर्थन के लिए धन्यवाद। यूडी का रेसलिंग करियर 90 के दशक में डब्ल्यूसीडब्ल्यू से शुरू हुआ था। बाद में उन्होंने डब्ल्यू.डब्ल्यू.ई. जिसे डब्ल्यू.डब्ल्यू.एफ. के नाम से भी जाना है, में कदम रखा। यहां वह अपने शानदार साइको सिड चरित्र के कारण मशहूर हुए। यूडी ने अपने करियर के दौरान डब्ल्यूसीडब्ल्यू और डब्ल्यू.डब्ल्यू.ई. में दो-दो बेल्ट के साथ छह विश्व चैंपियनशिप जीतीं। उनके अन्य दो खिताब यूएसडब्ल्यूए यूनिफाइड वर्ल्ड हैवीवेट चैम्पियनशिप में आए। रेसलमेनिया में उन्होंने पहली बार 1992 में हल्क होगन तो 1997 में द अंडरटेकर का सामना किया।2001 में पैर की चोट के कारण वह कुश्ती से दूर हो गए। अभी कुछ साल पहले ही उन्हें कैंसर का पता चला। दुनिया भर के कुश्ती प्रशंसकों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।एक ने लिखा- उसने दुनिया पर राज किया, आरआईपी बिग मैन, सर्वश्रेष्ठ में से एक। एक अन्य ने कहा- आरआईपी, यह देखकर बहुत निराश हूं, मेरा बचपन उसे टेकर के साथ युद्ध करते हुए देख रहा था। पहलवान मार्क मेरो ने कहा कि यह सुनकर बहुत दुख हुआ कि दोस्त और कुश्ती सुपरस्टार सिड यूडी (सिड विसियस और सिड जस्टिस) का 63 साल की उम्र में कैंसर से निधन हो गया है। जब मैं डब्ल्यूसीडब्ल्यू के लिए प्रयास कर रहा था तो वह उन पहले पहलवानों में से एक था जिनसे मैंने कुश्ती लड़ी थी।

नोवाक जोकोविच और कोको गॉफ आसान जीत के साथ अमेरिकी ओपन के दूसरे दौर में

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। मौजूदा चैंपियन नोवाक जोकोविच और कोको गॉफ ने सीधे सेटों में जीत दर्ज करके अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में खिताब का बचाव करने के अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। दूसरी वरीयता प्राप्त जोकोविच ने पहले दौर के मैच में मोल्दोवा के क्वालीफायर राडू अल्बोट को 6-2, 6-2, 6-4 से हराया। उन्होंने अमेरिकी ओपन में 89वां मैच जीत कर रोजर फेडरर के रिकॉर्ड की बराबरी की। जोकोविच रिकॉर्ड 25वें ग्रैंड स्लैम खिताब की कवायद में हैं।

जोकोविच का अगला मुकाबला सर्बिया के उनके हमवतन लास्लो जेरे से होगा जिन्होंने जान लेनार्ड स्ट्रफ पर 6-7 (7), 6-1, 6-7 (7), 6-4, 6-2 से जीत हासिल की। एक साल पहले जोकोविच अमेरिकी ओपन के तीसरे दौर में जेरे से पहले दो सेट हार गए थे लेकिन इसके बाद उन्होंने वापसी करके पांच सेट में यह मुकाबला जीता था।

गॉफ ने सोमवार को यहां पहले दौर के मैच में वरवरा ग्रेचेवा को 6-2, 6-0 से पराजित किया। गॉफ हाल में खराब फॉर्म से जूझ रही थी लेकिन यहां उन्होंने शुरू से लेकर आखिर तक दबदबा बनाए रखा। उन्होंने मैच के बाद कहा, ‘पिछले कुछ सप्ताह मुश्किल भरे थे। मैं अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध थी लेकिन मुझे अपने अलावा किसी के सामने कुछ साबित नहीं करना है।’

अमेरिका के एक अन्य खिलाड़ी और पिछले साल सेमीफाइनल में पहुंचने वाले 13वीं वरीयता प्राप्त बेन शेल्टन ने 2020 के चैंपियन डोमिनिक थिएम को 6-4, 6-2, 6-2 से हराया। थिएम का यह अमेरिकी ओपन में आखिरी मैच था क्योंकि वह पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि इस सत्र के बाद वह संन्यास ले लेंगे। अमेरिकी ओपन में 2017 की चैंपियन स्लोएन स्टीफंस ने क्लारा ब्यूरेल के खिलाफ शुरुआती नौ गेम जीते लेकिन इसके बाद उनकी लय गड़बड़ा गई और उन्हें 0-6, 7-5, 7-5 से हार का सामना करना पड़ा।

महिला वर्ग में जिन अन्य वरीयता प्राप्त खिलाड़ियों ने अगले दौर में जगह बनाई उनमें इस महीने की शुरुआत में पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाली सातवीं वरीयता प्राप्त झेंग क्विनवेन, ओलंपिक की रजत पदक विजेता और यहां 24वीं वरीयता प्राप्त डोना वेकिच, 12वीं वरीयता प्राप्त डारिया कसाटकिना और 14वीं वरीयता प्राप्त मैडिसन कीज़ शामिल है। नौवीं वरीयता प्राप्त मारिया सककारी दाहिने कंधे में चोट के कारण एक सेट के बाद मैच से हट गई।

पुरुष वर्ग में जिस वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को पहले दौर में हार का सामना करना पड़ा वह 15वें वरीय होल्गर रूण थे, जिन्हें अमेरिका के ब्रैंडन नकाशिमा ने 6-2, 6-1, 6-4 से हराया। पुरुष वर्ग में आगे बढ़ने वाले खिलाड़ियों में चौथी वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव, छठी वरीयता प्राप्त एंड्री रुबलेव, आठवें वरीय कैस्पर रूड, नौवें वरीय और 2022 के उपविजेता ग्रिगोर दिमित्रोव तथा 12वीं वरीयता प्राप्त टेलर फ्रिट्ज शामिल है।

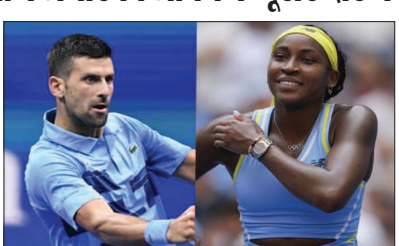

अब घरेलू प्रतियोगिताओं में भी मैच और टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को मिलेगा पुरस्कार : जय शाह

मुम्बई । अब घरेलू स्तर पर होने वाले सभी महिला और जूनियर क्रिकेट प्रतियोगिताओं में पुरस्कार राशि दी जाएगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि अब घरेलू मैचों में भी मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी और टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार दिया जाएगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव जय शाह ने ये घोषणा की है। उन्होंने कहा कि पुरुष घरेलू क्रिकेट में विजय हजारे और सैयद मुश्ताक अली प्रतियोगिता में ‘ प्लेयर ऑफ द मैच के लिए इनामी राशि दी जाएगी। शाह ने कहा कि हम अपने घरेलू क्रिकेट कार्यक्रम के तहत सभी महिला और जूनियर क्रिकेट टूर्नामेंट में प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट के लिए पुरस्कार राशि की शुरुआत करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसके अतिरिक्त सीनियर पुरुषों के लिए विजय हजारे और सैयद मुश्ताक अली टूर्नामेंट में प्लेयर ऑफ द मैच के लिए भी पुरस्कार राशि दी जाएगी। इसका लक्ष्य उद्देश्य घरेलू सर्किट में अच्छे प्रदर्शन को मान्यता देने के साथ ही सम्मान देना है।

साउथ जोन उधना के अधिकारीयों की धेखरेख में फल-फूल रहें हैं अवैध बांधकाम?

महादेव नगर , प्लॉट नं. 212/15

सेटींग होते ही बिल्डिंग को वैधता का सर्टिफिकेट दे दिया जाता है, यह विकास का मॉडल है या भ्रष्टाचार का?

सुरत भुमि, सूरत। साउथ जोन उधना के अधिकारियों द्वारा अवैध निर्माण को इस तरह बढ़ावा दिया जा रहा है की बिल्डर बेखौफ होकर मार्जिंग सी.ओ.पी. और कॉमन प्लॉटों में धड़ल्ले से अवैध निर्माण कर रहा है। बार-बार शिकायत करने पर भी अधिकारि कुंभकरण की नींद में सोए हो ऐसा प्रतीत हो रहा है, अब यह देखना है कि आशा पूरी सोसाइटी ग्वालक रोड पांडेसरा पुलिस कॉलोनी में और जुनी बमरोली के पुलिस कॉलोनी तेरे नाम चौकड़ी के शांतिवन नगर प्लांट 312/13/14 में और महादेव नगर में चल रहे अवैध बांधकाम पर कार्रवाई अधिकारियों द्वारा कब की जाती है? आखिर एक गरीब का मकान बनता है तो अधिकारी तुरंत उस निर्माण को तोड़ने के लिए पहुंच जाते हैं, क्योंकि वह निर्माण करने वाला पूंजीपति नहीं होता है गरीब होता है।

आशापूरी सोसायटी

शांतिवन नगर , बमरोली

29 अगस्त से 09 सितंबर तक महुवा तालुक के गांवों में आदिम जुथ के लाभार्थियों को योजना सहायता प्रदान की जाएगी

सूरत।

पीएम-जनमन (प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान) अभियान के तहत पीएम-जनमन चरण-2 के प्रचार-प्रसार और जनजागरूकता और योजना का लाभ दिलाने के लिए केंद्रीय जनजातीय मंत्रालय द्वारा 23 अगस्त से 10 सितंबर-2024 तक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे. फिर, इस अभियान के तहत, सूरत जिले के आदिमजुथ के परिवारों को बुनियादी और बुनियादी सुविधाओं सहित कल्याणकारी योजनाओं के तहत कवर करने के लिए महुवा तालुक के 14 गांवों में पीएम जनमन शिविर आयोजित किया जाएगा। जिसमें आदिम जूठ के लाभुकों को जाति प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, राशन कार्ड, पी.एम. उज्ज्वला योजना, पीएम किसान सम्मान निधि योजना, आयुष्मान भारत कार्ड, सुकन्या समृद्धि योजना, पीएम मातृवंदना योजना जैसी विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाया जा सकता है।

महुवा तालुका में 23 से 27 अगस्त तक पीएम जनमन के तहत 11 योजनाओं के लाभ से वंचित लाभार्थियों का सर्वेक्षण किया जाएगा, फिर 28 अगस्त को एकत्रित आवेदनों और साक्ष्यों का सत्यापन और वर्गीकरण किया जाएगा।

29 से 31 अगस्त तक करचेलिया, बरटाड, जेरवावारा गांव में शिविर लगेगा. डी.टी. 30 से 31 अगस्त तक भगवानपुरा एवं गोपला गांव में, 02 से 03 सितम्बर तक रणत में, 02 से 04 सितम्बर तक उमरा, भावल, वालवाड़ा में, 03 से 05 सितम्बर तक महुवरिया एवं पुणे में, 04 से 06 सितम्बर तक शिविर लगेगा। मियापुर जूथ, शेखपुर और ओंडाच में आयोजित किया जाएगा। 05 से 07 सितंबर तक सांबा, कांकरिया, कुमकोटर गांवों में शिविर लगेगा. शिविर 06, 07 और 09 सितंबर को अनावल, तरकानी, गंगाडिया, कछल, कडिया और वांसकुई में आयोजित किए जाएंगे।

क्या है पीएम जनमन योजना?

देश एवं राज्य के आदिम समूहों के विकास के लिए "पीएम जनमन-पीवीटीजी विकास मिशन" के तहत प्रधानमंत्री द्वारा 15 अगस्त-2023 से च्पीएम जनमनज अभियान के तहत सभी परिवारों को एक साथ लाने का प्रयास किया गया है। देश में रहने वाले आदिम समूहों को सरकार की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित कर विकास की मुख्य धारा में लाना। जिसमें पाकु घर का निर्माण, सड़क कनेक्शन, स्वास्थ्य केंद्र, छात्रावास, बिजली और नल कनेक्शन, आंगनवाड़ी, वन विकास केंद्र, बहुउद्देश्यीय केंद्र, सौर स्ट्रीट लाइट, मोबाइल टावर, कौशल प्रशिक्षण केंद्र जैसी 11 चीजें शामिल की गई हैं। साथ ही आधार कार्ड, गरीब कल्याण अन्न, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान कार्ड, किसान सम्मान निधि, किसान क्रेडिट कार्ड, पीएम-जनधन योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, मातृ वंदना, सिकल सेल मिशन के तहत लाभ दिया जा रहा है।

द रेडियंट इंटरनेशनल स्कूल की यश्वी कावा को राष्ट्रीय ताइक्वांडो चैंपियनशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई

सूरत। 17 अगस्त से 20 अगस्त तक डिविजनल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, औरंगाबाद में आयोजित 41वीं राष्ट्रीय जूनियर क्योरुगी ताइक्वांडो चैंपियनशिप में यश्वी कावा ने कांस्य पदक जीतकर और तीसरा स्थान हासिल कर सभी को गौरवान्वित किया है।स्कूल ट्रस्टी श्री , कैंपस निदेशक श्री, प्रिंसिपल श्री, शारीरिक शिक्षा शिक्षक और उनके कोच श्री को विशेष धन्यवाद, जिन्होंने यश्वी को दिए गए अभूतपूर्व समर्थन और मार्गदर्शन के कारण इस गौरवपूर्ण क्षण को संभव बनाया है। यह सब उनकी कड़ी मेहनत और प्रतिबद्धता का परिणाम है! यश्वी इसी तरह चमकती रहें और भविष्य में भी कई शानदार उपलब्धियां हासिल करें।

सुरत भुमि, सूरत। सूरत शहर कांग्रेस समिति द्वारा डिप्टी डायरेक्टर सूरत एयरपोर्ट अथॉरिटी को आवेदन देकर जानकारी दी गई की एयरपोर्ट परिसर अथॉरिटी के अंदर ऑटो रिक्शा प्रवेश बेन हैं, जिसको लेकर मंगलवार को सूरत शहर कांग्रेस के आगेवानों द्वारा एयरपोर्ट अथॉरिटी को आवेदन दिया गया

मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने प्रतिष्ठित 'इंडिया गोल्ड कॉन्फ्रेंस रिस्पॉन्सिबल ज्वेलरी हाउस अवॉर्ड' जीता

मुंबई। दुनिया के सबसे बड़े आभूषण समूहों (ज्वेलरी ग्रुप) में से एक मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स को 2023-24 के प्रतिष्ठित इंडिया गोल्ड कॉन्फ्रेंस (आईजीसी) रिस्पॉन्सिबल ज्वेलरी हाउस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है. भारतीय आभूषण क्षेत्र के सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कारों में शामिल यह अवॉर्ड मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स को इथिकल सोर्सिंग (नैतिक तरीके से सोर्स करने) और सस्टेनिबिलिटी के प्रति उसकी अटूट प्रतिबद्धता के लिए दिया गया है। यह पुरस्कार वैध स्रोतों से जिम्मेदारीपूर्वक खनन किए गए सोने एवं हीरे की खरीद को लेकर मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स की प्रतिबद्धता को पुष्ट भी करता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि हर गहना शुद्धता और पूरी प्रमाणिकता के साथ तैयार किया गया हो. बेंगलुरु के हिल्टन मान्यता बिजनेस पार्क में आयोजित एक कार्यक्रम में मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स की ओर से मैनेजिंग डायरेक्टर (इंडिया ऑपरेशन्स) ओ. अशेर ने गोल्ड पॉलिसी सेंटर के चेयरपर्सन डॉक्टर सुंदरवल्ली नारायणस्वामी से यह पुरस्कार प्राप्त किया. इस कार्यक्रम में मलाबार गोल्ड एलएलसी के हेड ऑफ बिजनेस डेवलपमेंट सीतारामन वरदराजन, मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स में हेड ऑफ बुलियन दिलीप नारायणन, फिनमेट पीटीई लिमिटेड के निदेशक सुनील कश्यप; रैंड रिफाइनरी के सीईओ प्रवीण बैजनाथ और मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स के कर्नाटक क्षेत्र के प्रमुख फिल्सर बाबू ने भी हिस्सा लिया।

मलाबार ग्रुप के चेयरमैन एम. पी. अहमद ने अवॉर्ड मिलने पर आभार जताते हुए मलाबार गोल्ड द्वारा अपनाए जाने वाले नैतिक तरीकों को लेकर कंपनी की प्रतिबद्धता दोहराई. उन्होंने कहा, "आईजीसी से रिस्पॉसिबल ज्वेलरी हाउस अवॉर्ड प्राप्त करने पर हम काफी अधिक सम्मानित महसूस कर रहे हैं. सोने और हीरे बहुमूल्य तोहफे होते हैं, जिनका आदान-प्रदान शादी या जन्मदिन जैसे खुशी के मौके पर किया जाता है. हम यह सुनिश्चित करने को लेकर प्रतिबद्ध हैं कि इन बहुमूल्य धातुओं की सोर्सिंग वैध स्थानों से पूरी तरह से नैतिक तरीकों से किया जाए और इसमें किसी तरह का शोषण ना हो. केवल तभी ही ये उपहार पवित्रता, शुद्धता और अपनी चमक को प्रतिबिंबित कर सकते हैं, जिनके ये प्रतीक होते हैं. हम सोने के खनन से लेकर ग्राहकों तक अंतिम उत्पाद पहुंचने तक इस प्रतिबद्धता को पूरी तरह बनाए रखते हैं."

मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स के मैनेजिंग डायरेक्टर (इंडिया ऑपरेशन्स) ओ. अशेर ने अपने परिचालन वाले हर देश में वैधानिक और कर से जुड़े नियमन के अनुपालन को रेखांकित किया. ओ. अशेर ने कहा, "हम यह सुनिश्चित करते हैं कि जिन गोल्ड बार को हम खरीदते और बेचते हैं, उन्हें जिम्मेदारीपूर्वक सोर्स किया जाए और वे पूरी तरह वैधानिक हों. हम लंदन बुलियन मार्केट एसोसिएशन (एलबीएमए) क्वालिटी-सर्टिफाइड लंदन गुड डिलीवरी बार्स (एलजीडीबी), दुबई गुड डिलीवरी बार्स (डीजीडीबी) और एचयूआईडी हॉलमार्क वाले भारतीय गुड डिलीवरी बार्स का इस्तेमाल करते हैं. मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने दुनियाभर में खुद को एक विश्वसनीय ज्वेलरी ब्रांड के रूप में पहले ही स्थापित कर लिया है।"

मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स 13 देशों में 355 स्टोर का परिचालन करती है. कंपनी में 26 देशों की राष्ट्रीयता वाले करीब 21 हजार लोग काम करते हैं. दुनिया के 100 से अधिक देशों में 1.5 करोड़ से भी ज्यादा संतुष्ट ग्राहकों के साथ कंपनी अपने सभी स्टोर में विश्वस्तरीय सुविधाएं प्रदान करती है. अपनी 'वन इंडिया वन गोल्ड रेट' पहल के जरिए मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स पूरे देश में सोने की एकसमान कीमत सुनिश्चित करती है।

सैमसंग ने भारतीय उपभोक्ताओं के लिए 10 बड़ी क्षमता वाली विशेष AI वॉशिंग मशीनें लॉन्च कीं

बेंगलुरु। भारत के सबसे बड़े उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने आज 10 बड़े आकार की फ्रंट लोड वॉशिंग मशीनों की एक नई रेंज लॉन्च की। एआई-संचालित लाइन-अप भारतीय उपभोक्ताओं के लिए कपड़े धोने की देखभाल में एक नए युग का वादा करता है, जिससे बुद्धिमान एआई सुविधाओं के साथ कपड़े धोना आसान हो जाता है।

नई, बड़ी वॉशिंग मशीनें आदर्श 12 किलोग्राम आकार में आती हैं, जो भारतीय उपभोक्ताओं को एक ही बार में बड़े सामान धोने की सुविधा देती हैं, जिससे वे कंबल, पर्दे और साड़ी जैसी बड़ी वस्तुओं के लिए आदर्श बन जाती हैं। सैमसंग इंडिया की 12 किलोग्राम एआई वॉशिंग मशीन की नई रेंज रु। 52,990 से शुरू. नई आधुनिक वॉशिंग मशीनें फ्लैट ग्लास दरवाजे और एआई वॉश, एआई ऊर्जा मोड, एआई नियंत्रण और एआई इकोबबल जैसी आधुनिक एआई सुविधाओं के साथ विशेष डिजाइन में आती हैं।

च्भारतीय उपभोक्ता नए जमाने के डिजिटल उपकरणों को पसंद करते हैं जो ऊर्जा और समय की बचत करते हुए न्यूनतम प्रयास के साथ श्रेणी-अग्रणी सफाई प्रदर्शन प्रदान करते हैं। हमारी नई 12 किलोग्राम एआई-पावर्ड वाशिंग मशीन ग्राहकों को एक ही बार में बड़े कपड़े धोने की सुविधा देती है, जिसके लिए कम प्रयास की आवश्यकता होती है और उनकी ऊर्जा और समय की बचत होती है। फ्रंट-लोड बीस्पोक एआई वॉशिंग मशीनों की नई रेंज सुविधाजनक और प्रभावी धुलाई के साथ खुद को अलग करती है। प्रीमियम बीस्पोक एआई वॉशिंग मशीन रेंज के साथ हमारा लक्ष्य उन उपभोक्ताओं की मांगों को पूरा करना है जो प्रदर्शन, सुविधा और स्टाइल को महत्व देते हैं और उच्च क्षमता वाली वॉशिंग मशीन सेगमेंट में अग्रणी हैं, च्सैमसंग इंडिया के डिजिटल उपकरणों के वरिष्ठ निदेशक, सौरभ बैसाखिया ने कहा।

वैयक्तिकृत लॉन्ड्री अनुभवों में एक बड़ी छलांग लगाते हुए, सैमसंग की विशेष एआई वॉशिंग मशीनें स्मार्टथिंग्स ऐप एकीकरण के साथ इष्टतम वॉश विकल्प प्रदान करने के लिए 2.8 मिलियन बड़े डेटा पॉइंट का लाभ उठाती हैं। यह प्रत्येक धुलाई चक्र में अधिकतम मात्रा में ऊर्जा बचाने में भी मदद करता है। एआई एनर्जी मोड उपभोक्ताओं के बिजली बिल को कम करके 70 प्रतिशत तक ऊर्जा बचत प्रदान करता है।

एआई-आधारित प्रौद्योगिकियों के साथ उपयोगकर्ता अनुभव को नई ऊंचाइयों पर ले जाना बेस्पोक एआई वॉशिंग मशीनों में एआई-संचालित सुविधाओं की एक पूरी श्रृंखला कपड़े धोने के न्यूनतम प्रयास के साथ समग्र अनुभव को स्मार्ट, अधिक कुशल और पर्यावरण-अनुकूल बनाकर उपभोक्ताओं की जीवनशैली को नई ऊंचाइयों पर ले जाती है। इसलिए नई,ड्ड वॉशिंग मशीनें धोने से परे सोचती हैं और काम को बेहद आसान बनाती हैं।

एआई वॉश परिधान के वजन और कोमलता का पता लगाने के लिए ऊत सेंसिंग का उपयोग करता है। मृदा स्तर ट्रैकिंग सक्रिय रूप से साफ लेकिन सौम्य धुलाई, पानी और डिटर्जेंट के अधिकतम उपयोग के लिए पानी की गंदगी के आधार पर मिट्टी के वर्तमान स्तर की निगरानी करती है। ऑटो डिस्पेंस सुविधाएँ स्वचालित रूप से सही मात्रा में डिटर्जेंट और फैब्रिक सॉफ्नर वितरित करती हैं, जिससे अनुमान लगाने की परेशानी दूर हो जाती है। स्मार्टथिंग्स ऐप के माध्यम से उपलब्ध एआई एनर्जी मोड के साथ, आप अपने उपकरणों के ऊर्जा उपयोग को प्रबंधित कर सकते हैं और इस प्रक्रिया में पैसे बचा सकते हैं। उपभोक्ता मासिक ऊर्जा बिलों का अनुमान लगाने वाली सुविधाओं के साथ अपनी दैनिक, साप्ताहिक और मासिक बिजली खपत की निगरानी कर सकते हैं।

टी.एम. पटेल इंटरनेशनल स्कूल में जन्माष्टमी का त्योहार श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया

सूरत ।

टी.एम. वेसू स्थित पटेल इंटरनेशनल स्कूल में जन्माष्टमी बड़ी श्रद्धा व हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर भगवान कृष्ण के जीवन को दर्शाने वाले भक्ति नृत्य, गीत और श्लोक सहित एक जीवंत सांस्कृतिक प्रदर्शन हुआ। राधा और कृष्ण बने छात्रों ने अपनी रंग-बिरंगी पोशाक और मासूम मुस्कान से उत्सव में चार चांद लगा दिए। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण पारंपरिक दही हांडी थी, जहां छात्रों ने अपनी टीम वर्क और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन करते हुए उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूरा स्कूल भजनों और मंत्रों की ध्वनि से गूंज उठा और एक दिव्य और उत्सवपूर्ण माहौल बन गया।

इन गतिविधियों के माध्यम से, छात्रों ने न केवल उत्सव का आनंद लिया बल्कि जन्माष्टमी के महत्व और भगवान कृष्ण की शिक्षाओं के बारे में भी सीखा। कार्यक्रम का समापन आशीर्वाद और मिठाई वितरण के साथ हुआ, जिससे सभी को उस दिन की यादें ताजा हो गईं।

प्रिंसिपल श्री के. युवा हमारे छात्रों में एकता और भक्ति की भावना पैदा होती है और इस उत्सव को सफल बनाने के लिए कर्मचारियों द्वारा किए गए प्रयासों पर गर्व है।"

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)